रांची, शनिवार
03.10.2026
वर्ष : 11, अंक : 301, पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रुपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरें हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

एशियन खेलः भारतीय महिला हॉकी टीम ने खत्म किया 44 साल का सूखा, चीन को हराकर जीता स्वर्ण

बिभा संवाददाता

रांची/जापान : जापान के आइची-नागोया में आयोजित एशियन गेम्स 2026 में भारतीय महिला हॉकी टीम ने ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए गत विजेता चीन को रोमांचक फाइनल मुकाबले में 1-0 से मात देकर स्वर्ण पदक जीत लिया है। भारत ने पूरे 44 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद एशियन गेम्स महिला हॉकी में यह स्वर्णिम सफलता हासिल की है। इससे पूर्व भारतीय महिला टीम ने वर्ष 1982 में नई दिल्ली में स्वर्ण पदक जीता था। इस खिताबी जीत के साथ ही

भारतीय टीम ने लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक खेलों के लिए सीधे क्वालीफाई कर लिया है। फाइनल मुकाबले में भारत के लिए निर्णायक गोल लालरेमसियामी ने दागा। पूरे मैच के दौरान भारतीय खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट तालमेल, धैर्य और अभेद्य रक्षात्मक खेल का मुजाहिरा किया और चीन के तमाम आक्रामक हमलों को नाकाम करते हुए 1-0 की बढ़त अंत तक बरकरार रखी।

इस ऐतिहासिक स्वर्णिम सफर की अगुवाई झारखंड की बेटी और कप्तान सलीमा टेटे ने की। भारतीय दल में झारखंड की चार होनहार बेटियां–कप्तान सलीमा टेटे, निक्की प्रधान, ब्यूटी डुंगडुंग और दीपिका सोरेंग शामिल रहीं। सलीमा टेटे और निक्की प्रधान ने मैदान में शानदार खेल कौशल और अनुभव का परिचय दिया, वहीं ब्यूटी डुंगडुंग व दीपिका सोरेंग ने भी टीम की इस जीत में अहम भूमिका निभाई।

हॉकी झारखंड ने पूरी टीम, कप्तान सलीमा टेटे और राज्य की चारों खिलाड़ियों को इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर बधाई दी है। इसके साथ ही जापान में मौजूद रहकर खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाने और मजबूत मार्गदर्शन देने के लिए हॉकी इंडिया के महासचिव सह हॉकी झारखंड के अध्यक्ष भोलानाथ सिंह एवं हॉकी इंडिया के पदाधिकारियों का विशेष आभार जताया गया। हॉकी झारखंड ने घोषणा की है कि राज्य की चारों बेटियों के स्वदेश लौटने पर उनका भव्य व ऐतिहासिक नागरिक अभिनंदन किया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

जेएसएससी-सीजीएल मामले में सीआईडी ने एक आरोपित को किया गिरफ्तार

रांची। अपराध अनुसंधान विभाग (सीआईडी) ने शुक्रवार को झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) की सीजीएल परीक्षा में कथित पेपर लीक मामले की जांच के क्रम में एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान मिथिलेश कुमार पांडेय के रूप में हुई है। वह बोकारो जिले के हरला का रहने वाला बताया गया है। सीआईडी के आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, मिथिलेश पांडेय प्रश्नपत्र छापने वाली एजेंसी के संचालक मिथिलेश सिंह का करीबी है। जांच में उसके जरिए कथित तौर पर कई अभ्यर्थियों से पैसे लेकर प्रश्नों के उत्तर उपलब्ध कराने की बात सामने आई है। गिरफ्तारी के बाद सीआईडी की टीम उससे पूछताछ कर रही है।

राज्य के 20 जिलों में छह अक्टूबर को बारिश के आसार

रांची। झारखंड में एक बार फिर मौसम का मिजाज बदलने वाला है। राजधानी रांची सहित राज्य के 20 जिलों में छह अक्टूबर को हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने पांच से आठ अक्टूबर के बीच राज्य के अलग-अलग हिस्सों में बारिश का पूर्वानुमान जताया है। हालांकि, फिलहाल बारिश को लेकर किसी तरह का अलर्ट जारी नहीं किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार, छह अक्टूबर को उत्तर-पूर्वी, मध्यवर्ती और दक्षिणी झारखंड के कई जिलों में बारिश हो सकती है।

गांधी जयंती पर राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने बापू वाटिका पहुंचकर दी श्रद्धांजलि

सत्य, अहिंसा और स्वच्छता के संदेश को जीवन में उतारने का आह्वान- शास्त्री जी की सादगी और कर्तव्यनिष्ठा को भी किया नमन

बिभा संवाददाता

रांची। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर शुक्रवार को राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार और मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने रांची के मोरहाबादी स्थित बापू वाटिका पहुंचकर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान बापू के प्रिय भजनों का श्रवण किया गया और उनके आदर्शों को स्मरण किया गया।

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि महात्मा गांधी का सत्य, अहिंसा और स्वच्छता का संदेश हमेशा देशवासियों के लिए प्रेरणा का स्रोत रहेगा। उनका जीवन मानवता, शांति, सद्भाव और समाजसेवा के मार्ग पर

चलने की सीख देता है। उन्होंने कहा कि आज ही पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न लाल बहादुर शास्त्री की जयंती भी है। शास्त्री जी के सादगीपूर्ण जीवन, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा को नमन करते हुए राज्यपाल ने कहा कि उनके आदर्श भी सदैव प्रेरणा देते रहेंगे।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने इस अवसर पर कहा कि दो महान विभूतियों की जयंती का यह दिन देश के इतिहास में सदैव स्मरणीय रहेगा। उन्होंने कहा कि हर वर्ष की तरह इस बार भी लोग एकत्र होकर महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री को श्रद्धासुमन अर्पित कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत का इतिहास ऐसे महान व्यक्तित्वों से समृद्ध रहा है, जिन्होंने देश और समाज को दिशा दिखाई। बापू के विचार और जीवन-दर्शन आने वाली पीढ़ियों को मानवता का मार्ग दिखाते रहेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार गांधी के सिद्धांतों को आत्मसात करते हुए समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के कल्याण और सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

कार्यक्रम में रक्षा राज्य मंत्री और स्थानीय सांसद संजय सेठ, राज्यसभा सांसद महुआ माजी, विधायक कल्पना सोरेन समेत अन्य जनप्रतिनिधि, गणमान्य लोग और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान बापू वाटिका परिसर उनके प्रिय भजनों और देशभक्ति गीतों से गूंजता रहा।

मुख्यमंत्री ने योगदा सत्संग आश्रम का किया भ्रमण, स्वामी निर्मलानंद से की मुलाकात

बिभा संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन शुक्रवार को योगदा सत्संग समिति ऑफ इंडिया के परमहंस योगानन्द पथ, बहु बाजार, चुटिया स्थित योगदा सत्संग आश्रम पहुंचे। इस दौरान उन्होंने स्वामी ईश्वरानंद एवं स्वामी निर्मलानंद से मुलाकात की। मुख्यमंत्री के साथ विधायक कल्पना सोरेन भी मौजूद थीं।

मुख्यमंत्री ने आश्रम में श्री श्री परमहंस योगानंदजी के कक्ष, फोटो एवं पुस्तक गैलरी का अवलोकन किया और वहां उपलब्ध ऐतिहासिक एवं आध्यात्मिक सामग्री के बारे में जानकारी प्राप्त की।

गैलरी में परमहंस योगानन्दजी एवं उनके प्रमुख शिष्यों द्वारा रचित पुस्तकें, प्रकाशित संदर्भ सामग्री, स्वामीजी से संबंधित डाक टिकट, फोटोग्राफ तथा उनके द्वारा इस्तेमाल की गई वस्तुओं को संरक्षित रखा गया है।

इसके बाद मुख्यमंत्री ने लीची वेदी, स्मृति मंदिर और ध्यान मंदिर का भ्रमण किया। उन्होंने ध्यान के लिए विकसित उद्यान एवं आश्रम परिसर का भी अवलोकन किया और इसके संबंध में जानकारी ली। स्वामी ईश्वरानंद एवं स्वामी निर्मलानंद ने मुख्यमंत्री को आश्रम की हालिया गतिविधियों और विभिन्न कार्यों से भी अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने आश्रम परिसर के आध्यात्मिक एवं ऐतिहासिक महत्व के बारे में जानकारी ली।

महात्मा गांधी और शास्त्री जयंती पर संविधान सदन में दी गई पुष्पांजलि

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर शुक्रवार को आज संविधान सदन के सेंट्रल हॉल में दोनों महान विभूतियों के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी गई।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन एवं उर्वरक मंत्री जेपी नड्डा, केंद्रीय संसदीय कार्य एवं अल्पसंख्यक कार्य मंत्री

किरेन रिजिजू, राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, सांसद और भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन, संसद सदस्य, पूर्व सांसद और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने महात्मा गांधी तथा लाल बहादुर शास्त्री के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्कूली छात्रों से संवाद किया।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने दोनों महान नेताओं के जीवन और देश के प्रति उनके योगदान को याद किया गया। उन्होंने एक्स पर साझा अपने संदेश में कहा कि पूज्य महात्मा गांधी और श्रद्धेय लाल बहादुर शास्त्री का संपूर्ण जीवन देशवासियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। सत्य, अहिंसा, सादगी और राष्ट्रसेवा के उनके आदर्श आने वाली पीढ़ियों को भी मार्गदर्शन देते रहेंगे।

जंतर-मंतर पर ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर विपक्षी दलों का प्रदर्शन, 1100 लोग हिरासत में

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली स्थित जंतर-मंतर पर शुक्रवार को मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया रोकने को लेकर विरोध प्रदर्शन जारी है। इस प्रदर्शन में वामपंथी दलों, कांग्रेस, आम आदमी पार्टी (आआप)सहित कई संगठन के लोग यहां धरने पर बैठे हैं। पुलिस ने कई लोगों को हिरासत में लिया। इनमें आम आदमी पार्टी (आआपा) के कई नेता शामिल हैं।

छात्र संगठनों ने शुक्रवार (दो अक्टूबर) गांधी जयंती के दिन दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन का ऐलान किया था। यह मांग चुनाव आयोग के कामकाज और मतदाता सूचियों से जुड़े मामलों को संभालने के तरीके को लेकर की जा रही है। पुलिस का कहना है कि प्रदर्शन के लिए अनुमति नहीं दी गई थी। इसके बावजूद सामाजिक कार्यकताओं और छात्र संगठनों ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा), स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई), एनएसयूआई और डेमोक्रेटिक यूथ फेडरेशन ऑफ इंडिया (डीवाईएफआई) ने इस प्रदर्शन का आह्वान किया है। इसलिए इस इलाके में निषेधाज्ञा लागू होने के कारण बिना अनुमति भीड़ जुटने से रोकने के लिए यह कार्रवाई की गई।

प्रदर्शन के आह्वान के चलते जंतर-मंतर और आसपास के इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया था। आज सुबह से ही दिल्ली भर में करीब 11 मेट्रो स्टेशनों को बंद किया गया है। ये वे मेट्रो स्टेशन हैं जहां से जंतर मंतर तक जाना आसान होता है। वहीं कई जगहों पर पुलिस ने बैरिकेट भी लगा रखे हैं ताकि किसी अप्रिय घटना होने से रोका जा सके। इस प्रदर्शन के मद्देनजर इलाके में इंटरनेट भी बंद रखा गया है।

प्रदर्शन के दौरान आम आदमी पार्टी (आआप) की नेता आतिशी, सौरभ भारद्वाज, संजय सिंह समेत 1100 से ज्यादा प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया है। ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन की राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा बोरा को भी हिरासत में लिया है। साथ ही, योगेंद्र यादव, आरजेडी नेता मनोज झा को भी पुलिस ने पकड़ा है। वहीं आआपा के राज्यसभा सांसद संजय सिंह को नॉर्थ एवेन्यू के पास रोक दिया गया। वह प्रदर्शन स्थल की तरफ जाने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें आगे नहीं जाने दिया।

राष्ट्र कमजोर होगा तो धर्म पर आएगा संकटः मोहन भागवत

एजेंसी

मुंबई । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को मुंबई में अखिल भारतीय विहार सेवा समूह के 14वें सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने राष्ट्र, धर्म, समर्पण और भारत की ज्ञान परंपरा समेत विभिन्न विषयों पर विचार रखे। भागवत ने कहा कि भारतीय परंपरा में राष्ट्र और धर्म को अलग-अलग नहीं माना गया है। उनके अनुसार राष्ट्र और धर्म एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं और दोनों को साथ लेकर आगे बढ़ना जिम्मेदारी है।

भागवत ने कहा कि राष्ट्र और धर्म को केवल बोलने के बजाय

अपने व्यवहार और कर्मों में उतारने की कोशिश करनी चाहिए। उन्होंने संघ के स्वयंसेवकों का उदाहरण देते हुए कहा कि बड़ी संख्या में लोग बिना किसी अपेक्षा के अपना समय और धन देश सेवा में लगाते हैं। उन्होंने समर्पण के महत्व पर कहा कि किसी नेक, दिव्य या पवित्र उद्देश्य के प्रति समर्पण व्यक्ति के जीवन को सार्थक बना सकता है। उन्होंने सम्मेलन में मौजूद लोगों से ऐसे उद्देश्य के प्रति स्वयं को समर्पित करने की बात कही।

आरएसएस प्रमुख ने कहा, ₹हमारी परंपरा में राष्ट्र और धर्म अलग नहीं हैं।₹ उन्होंने कहा कि राष्ट्र का उद्देश्य धर्म है और धर्म राष्ट्र को बनाए रखने में सहायक है। दोनों एक-दूसरे पर निर्भर हैं। उनके मुताबिक राष्ट्र कमजोर होता है तो धर्म पर खतरा आता है और धर्म का अभ्यास कमजोर पड़ने पर राष्ट्र का पतन होता है।

भागवत ने कहा कि ज्ञान परंपरा को आगे बढ़ाने वालों की रक्षा करना केवल धार्मिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि मानवता की सेवा भी है। उन्होंने भारतीय ज्ञान परंपरा में वेद, उपनिषद, रामायण, महाभारत, भगवद्गीता, जैन आगम, त्रिपिटक और गुरु ग्रंथ साहिब समेत विभिन्न परंपराओं का उल्लेख किया।

भागवत ने कहा कि दुनिया विकास और पर्यावरण संरक्षण, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और पारिवारिक जीवन तथा धार्मिक आस्था और संघर्ष जैसी कई विरोधाभासी परिस्थितियों से जूझ रही है। उन्होंने कहा कि हर आकांक्षा के साथ किसी न किसी तरह का नुकसान जुड़ा है और संतुलन की कमी के कारण दुनिया परेशान है।

उन्होंने कहा कि दुनिया भारत की ओर उम्मीद से देख रही है। भागवत ने दावा किया कि भारत ने लंबे समय तक बिना दूसरे देशों पर विजय हासिल किए या लोगों का धर्म परिवर्तन कराए अपनी ज्ञान परंपरा के जरिए सुख और शांति का मार्ग दिखाया।

सम्मेलन में संघ के कार्यकताओं, छात्रों और जैन समाज से जुड़े लोगों ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया। कार्यक्रम का आयोजन जैन साधु-संतों की सुरक्षित और सुगम पदयात्रा के लिए काम करने वाले अखिल भारतीय विहार सेवा समूह की ओर से किया गया था।

मुंबई में 13 संदिग्ध बांग्लादेशी गिरफ्तार, फर्जी आधार-पैन बनाने का खुलासा

एजेंसी

मुंबई। मुंबई पुलिस ने खार और जुहू पुलिस की अलग-अलग कार्रवाई में 13 संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। ये कार्रवाई 29 सितंबर से 1 अक्टूबर के बीच मुंबई और नालासोपारा में की गई। इस मामले की छानबीन जारी है।

इस मामले की छानबीन कर रहे पुलिस अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि खार पुलिस ने 29 सितंबर को छह बांग्लादेशी नागरिकों को किया। जांच में उनके पास भारत में रहने के वैध दस्तावेज नहीं होने की बात सामने आई। इस मामले में गिरफ्तार 35 वर्षीय इकबाल शेख पर पुलिस को संदेह है कि वह बांग्लादेशी नागरिकों को अवैध रूप से भारत आने-जाने, रहने और रोजगार की व्यवस्था कराने के साथ फर्जी भारतीय पहचान दस्तावेज उपलब्ध कराने में मदद करता था। पुलिस के मुताबिक, शेख के मोबाइल फोन से अलग-अलग नामों पर जारी करीब 40 आधार और पैन कार्ड की तस्वीरें, क्यूआर कोड और डिजिटल ट्रेन टिकट मिले हैं। उसके घर से करीब 20 आधार कार्ड भी बरामद किए गए हैं, जिनकी प्रामाणिकता की जांच की जा रही है। एक बांग्लादेशी बांग्लालिंक सिम कार्ड भी मिला है। खार पुलिस ने इमिग्रेशन एंड फॉरेनर्स एक्ट, 2025 की धारा 24 के तहत मामला दर्ज किया है।

टाना भगतों का स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान हमारी गौरवशाली विरासत : शिल्पी नेहा तिर्की

बिभा संवाददाता

बेड़ो: प्रखंड के खक्सी टोली स्थित टाना भगत स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्मारक समिति परिसर में गांधी जयंती के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने टाना भगत समुदाय के लोगों के साथ झंडोत्तोलन कर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश एवं पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी द्वारा स्वतंत्रता सेनानियों को प्रदान किए गए ताम्रपत्र से सम्मानित स्वतंत्रता सेनानियों की प्रतिमाओं का महात्मा गांधी की प्रतिमा के साथ अनावरण किया गया। प्रतिमाओं के अनावरण के साथ टाना भगत समुदाय के स्वतंत्रता संघर्ष और उनके ऐतिहासिक योगदान को स्मरण किया गया।

मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा, स्वदेशी और आत्मसम्मान के विचारों से प्रभावित होकर टाना भगत समुदाय के पूर्वजों ने स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके संघर्ष, त्याग और अनुशासन ने देश की आजादी की लड़ाई को मजबूती प्रदान की। उन्होंने कहा कि टाना भगतों का इतिहास केवल अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा और जिम्मेदारी है। नई पीढ़ी को अपने पूर्वजों के संघर्ष, इतिहास, संस्कृति और परंपराओं से जोड़ना आवश्यक है।

मंत्री ने कहा कि समाज के विकास के लिए शिक्षा, जागरूकता और सामाजिक एकजुटता बेहद जरूरी है। टाना भगत समुदाय के सामाजिक एवं शैक्षणिक सशक्तीकरण पर निरंतर ध्यान देने की आवश्यकता है, ताकि आने वाली पीढ़ियां अपनी पहचान और गौरवशाली इतिहास के साथ आगे बढ़ सकें।

उन्होंने लोगों से महात्मा गांधी के विचारों और टाना भगत स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष से प्रेरणा लेकर सत्य, अहिंसा, शिक्षा, जागरूकता और सामाजिक एकजुटता के मार्ग पर आगे बढ़ने का आह्वान किया। कार्यक्रम में कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष करमा उरांव, उप प्रमुख मोदस्सीर हक, टाना भगत के.डी. गुरु सहित बड़ी संख्या में टाना भगत समुदाय के लोग एवं स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

जमशेदपुर पश्चिम में 150 स्थानों पर लगेंगी एलईडी स्ट्रीट लाइट, विधायक सरयू राय ने शुरू कराया कार्य

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर: जमशेदपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में नागरिकों की मांग को देखते हुए विधायक सरयू राय ने अंधेरे वाले इलाकों को रोशन करने की पहल शुरू की है। विधायक निधि से 11 लाख 89 हजार 250 रुपये की लागत से 150 बिजली के पोलों पर एलईडी स्ट्रीट लाइट लगाने का काम प्रारंभ कराया गया है। इस अभियान की शुरूआत मानगो के वार्ड संख्या 9 स्थित बालीगुमा और वार्ड संख्या 6 स्थित डिमना बस्ती से की गई।

विधायक सरयू राय ने बताया कि सुरक्षित आवागमन और नागरिक सुविधा के मद्देनजर उन सभी स्थानों को प्राथमिकता दी जा रही है जहां बिजली के पोल तो पहले से मौजूद हैं, लेकिन लाइट न होने से रात में अंधेरा पसरा रहता था। इसके अलावा जिन क्षेत्रों में विद्युत पोल उपलब्ध नहीं हैं, वहां प्रकाश की व्यवस्था के लिए सोलर एलईडी स्ट्रीट लाइटें लगाई जा रही हैं। इस पहल से पूरे क्षेत्र में रात के समय प्रकाश व्यवस्था मजबूत होगी।

शुभारंभ कार्यक्रम के दौरान मानगो नगर निगम के उप महापौर राहुल कश्यप, वार्ड सदस्य राजेश सिंह, रविन्द्र सिंह सिसोदिया, राजू प्रजापति, अजय महतो, पिंटू सिंह, डी. मिश्रा, अनिमेष सिन्हा, राहुल कुमार, महेश सिंह, धर्मेंद्र कुमार, भोला, बाबा और नानकू ओझा सहित कई स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

तेली साहू महासंगठन ने जयंती पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को किया याद

जमशेदपुर(बिभा)। राष्ट्रीय तेली साहू महासंगठन, पूर्वी सिंहभूम के तत्वावधान में शुक्रवार को मानगो गांधी मैदान स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती कार्यक्रम जिलाध्यक्ष राकेश साहू के नेतृत्व में संपन्न हुआ। इस अवसर पर तेली साहू महासंगठन के लोगों ने महात्मा गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। मौके पर जिलाध्यक्ष राकेश साहू ने कहा कि महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री दोनों ही इस देश के महान महापुरुष थे। महात्मा गांधी ने सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलकर देश को आजादी दिलाई, वहीं शास्त्री जी ने जय जवान, जय किसान का नारा देकर देश को नई दिशा दी। हम सभी को उनके बताए हुए आदर्शों और सिद्धांतों पर चलने की जरूरत है। इस अवसर पर वार्ड पार्षद जितेंद्र साव, जिला कार्यकारी अध्यक्ष शिवलोचन साहू, जिला महामंत्री अशोक साहू, जिला कोषाध्यक्ष सुरेश कुमार, वरीय उपाध्यक्ष रंजीत कुमार साव, साहू समाज के वरिष्ठ नेता मोहन साहू पारस, पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष जितेंद्र साव लाला, महिला मोर्चा अध्यक्ष पूजा साहू, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष गौतम साहू, बजरंगी प्रसाद, संजय साहू, गणेश साहू, सतदेव प्रसाद, रोशन गुप्ता, शेखर कुमार, कन्हैया प्रसाद, अजय कुमार गुप्ता, इंद्र नारायण साहू, राजकुमार साहू, विकास कुमार, नीरज साहू, राजेश साहू, नेहा साहू, रीता देवी, विष्णु साहू आकाश गुप्ता संतोष कुमार आदि उपस्थित थे। अंत में जिलाध्यक्ष राकेश साहू ने सभी का आभार व्यक्त किया।

नरकोपी पुलिस की कार्रवाई, अवैध गैस सिलेंडर व चावल बरामद, दो गिरफ्तार

बेड़ो/नरकोपी(बिभा)। वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर नरकोपी थाना क्षेत्र में 1 अक्टूबर 2026 को बोबरो मोड़ के पास एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान पुलिस ने एक ऑल्टो कार को चेकिंग के लिए रोकने का प्रयास किया। पुलिस को देखकर चालक वाहन लेकर नरकोपी की ओर तेज गति से भागने लगा। नरकोपी पुलिस ने पीछा कर उसे नरकोपी रेलवे फाटक के पास रोक लिया। पुलिस ने वाहन चालक से पूछताछ की। चालक ने अपना नाम सुनील उरांव उर्फ सुनील कच्छप (24 वर्ष), पिता डहरू उरांव, ग्राम जरिया सिंधवा टोली, थाना बेड़ो, जिला रांची बताया। वाहन की तलाशी लेने पर उसमें दो गैस सिलेंडर, तीन बोरा चावल तथा एक प्लास्टिक का छोटा बोरा बरामद हुआ। पूछताछ में सुनील उरांव ने पुलिस को बताया कि गैस सिलेंडर और चावल को बोबरो स्थित सरकारी स्कूल के रसोई घर का ताला तोड़कर चोरी किया गया था। आगे पूछताछ में उसने बेड़ो, लापुंग और नरकोपी थाना क्षेत्र के सरकारी स्कूलों से गैस सिलेंडर, चावल सहित अन्य सामान चोरी करने की बात स्वीकार की। उसके निशानदेही पर पुलिस ने टांगरबसली थाना मांडर क्षेत्र के एक गैस दुकान से चोरी किए गए 17 गैस सिलेंडर भी बरामद किए। मामले में पुलिस ने सुनील उरांव उर्फ सुनील कच्छप के अलावा ऐनुल हक (51 वर्ष), पिता स्व. अमीरुद्दीन मियां, ग्राम टांगरबसली, थाना मांडर, जिला रांची को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से कुल 19 गैस सिलेंडर, तीन बोरा चावल और एक ऑल्टो कार बरामद की है। छापेमारी दल में नरकोपी थाना प्रभारी शैलेंद्र कुमार टुडू, लापुंग थाना प्रभारी गोविंद कुमार, बेड़ो थाना प्रभारी कफील अहमद सहित पुलिस बल शामिल थे।

नारायण प्राइवेट आईटीआई चांडिल में मनी गांधी व शास्त्री जयंती

चांडिल(बिभा): लुपुंगडीह स्थित नारायण प्राइवेट आईटीआई में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं देश के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पूरी श्रद्धा और गरिमा के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की शुरूआत दोनों महापुरुषों के चित्रों पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इस अवसर पर संस्थान के शिक्षकों, कर्मचारियों और प्रशिक्षुओं ने बापू व शास्त्री जी को नमन किया। समारोह को संबोधित करते हुए जटाशंकर पांडेय ने दोनों महान विभूतियों के व्यक्तित्व, कृतित्व और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि 2 अक्टूबर 1869 को गुजरात के पोरबंदर में जन्मे महात्मा गांधी ने सत्य और अहिंसा को प्रमुख हथियार बनाकर देश के स्वतंत्रता संग्राम को जन-जन का आंदोलन बना दिया। चंपारण सत्याग्रह, असहयोग आंदोलन, दांडी यात्रा और भारत छोड़ो आंदोलन के जरिए उन्होंने ब्रिटिश हुकूमत की नींव हिला दी। साथ ही स्वच्छता, सामाजिक समानता और आत्मनिर्भरता का संदेश दिया। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने दोनों महापुरुषों के पदचिह्नों पर चलने का संकल्प लिया। इस मौके पर संस्थान के प्राचार्य जयदीप पांडेय, शांति राम महतो, भगत लाल तेली, प्रकाश महतो, देवाशीष मंडल, पवन महतो, शशिप्रकाश महतो, अजय मंडल, कृष्णा पद महतो, लक्ष्मी महतो, निकिता गोराई सहित संस्थान के कई कर्मचारी और बड़ी संख्या में प्रशिक्षु उपस्थित थे।

नगर पंचायत, नगरपालिका और नगर निगम चाहें तो रुक सकता है ड्रग-सट्टा का कारोबार:सरयू राय

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर। जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय ने नगर पंचायतों, नगरपालिकाओं और नगरनिगमों का आह्वान किया है कि वे ड्रग्स और सट्टाबाजी के अवैध धंधे को रोकने में सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने यह भी कहा कि समाज को ड्रग्स और सट्टेबाजी के चंगुल से बचाने के लिए यह जरूरी है कि परिवार में सख्ती हो। सरयू राय ने कहा कि शासन के शीर्ष पर बैठे लोग ही ड्रग्स और सट्टा जैसी कुरीतियों के लिए जिम्मेदार हैं। साकची स्थालभूम क्लब में गांधी-शास्त्री जयंती के मौके पर जदयू (युवा मोर्चा) के तत्वावधान में आयोजित सट्टेबाजी और ड्रग्स के दुष्प्रभाव पर विचार क्रांति सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि सरयू राय ने कहा कि जमशेदपुर जैसे आधुनिक शहर में सट्टेबाजी और ड्रग्स का धंधा बहुत बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि इस धंधे की जानकारी सभी को है। पुलिस का एक अदना सिपाही से लेकर पुलिस महानिदेशक तक को पता है कि कहां क्या चल रहा है लेकिन हो कुछ नहीं रहा। कुछ दिनों पूर्व उन्होंने जब ऐलान कर दिया था कि सट्टा एवं ड्रग्स के खिलाफ सम्मेलन करेंगे, तो उसके फौरन बाद कार्रवाई की गई और कई लोग पकड़े गए। उन्हें लगा कि यह कार्रवाई और आगे बढ़ेगी लेकिन कार्रवाई रुक गई। इसने संदेह को जन्म दिया। जब लिंक्स मिले थे, तब कार्रवाई और तेज होनी चाहिए थी। लेकिन कार्रवाई रोक दी गई इसका बहुत बड़ा अर्थ है। श्री राय ने कहा कि सत्ता के शीर्ष पर बैठे लोग नगर पंचायतों, नगरपालिकाओं और नगर निगमों को तवज्जो नहीं देते। जिस दिन इन्हें तवज्जो दिया जाना शुरू कर दिया जाएगा, उस दिन से सट्टा और ड्रग्स पर प्रभावी नियंत्रण देखने को मिलने लगेगा। श्री राय ने कहा कि एक घर का कोई भी सदस्य नशेड़ी हो जाए, सट्टाबाज हो जाए तो उसका दुष्प्रभाव पूरे घर पर पड़ता है। सबसे ज्यादा असर बच्चों पर पड़ता है। अगर बच्चा भी कुसंस्कृति का शिकार हो जाए तो वह इस गंदी प्रवृति को आगे बढ़ा सकता है। इसलिए, यह जरूरी है कि घर में माता-पिता अपना खान-पान, आचरण-व्यवहार ठीक रखें और बच्चों को भी संस्कारयुक्त लालन-पालन दें।

महानिरीक्षक संजय रंजन सिंह ने कहा कि नशा करना बुरी बात नहीं, लेकिन यह देश के प्रति हो। नशा करना है तो भारतवर्ष के लिए करो, जैसा चंद्रशेखर आजाद और शहीद भगत सिंह ने किया था। कार्यक्रम का मंच संचालन विवेक पांडेय जबकि धन्यवाद ज्ञापन जदयू महानगर अध्यक्ष अजय कुमार ने किया। सभी आगंतुकों का स्वागत मुख्य द्वार पर पीला चंदन लगा कर किया गया।

गांधी जयंती पर शांति और एकता के संदेश के साथ 225 किमी पदयात्रा

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर : गांधी जयंती के अवसर पर कोलकाता के ऐतिहासिक बेलियाघाटा स्थित गांधी भवन से शांतिनिकेतन तक 225 किलोमीटर की पदयात्रा शुरू हुई. करीब 15 दिनों तक चलने वाली इस यात्रा में देश के 14 राज्यों के लोग शामिल हैं. झारखंड से रीपांजल लकड़ा, कुंती बोइपाई, अजय बेसरा, निधि मुंडा, विकास कुमार, राजश्री समेत करीब 15 साथी यात्रा में शामिल हुए हैं। सर्व सेवा संघ के अध्यक्ष सुरेश चंदन पाल भी पदयात्रा में शामिल हैं.

पदयात्रा का उद्देश्य महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा, शांति और भाईचारे के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना है. बेलियाघाटा का विशेष ऐतिहासिक महत्व है, क्योंकि 1947 में गांधीजी ने सांप्रदायिक हिंसा के बीच यहीं रहकर शांति स्थापित करने का प्रयास किया था.

यात्रा का समापन 16 अक्टूबर को शांतिनिकेतन में होगा.यह तारीख 1905 के बंगाल विभाजन से भी जुड़ी है. रवींद्रनाथ टैगोर ने उस समय राखी-बन्धन के माध्यम से हिंदू-मुस्लिम एकता और भाईचारे का संदेश दिया था.

पदयात्रा के दौरान गांधी, टैगोर, संविधान और डॉ. भीमराव आंबेडकर के विचारों पर संवाद किया जा रहा है. आयोजकों के अनुसार, यह यात्रा शांति, एकता, समानता और सामाजिक सद्भाव के ऐतिहासिक संदेशों को वर्तमान पीढ़ी से जोड़ने का प्रयास है.

सास की हत्या और पत्नी पर जानलेवा हमला, मुख्य आरोपी सलमान अंसारी गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

बेड़ो। नरकोपी थाना क्षेत्र के ग्राम मंदरों में 29 सितंबर 2026 को सुबह करीब 7 बजे पारिवारिक विवाद को लेकर सलमान अंसारी ने अपनी सास हकीमा खातून एवं पत्नी अफसाना प्रवीण पर लोहे के रॉड तथा चाकू से हमला कर दिया। घटना में हकीमा खातून की मौत हो गई, जबकि पत्नी अफसाना प्रवीण गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल अफसाना का इलाज रिम्स में चल रहा है।

घटना की गंभीरता को देखते हुए वरीय पुलिस अधीक्षक के आदेश पर ग्रामीण एसपी के निर्देश में मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया गया। अनुसंधान के क्रम में 1 अक्टूबर 2026 को करीब सुबह 9 बजे पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि कांड का मुख्य आरोपी सलमान अंसारी नरकोपी रेलवे स्टेशन के पास किसी किराए के मकान में छिपा हुआ है।

सूचना के आधार पर पुलिस उपाधीक्षक बेड़ो के नेतृत्व में गठित एसआईटी टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नरकोपी रेलवे स्टेशन से सलमान अंसारी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त चाकू भी बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपी सलमान अंसारी (28 वर्ष), पिता सज्जाद अंसारी, ग्राम मंदरों, थाना नरकोपी, जिला रांची का रहने वाला है।

कार्रवाई में पुलिस उपाधीक्षक बेड़ो दीपक कुमार, पुलिस निरीक्षक बेड़ो उत्तम कुमार उपाध्याय, नरकोपी थाना प्रभारी शैलेन्द्र कुमार टुडू, लापुंग थाना प्रभारी गोविंद कुमार, बेड़ो थाना प्रभारी मो. कफील अहमद, नरकोपी थाना के एसआईओ/एसआई चंचल कुमार सिंह सहित सशस्त्र बल शामिल थे।

छोटा तिलाइझोर में दो दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता का समापन, विधायक ने खिलाड़ियों का बढ़ाया उत्साह

ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभाओं की कमी नहीं: संजीव सरदार

बिभा संवाददाता

पोटका : गांधी जयंती के अवसर पर हेंसल आमदा पंचायत के छोटा तिलाइझोर गांव स्थित चाडरीपाठ फुटबॉल मैदान में वाईएससी तिलाइझोर के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता का शुक्रवार को समापन हुआ। फाइनल मुकाबले में मुख्य अतिथि के रूप में पोटका विधायक संजीव सरदार शामिल हुए। उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साह बढ़ाया और किक मारकर फाइनल मुकाबले का शुभारंभ किया।

खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए विधायक संजीव सरदार ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। जरूरत इस बात की है कि इन प्रतिभाओं को बेहतर मंच और उचित अवसर उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि गांवों में होने वाली फुटबॉल प्रतियोगिताएं युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने और आगे बढ़ने का महत्वपूर्ण अवसर देती हैं।

विधायक ने कहा कि खेल केवल जीत और हार तक सीमित नहीं है। खेल के माध्यम से युवाओं में अनुशासन, टीम भावना, नेतृत्व क्षमता और आपसी सहयोग की भावना विकसित होती है।

संजीव सरदार ने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि पढ़ाई के साथ खेल को भी अपने जीवन का हिस्सा बनाएं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजित होने वाले ऐसे आयोजनों से युवाओं को अपनी क्षमता पहचानने और उसे निखारने का अवसर मिलता है। उन्होंने प्रतियोगिता के आयोजन के लिए आयोजकों को भी शुभकामनाएं दीं। इस

मौके पर मुखिया अर्धेंदु सरदार, पूर्व मुखिया लखिमनी सरदार, शिक्षक उत्तम सरदार, पूर्व उपमुखिया मंजू दास, कमेटी के बलराम सरदार, पूर्णचंद्र सरदार, जयराम सरदार, देवसिंह सरदार, नरोत्तम दास, अरुण पात्र, विश्वनाथ सरदार, उदित सिंह सरदार, विक्रम सरदार, सिरतन सरदार, शंकर सरदार सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण, खिलाड़ी एवं खेलप्रेमी उपस्थित थे।

छठ से पहले चमकेगी स्टेशन से बड़ौदा घाट तक की सड़क, संजीव सरदार ने किया 4 करोड़ रुपए की सड़क मरम्मत कार्य का शिलान्यास

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर : पोटका विधानसभा के बागबेड़ा बड़ौदा घाट, टाटानगर स्टेशन और आसपास के लोगों के लिए बड़ी राहत की खबर है। पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल जमशेदपुर के अंतर्गत टाटानगर रेलवे स्टेशन से बड़ौदा घाट तक 2.85 किलोमीटर लंबी सड़क के क्रम्हद (विशेष सड़क मरम्मत कार्य) कार्य का शिलान्यास शुक्रवार को पोटका विधायक संजीव सरदार ने किया। करीब चार करोड़ रुपये की लागत से होने वाले इस कार्य को तीन महीने के भीतर पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

शिलान्यास के बाद विधायक संजीव सरदार ने कहा कि सड़क का काम जल्द शुरू कराकर छठ पर्व से पहले इसे पूरा कराने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं को आवागमन में किसी तरह की परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि कोशिश है कि दुगार्पूजा से पहले ही काम शुरू हो जाए, जिससे पूजा के दौरान भी लोगों को कम से कम परेशानी का सामना करना पड़े। संजीव सरदार ने कहा कि स्थानीय झामुमो नेताओं और क्षेत्र के लोगों द्वारा उन्हें लंबे समय से सड़क की स्थिति से अवगत कराया जा रहा था। इसके बाद उन्होंने मामले को गंभीरता से लेते हुए विभागीय स्तर पर लगातार प्रयास किया और सड़क के लिए डीपीआर तैयार कराया गया।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के पास पथ निर्माण विभाग का प्रभार होने के कारण राज्य सरकार ने इस सड़क की आवश्यकता को गंभीरता से लिया और सड़क की स्वीकृति प्रदान की। विधायक ने इसके लिए मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताते हुए कहा कि सरकार की प्राथमिकता आम लोगों को बेहतर सड़क और सुगम आवागमन उपलब्ध कराना है।

सड़क निर्माण का कार्य सुजीत सिंह कंस्ट्रक्शन को सौंपा गया है। विधायक ने विभागीय अधिकारियों और संवेदक से कार्य में तेजी लाने तथा निर्धारित समय-सीमा के भीतर काम पूरा करने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि पर्व-त्योहार के दौरान आम लोगों को परेशानी न हो, इसलिए कार्य को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया जाए।

अभियंताओं ने विधायक को बताया कि भारी बारिश के कारण पुल के निर्माण कार्य में बाधा आ रही थी और काम रोकना पड़ा था। अब बारिश थमने के बाद कार्य को तेजी से आगे बढ़ाकर जल्द पूरा कराया जाएगा। विधायक ने अधिकारियों से कहा कि मौसम का लाभ उठाते हुए काम में तेजी लाई जाए और लोगों को जल्द राहत दी जाए। शिलान्यास के मौके पर सहायक अभियंता जितेंद्र कुमार मिश्रा, कनीय अभियंता जियाउल हक, पूर्व जिला परिषद सदस्य किशोर यादव, मुखिया मायावती टुडू, जमुना हांसदा, जगत मार्डी, पप्पू उपाध्याय, संतू कर्मकार, पिंटू तिर्की, बनारस दास, नीता सरकार सहित अन्य लोग मौजूद थे।

दुगार्पूजा को लेकर बेड़ो थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित

बिभा संवाददाता

बेड़ो: बेड़ो प्रखंड के थाना बेड़ो परिसर में शुक्रवार को दुगार्पूजा पर्व-2026 को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पुलिस उपाधीक्षक बेड़ो दीपक कुमार ने की। बैठक में दुगार्पूजा के दौरान क्षेत्र में शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में उपस्थित लोगों ने पर्व के दौरान होने वाले विभिन्न आयोजनों, पूजा पंडालों एवं श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए आवश्यक व्यवस्था और आपसी समन्वय पर विचार-विमर्श किया। पुलिस प्रशासन की ओर से भी सभी लोगों से शांतिपूर्ण तरीके से पर्व मनाने तथा किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान नहीं देने की अपील की गई। साथ ही किसी तरह की समस्या उत्पन्न होने पर तत्काल पुलिस को सूचना देने की बात कही गई।

पुलिस उपाधीक्षक दीपक कुमार ने कहा कि दुगार्पूजा आपसी भाईचारे और सौहार्द का पर्व है। इसे सभी समुदायों के लोग मिल-जुलकर शांतिपूर्ण वातावरण में मनाएं। बैठक में क्षेत्र की विधि-व्यवस्था को लेकर स्थानीय लोगों से भी सुझाव लिए गए।

बैठक में थाना प्रभारी मो. कफिल अहमद, पूर्व उप प्रमुख धनंजय कुमार राय, बलराम सिंह, नवल किशोर सिंह, बाणी कुमार राय, रसीद मीर, मीर मुस्लिम हुसैन, शुका उरांव, राजेंद्र साहू, अंकित कुमार सोनी, संतोष कुमार दास, रमेश गोप, नकुल राम, चरवा उरांव, गणेश महथा सहित बड़ी संख्या में शांति समिति के सदस्य, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

संगठन की मजबूती और 2029 के चुनाव को ध्यान में रखते हुए करना है काम : पवन साय

बिभा संवाददाता

रांची। भाजपा के नवनियुक्त संगठन महामंत्री पवन साय ने कहा कि 2029 के चुनाव और संगठन की मजबूती को ध्यान में रखते हुए काम करना है। साथ ही उन्होंने कार्यकताओं से 2029 चुनाव को ध्यान में रखते हुए जोरदार नारा लगवाया कि हमरे जितब (हम जीतेंगे)। उन्होंने कहा कि झारखंड़ और छत्तीसगढ़ में बहुत कुछ समानतायें हैं। साय शुक्रवार रात प्रदेश कार्यालय पहुंचने के बाद कार्यकताओं को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि हम सब को संगठन को मजबूत बनाने के लिए काम करना है। कार्यकताओं की मेहनत का परिणाम है कि आज पूरे देश में भाजपा का संगठन एक नम्बर पर है।

हम सब मिलकर अच्छा उद्देश्य लेकर संगठन को मजबूत करते हुए आगामी चुनाव में भाजपा की सरकार बनेगी, यह विश्वास सबके दिल में होनी चाहिए, इसी भाव से काम करना है।

उन्होंने कहा कि झारखंड़ भोलेबाबा की धरती है, उनका आशीर्वाद तथा आप सबको साथ लेकर हम सब काम करेंगे, यह विश्वास आप सबको दिलाते हैं।

इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने नवनियुक्त प्रदेश संगठन महामंत्री का स्वागत एवम अभिनंदन करते हुए कहा कि इनको संगठन में काम करने का एक लंबा अनुभव है। निःसंदेह उनके अनुभव का लाभ झारखंड़ भाजपा को मिलेगा। उन्होंने कहा कि झारखंड की दशा और दिशा बदलने के लिए इनका मार्गदर्शन मिलेगा और झारखंड हित में इनके साथ कंधा से कंधा मिलाकर लड़ाई लड़ेंगे।

उन्होंने झारखंड के निवर्तमान संगठन महामंत्री सह छत्तीसगढ़ के नवनियुक्त महामंत्री कर्मवीर सिंह को विदाई देते हुए कहा कि इनके मार्गदर्शन में हम सबको काम करने का मौका मिला। 4 साल तक कर्मवीर सिंह ने बड़ी ही आत्मीयता के साथ एक पारिवारिक रिश्ता बनाकर हम सबों के साथ काम किया एवं संगठन को मजबूत बनाने में अहम योगदान दिया। उनके प्रति हम सब कृतज्ञ और आभारी हैं।

झारखंड के निवर्तमान संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने नवनियुक्त महामंत्री का स्वागत करते हुए कहा कि संगठन के कामों में बोलने की अपेक्षा काम कर दिखाया जाता है। मैंने जो उत्तरप्रदेश में सीखा, उससे इस प्रदेश में कार्यकताओं के साथ काम करना तथा संगठन में उनकी उपयोगिता के बारे में बहुत कुछ सीखा।

उन्होने कार्यकताओं से अपील करते हुए कहा कि सभी कार्यकताओं को पवन साय जी के साथ कदम से कदम मिलाकर काम करना है, उनका साथ देना है ताकि झारखंड़ में संगठन और मजबूत हो और 2029 में राज्य में भाजपा की सरकार बन सके।

इसके पूर्व भाजपा कार्यालय पहुंचने पर नवनियुक्त संगठन महामंत्री पवन साय ने डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी और दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। मौके पर केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश, रवींद्र राय, प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद, बालमुकुंद सहाय, भानु प्रताप शाही, गणेश मिश्रा, सरोज सिंह, अमरदीप यादव, शालिनी बैसिखियार, हेमन्त दास, सूरज चौरसिया, ललित ओझा मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

विधानसभा अध्यक्ष रबीन्द्रनाथ महतो ने महात्मा गांधी को दी श्रद्धांजलि

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा के अध्यक्ष रबीन्द्रनाथ महतो ने गांधी जयंती के अवसर पर शुक्रवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि बापू ने अहिंसा, प्रेम और सत्य के आग्रह से न सिर्फ भारत को स्वतंत्रता का मार्ग दिखाया, बल्कि सम्पूर्ण विश्व को शांति, सद्भाव और मानवता का संदेश दिया है।

उन्होंने कहा कि हाल ही में दक्षिण अफ्रीका में आयोजित 69वें राष्ट्रमंडल संसदीय संघ सम्मेलन (13 से 19 सितंबर, 2026) में भाग लेकर लौटे हैं। अपने प्रवास के दौरान उन्होंने महात्मा गांधी से जुड़े ऐतिहासिक स्थलों एवं आश्रम का भ्रमण किया। इस यात्रा के दौरान गांधी से जुड़े स्मृतियों को करीब से समझने का प्रयास किया।

अध्यक्ष ने कहा कि गांधी का डरबन से प्रिटोरिया तक का रेल यात्रा, एक बैरिस्टर से राष्ट्रपिता बनने तक की यात्रा थी। दक्षिण अफ्रीका के पीटरमैरिट्जबर्ग में गांधी ने जो अपमान सहा, उसे उन्होंने अपना निजी अपमान नहीं, बल्कि प्रत्येक भारतीय का अपमान माना। रंगभेद के विरुद्ध उनका संघर्ष वहीं से प्रारंभ हुआ। दक्षिण अफ्रीका की धरती पर ही सत्याग्रह का पहला सफल प्रयोग हुए। उन्होंने कहा कि उन्हें व्यक्तिगत रूप से एहसास हुआ की दक्षिण अफ्रीका में आज भी एक भारतीय के प्रति विशेष सम्मान का भाव है, इसका मूल कारण गांधी की ओर से बोया गया सत्य और अहिंसा का संस्कार है। इससे यह सिद्ध होता है कि गांधी की प्रासंगिकता आज वैश्विक स्तर पर पहले से भी अधिक है।

सीसीएल मुख्यालय में महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री को श्रद्धांजलि

बिभा संवाददाता

रांची। सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) मुख्यालय के गंगोत्री कन्वेंशन सेंटर परिसर में शुक्रवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती श्रद्धा के साथ मनाई गई। इस अवसर पर निदेशक (मानव संसाधन) हर्ष नाथ मिश्र, निदेशक (योजना एवं परियोजना) अनुप हंजूरा और मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ) पंकज कुमार सहित अधिकारियों ने दोनों महापुरुषों के चित्रों पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

निदेशक (मानव संसाधन) हर्ष नाथ मिश्र ने कहा कि महात्मा गांधी का जीवन सत्य, अहिंसा, स्वच्छता और मानवता के प्रति समर्पण का संदेश देता है। वहीं, लाल बहादुर शास्त्री की सादगी और राष्ट्र के प्रति निष्ठा सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि दोनों महापुरुषों के आदर्शों को कार्य और व्यवहार में उतारना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

निदेशक (योजना एवं परियोजना) अनुप हंजूरा ने कहा कि महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री ने राष्ट्र निर्माण में अनुशासन, ईमानदारी, आत्मनिर्भरता और जनसेवा के महत्व को स्थापित किया। उनके विचार आज भी देश के विकास का मार्गदर्शन करते हैं। उन्होंने कर्मचारियों से अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निर्वहन करने का आह्वान किया।

सीवीओ पंकज कुमार ने कहा कि गांधी जी का सत्य और नैतिकता का मार्ग तथा शास्त्री जी की ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा सभी के लिए आदर्श है। उन्होंने कार्यस्थल पर पारदर्शिता, सत्यनिष्ठा और नैतिक मूल्यों को अपनाने पर जोर दिया।

कार्यक्रम में सीसीएल मुख्यालय के महाप्रबंधक, विभागाध्यक्ष, अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

रिनपास में मनी गांधी एवं शास्त्री जयंती, मरीजों और कर्मियों ने महापुरुषों को दी श्रद्धांजलि

रांची(बिभा) : रिनपास कांके में शुक्रवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं देश के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती सादगी और गरिमामयी वातावरण में मनाई गई। इस अवसर पर आयोजित विशेष कार्यक्रम में संस्थान के पदाधिकारियों, कर्मचारियों के साथ-साथ भर्ती मरीजों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया। समारोह के दौरान उपस्थित सभी लोगों ने बापू और शास्त्री जी के चित्रों पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। वक्ताओं ने दोनों महापुरुषों के जीवन, उनकी सादगी, सत्य, अहिंसा और निःस्वार्थ देशसेवा के मूल्यों को याद करते हुए उनके आदर्शों पर प्रकाश डाला। शांतिपूर्ण व अनुशासित माहौल में संपन्न हुए इस कार्यक्रम के अंत में अस्पताल कर्मियों एवं मरीजों ने दोनों महान विभूतियों के दिखाए मार्ग पर चलने और उनके जीवन मूल्यों को अपने आचरण में उतारने का संकल्प लिया।

'खेलो झारखंड' का राज्य स्तरीय चरण आज से

राँची(बिभा): स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के अंतर्गत झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय विद्यालयी खेल प्रतियोगिता खेलो झारखंड का शनिवार से विधिवत आगाज होगा। पहले चरण में हॉकी एवं एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। खेलगांव स्थित बिरसा मुंडा एथलेटिक्स ग्राउंड में दोपहर 3 बजे राज्य परियोजना निदेशक शशि रंजन मुख्य अतिथि के रूप में प्रतियोगिता का औपचारिक उद्घाटन करेंगे। प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए राज्य के सभी 24 जिलों से अंडर-17 बालक एवं बालिका वर्ग के एथलीट और हॉकी टीमें राँची पहुंच चुकी हैं। शुक्रवार को खेलगांव में खिलाड़ियों के दस्तावेज सत्यापन, तकनीकी जांच और निबंधन (रजिस्ट्रेशन) की प्रक्रिया पूरी कर ली गई। इस महाकुंभ में राज्य के सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों के प्रतिभावान छात्र-छात्राएं अपने-अपने जिलों की टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए पदकों के लिए जोर आजमाइश करेंगे। इससे पूर्व, 2 अक्टूबर को खेलगांव के प्रैक्टिस मैदान में एथलेटिक्स की खुली चयन प्रक्रिया का आयोजन हुआ, जिसमें राज्यभर के सरकारी व निजी स्कूलों के कुल 582 बालक खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इनमें अंडर-14 वर्ग के 84, अंडर-17 वर्ग के 298 और अंडर-19 वर्ग के 200 खिलाड़ी शामिल रहे। प्रतियोगिता को लेकर खेलगांव में सुरक्षा, आवास और तकनीकी व्यवस्था पूरी तरह दुरुस्त कर ली गई है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने गांधी और शास्त्री जी को दी श्रद्धांजलि

रांची(बिभा) : भाजपा झारखंड के प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू द्वारा रांची के ओरमांझी में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं भारत के द्वितीय प्रधानमंत्री, भारत रत्न से सम्मानित महान स्वतंत्रता सेनानी लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर उनकी प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। मौके पर प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा कि महात्मा गांधी जी ने सत्य, अहिंसा और स्वच्छता के माध्यम से राष्ट्र को नई दिशा दी। वहीं लाल बहादुर शास्त्री जी ने सादगी, ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रभक्ति का अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत किया। राष्ट्र निर्माण में उनका अतुलनीय योगदान और त्याग, देशवासियों के लिए हमेशा सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। उन्होंने कहा कि गांधी जी और शास्त्री जी के आदर्शों को आत्मसात करते हुए देश, राज्य और समाज के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। इस दौरान पूर्व सांसद रामटहल चौधरी सहित रांची पूर्वी के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में भाजपा के कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

उपायुक्त ने रांची के पूजा पंडालों का निरीक्षण कर तय सुरक्षा मानकों का पालन करने का दिया निर्देश

बिभा संवाददाता

रांची। दुगार्पूजा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुगम आवागमन और विधि-व्यवस्था सुनिश्चित करने को लेकर उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने शुक्रवार को एसएसपी राकेश रंजन सहित अन्य संबंधित पदाधिकारियों के साथ शहर के विभिन्न पूजा पंडालों का निरीक्षण किया।

इस दौरान पूजा समितियों की ओर से की गई तैयारियों और सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया।

जिला प्रशासन की टीम ने आरआर स्पोर्टिंग क्लब, बकरी बाजार, राजस्थान मित्र मंडल, ओसीसी क्लब, जिला स्कूल रामलाला, चंद्रशेखर क्लब, कोकर, बूटी मोड़, चुटिया, हरमू पंच मंदिर एवं हरमू बाईपास रोड स्थित सत्य अमर लोक पूजा पंडालों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान पंडाल की संरचना, अग्निशमन व्यवस्था, विद्युत सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण, प्रवेश और निकास व्यवस्था, महिला एवं बुजुर्ग श्रद्धालुओं की सुविधा, पेयजल एवं स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था, सीसीटीवी, पार्किंग एवं यातायात व्यवस्था सहित कई जरूरी बिंदुओं की जानकारी ली गई।

इस दौरान ग्रामीण एसपी गौरव गोस्वामी, ट्रैफिक एसपी राकेश सिंह, सिटी एसपी पारस राणा, सदर एसडीओ कुमार रजत, प्रशिक्षु आईएएस आस्था शरण, अपर जिला दंडाधिकारी धनंजय सहित संबंधित पुलिस एवं प्रशासनिक पदाधिकारी उपस्थित थे।

मौके पर उपायुक्त ने सभी पूजा समितियों को जिला प्रशासन की ओर से निर्धारित सुरक्षा मानकों का अनिवार्य रूप से पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

श्रद्धालुओं की सुरक्षा का ध्यान रखना सर्वोच्च प्राथमिकता

उन्होंने कहा कि दुगार्पूजा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु पूजा पंडालों में पहुंचते हैं। ऐसे में उनकी सुरक्षा और सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं दुरुस्त रखी जाए।

वहीं जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया कि दुगार्पूजा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी पूजा समितियों को पंडाल निर्माण और आयोजन से संबंधित निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करना होगा।

मौके पर उपायुक्त ने पूजा समितियों से जिला प्रशासन के साथ निरंतर समन्वय बनाए रखने और किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई के लिए तैयार रहने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पूजा के दौरान सुरक्षा, विधि-व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण एवं यातायात प्रबंधन को लेकर प्रशासन एवं पुलिस द्वारा सतत निगरानी रखी जाएगी।

जिला प्रशासन ने सभी पूजा समितियों एवं श्रद्धालुओं से अपील की है कि दुगार्पूजा का आयोजन और उत्सव शांतिपूर्ण, सुरक्षित, अनुशासित एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने में सहयोग करें।

वन भवन में 'वन्यजीव सप्ताह-2026' का आगाज, मानव-वन्यजीव सह-अस्तित्व पर दिया गया जोर

बिभा संवाददाता

रांची : वन विभाग, झारखंड द्वारा शुक्रवार को वन भवन, राँची में 'वन्यजीव सप्ताह-2026' का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं हॉफ ([illegible]) संजीव कुमार ने वन्यजीव संरक्षण, जैव विविधता की सुरक्षा तथा मानव-वन्यजीव सह-अस्तित्व के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि वन्यजीवों की सुरक्षा वस्तुतः हमारी अपनी सुरक्षा से जुड़ी है। समाज में संवेदनशीलता और जागरूकता लाकर ही मानव और वन्यजीवों के बीच बढ़ते संघर्ष को न्यूनतम किया जा सकता है।

कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने रेखांकित किया कि वन्यजीव सप्ताह का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों, विशेषकर युवाओं को प्राकृतिक संसाधनों व वन्यजीवों के संरक्षण के प्रति प्रेरित करना है। झारखंड की समृद्ध वन संपदा व जैव विविधता को अक्षुण्ण बनाए रखना राज्य के पर्यावरणीय संतुलन के लिए अनिवार्य है। विभाग द्वारा वन्यजीवों के प्राकृतिक आवासों की सुरक्षा और संघर्ष रोकथाम के लिए चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी भी साझा की गई।

सप्ताह भर चलने वाले इस आयोजन के तहत राज्य के विभिन्न वन प्रमंडलों में जनसहभागिता कार्यक्रम, स्कूली विद्यार्थियों के लिए प्रतियोगिताएं और जागरूकता अभियान चलाए जाएंगे। अधिकारियों ने नागरिकों से अपनी इस प्राकृतिक धरोहर के संरक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की।

इस मौके पर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्य प्राणी) रवि रंजन, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक श्री भूटिया, मुख्य वन संरक्षक (वन्य प्राणी) एस. आर. नटेश, वन प्रमंडल पदाधिकारी (प्रशासन) अजिंक्य बंकर, वन प्रमंडल पदाधिकारी (वन्य प्राणी प्रमंडल) अवनीश चौधरी, दिनेश झा सहित वन विभाग के कई वरीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

राज्यसभा सांसद डॉ. प्रदीप वर्मा ने सहिया व आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को किया सम्मानित

बिभा संवाददाता

रांची : भारतीय जनता पार्टी के सेवा संकल्प अभियान के तहत खिजरी विधानसभा क्षेत्र के महिलौंग में 'आंगन मिलन सेवा' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद, भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री एवं उत्तर प्रदेश के सह-प्रभारी डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा उपस्थित रहे। इस दौरान बड़ी संख्या में आंगनवाड़ी सेविकाएं, सहायिकाएं, सहिया दीदियां, माताएं, बच्चे और स्थानीय नागरिक शामिल हुए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा ने जमीनी स्तर पर स्वास्थ्य और पोषण की अलख जगाने वाली कार्यकताओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि आंगनवाड़ी और सहिया कार्यकर्ता मातृ-शिशु स्वास्थ्य, पोषण व जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने वाली सबसे मजबूत कड़ी हैं। स्वस्थ और सशक्त समाज के निर्माण में उनका समर्पण अतुलनीय है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सेवा का वास्तविक अर्थ समाज के बीच जाकर उनकी आवश्यकताओं को समझना और सरकारी योजनाओं से जोड़ना है। 'आंगन मिलन सेवा' जैसे अभियान समाज से सीधे संवाद का सशक्त माध्यम हैं।

समारोह के दौरान आंगनवाड़ी कार्यकताओं, सहायिकाओं और सहिया दीदियों को उनके उत्कृष्ट सेवाभाव के लिए सम्मानित किया गया, वहीं बच्चों को शैक्षणिक सामग्री वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। साथ ही माताओं और बच्चों के साथ संवाद कर स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता और बच्चों के सर्वांगीण विकास के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष धीरज महतो, प्रदेश प्रवक्ता आरती कुजूर, पूर्व विधायक राम कुमार पाहन, पंचायती राज प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक जैलेंद्र कुमार, जिला उपाध्यक्ष अनुराधा मुंडा, माधुरी देवी, जिला महामंत्री मनोज चौधरी, अमित चरण, जिला मंत्री सत्यजीत सिंह, मंडल अध्यक्ष पुरुषोत्तम मिश्रा, उपप्रमुख वीणा देवी, मुखिया संदीप तिर्की, राजेंद्र महतो, महेंद्र महतो, विक्रांत तिवारी, राम साय मुण्डा सहित कई पदाधिकारी व ग्रामीण उपस्थित रहे।

जेसीआई के 29वें एक्सपो उत्सव में उमड़ा जनसैलाब, 400 वातानुकूलित स्टॉल्स और नाइट मार्केट बने मुख्य आकर्षण

बिभा संवाददाता

राँची: युवा सामाजिक एवं व्यापारिक संस्था जेसीआई (जूनियर चैंबर इंटरनेशनल) के बहुप्रतीक्षित व्यापार मेले 'एक्सपो उत्सव 2026' की शानदार शुरूआत हो चुकी है। अपनी 29वीं वर्षगांठ मना रहा यह भव्य मेला आगामी 7 अक्टूबर तक चलेगा। मेले में देश-विदेश के कई प्रमुख ब्रांड्स, स्टार्टअप्स और ऑटोमोबाइल्स से जुड़े कुल 400 वातानुकूलित (एसी) स्टॉल्स लगाए गए हैं। महिला उद्यमियों को बढ़ावा देने के लिए विशेष पिंक हैंगर और बच्चों के मनोरंजन के लिए आधुनिक झूलों से युक्त एम्यूजमेंट पार्क तैयार किया गया है।

राँची विधायक सीपी सिंह ने एक्सपो का भ्रमण कर जेसीआई टीम के प्रयासों की सराहना की और कहा कि युवाओं की कड़ी मेहनत व प्रतिभा इस भव्य आयोजन में साफ दिखाई दे रही है। इस दौरान पूर्व अध्यक्ष नारायण मुरारका व समन्वयकों ने विधायक को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इसके अलावा जीएसटी सुप्रीटेंडेंट संजीव कुमार झा ने भी मेले का अवलोकन कर शुभकामनाएं दीं। चीफ कोऑर्डिनेटर सीए प्रशांत पाटोदिया एवं मीडिया प्रभारी वरुण जालान ने बताया कि 3 अक्टूबर को विशेष ह्यनाइट मार्केटह्ल आयोजित होगा, जिसमें रात 9 से 12 बजे तक स्टॉल्स खुले रहेंगे और कार्निवल थीम पर जोकर व फायर जगलर लोगों का मनोरंजन करेंगे। इससे पहले 2 अक्टूबर को आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता (150 प्रतिभागी) के 4 से 7 वर्ष आयु वर्ग में कीमाया, सीधी सरावगी व प्रगति जैन तथा 12 से 18 वर्ष वर्ग में अरण्या राठौड़, अभिनव कुमार व आदित्य कुमार विजयी रहे। इसके अलावा ट्रेजर हंट और तंबोला का भी आयोजन किया गया।

आगामी कार्यक्रमों के तहत 3 अक्टूबर को डॉग शो व वॉयस ऑफ एक्सपो, 4 अक्टूबर को एक्सपो टैंक व डांस प्रतियोगिता, 6 अक्टूबर को भजन जैमिंग तथा समापन के दिन 7 अक्टूबर को योगा प्रतियोगिता व बुटीक्स एक्सपो फैशन शो का आयोजन होगा। आगंतुक क्यूआर कोड के जरिए आयोजनों में पंजीकरण व प्रवेश टिकट बुक कर सकते हैं।

इस वर्ष एक्सपो के मुख्य प्रायोजक पंचरत्न स्काईलाइन हैं तथा यह टैंगो, अल्पाइन और गृहस्थी द्वारा पावर्ड है। आयोजन को सफल बनाने में अध्यक्ष अभिषेक जैन, सचिव साकेत अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सीए दीपक पटेल, सौरभ जालान, राहुल टिबरेवाल, सौरव नारेड़ी, ऋषभ जालान, अनिमेश निखिल, लेडीज विंग अध्यक्ष खुशबू सिंघानिया, सचिव नलिनी जैन व तृष्णा अग्रवाल सहित पूरी टीम सक्रिय रूप से जुटी हुई है।

पीसीपीएनडीटी अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन में झारखंड को मिली राष्ट्रीय स्तर पर सराहना

बिभा संवाददाता

नई दिल्ली/राँची: भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से नई दिल्ली स्थित होटल ली मेरिडियन में पीसीपीएनडीटी अधिनियम, 1994 के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर आयोजित एकदिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में झारखंड के प्रयासों की जमकर सराहना की गई। कार्यशाला की अध्यक्षता राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम), भारत सरकार की एएस एंड एमडी श्रीमती आराधना पटनायक ने की। सम्मेलन में अधिनियम के सख्त अनुपालन, राज्यों की उत्कृष्ट कार्यप्रणालियों, डिजिटल ई-गवर्नेंस और निगरानी तंत्र पर गहन विचार-विमर्श हुआ।

राष्ट्रीय मंच पर झारखंड की ओर से प्रस्तुत किए गए नवाचारों और सख्त निगरानी मॉडल को विशेष रूप से सराहा गया। राज्य में लिंगानुपात में निरंतर सुधार और अधिनियम के कड़े अनुपालन के लिए स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह तथा एनएचएम झारखंड के अभियान निदेशक-सह-अध्यक्ष राज्य समुचित प्राधिकारी शशि प्रकाश झा के मार्गदर्शन व दिशा-निर्देशों की अहम भूमिका रही। इस राष्ट्रीय कार्यशाला में झारखंड का प्रतिनिधित्व पीसीपीएनडीटी के उप निदेशक सह राज्य नोडल पदाधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार लिंडा, राज्य समन्वयक श्रीमती रफत फरजाना, पश्चिम सिंहभूम की सिविल सर्जन डॉ. मीना कालुंडिया तथा चतरा के सहायक नोडल पदाधिकारी डॉ. आशीष ने किया।

प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि राज्य में अल्ट्रासाउंड केंद्रों के सुदृढ़ निरीक्षण तंत्र, नियमों के उल्लंघन पर 'जीरो टॉलरेंस' की नीति और ₹बेटी बचाओ-सेव द गर्ल चाइल्ड₹ अभियान के तहत व्यापक आईईसी व बीसीसी गतिविधियों के जरिए जागरूकता बढ़ाई जा रही है। राष्ट्रीय स्तर पर मिली यह पहचान बालिका संरक्षण और कन्या भ्रूण हत्या रोकने की दिशा में राज्य सरकार की सुदृढ़ प्रतिबद्धता को दशार्ती है।

ओरिका बारूद कारखाना परिसर में बड़ी चोरी: बंद क्वार्टर से 12 लाख के जेवर व नकदी पार

बिभा संवाददाता

गोमिया (बोकारो)। आईईएल थाना क्षेत्र अंतर्गत इंडियन एक्सप्लोसिव प्राइवेट लिमिटेड (आईईपीएल) ओरिका बारूद कारखाना परिसर स्थित सी-टाइप आवासीय क्वार्टर (सी-24) में गुरुवार की रात अज्ञात चोरों ने धावा बोलकर लगभग 12 लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी व डायमंड के आभूषण, नकदी तथा कपड़े पार कर दिए। इस बड़ी वारदात के बाद कंपनी के आवासीय क्षेत्र में रहने वाले कर्मचारियों और उनके परिजनों के बीच दहशत का माहौल है। वहीं, कंपनी की प्राइवेट पेट्रोलिंग और सुरक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

जानकारी के अनुसार, सी-24 क्वार्टर निवासी सुशील कुमार आईईपीएल ओरिका कंपनी के एचआर विभाग में पे-रोल ऑफिसर हैं। गुरुवार शाम वह अपनी पत्नी सरिता देवी व परिजनों के साथ आवश्यक कार्य से रामगढ़ स्थित रिश्तेदार के घर गए हुए थे। शुक्रवार सुबह करीब 5 बजे उन्हें पड़ोसियों से घर का ताला टूटे होने की सूचना मिली। जब वह सुबह साढ़े छह बजे पहुंचे, तो देखा कि कमरों का सामान अस्त-व्यस्त पड़ा था और अलमारियों के ताले टूटे हुए थे। पीड़ित परिवार के अनुसार, चोरों ने तनिष्क व डायमंड के जेवरात, कान के टॉप्स, अंगूठियां, गले का सेट, सोने की चेन, कई जोड़ी पायल और बिछिया समेत कीमती कपड़ों पर हाथ साफ किया। इसके अलावा घर में रखी करीब 1 लाख रुपये की नकदी और बच्चे की गुल्लक (जिसमें लगभग 20 हजार रुपये थे) भी तोड़कर पैसे निकाल लिए गए। प्रारंभिक आकलन के मुताबिक कुल चोरी लगभग 12 लाख रुपये की बताई जा रही है।

घटना की सूचना मिलते ही आईईएल थाना प्रभारी श्यामल मंडल पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए बोकारो से विशेष जांच व फॉरेंसिक टीम को बुलाया गया है, जो घटनास्थल से फिंगरप्रिंट्स और अन्य भौतिक साक्ष्य जुटा रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि तकनीकी जांच का दायरा बढ़ाया जा रहा है और जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा।

आवासीय परिसर में हुई इस घटना से कर्मचारियों में रोष और चिंता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि 24 घंटे प्राइवेट सुरक्षा व्यवस्था रहने के बावजूद इतनी बड़ी चोरी होना चिंताजनक है। आशंका जताई जा रही है कि चोरों ने घर की रेकी की थी या उन्हें परिवार के बाहर होने की जानकारी थी। निवासियों ने प्रबंधन से रात्रि गश्त बढ़ाने, प्रवेश द्वार पर सख्ती करने और परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने की मांग की है।

संपर्क पथ नहीं होने से बरुआटांड के लोग दुखी

बोकारो। चास प्रखंड कनारी पंचायत के नीचे बरुआटांड गांव के ग्रामीण तेनू बोकारो नहर रोड से अपने गांव तक आने जाने का संपर्क पथ नहीं होने के कारण परेशान व दुखी हैं। ग्रामीणों का कहना है कि अब तक के किसी जनप्रतिनिधियों ने इस परेशानी को दूर करने का कोई प्रयास नहीं किया।कई बार सांसद , विधायक के साथ साथ मुखिया को भी यहां के लोगों ने लिखित व मौखिक रूप से कहकर संपर्क पथ निर्माण कराने का मांग किये लेकिन बातें अनसुनी कर दी गई। गांव के शिवचंद सोरेन, ज्ञानी मांझी, बाबूलाल मरांडी , मोहन मांझी, भीम मांझी , बिनोद , छूटू, आदि ने बताया कि आदिवासी बहुल इस गांव की फरियाद सुनने वाला कोई नहीं है। खासकर बरसात के दिनों में यह गांव टापू बन जाता है। बीमार , गर्ववती महिलाओं को डाक्टर या अस्पताल ले जाने , विद्यार्थियों को स्कूल जाने आने कच्चे रास्ते , गीली मिट्टी को झेलना पड़ता है। लगभग छह सौ की आबादी वाले इस गांव के लोग आज भी जरूरी साधन सुविधा से मरहूम हैं।

आद्रा मंडल में धूमधाम से मनाई गई महात्मा गांधी की जयंती: 'स्वच्छता ही सेवा' के तहत श्रमदान और पौधारोपण

बिभा संवाददाता

बोकारो । दक्षिण पूर्व रेलवे के आद्रा मंडल में 2 अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 157वीं जयंती के अवसर पर 'स्वच्छता ही सेवा-2026' अभियान के तहत कई कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया गया। स्वच्छ रेल, स्वच्छ भारत के संदेश के साथ आयोजित इन कार्यक्रमों में अधिकारियों, कर्मचारियों और आम लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

दिन की शुरूआत मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) मुकेश गुप्ता के मार्गदर्शन में निकली प्रभात फेरी से हुई, जिसके माध्यम से लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। इसके बाद डीआरएम कार्यालय परिसर में स्थापित महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अधिकारियों, आरपीएफ जवानों, स्काउट्स एवं गाइड्स तथा रेल कर्मचारियों को 'स्वच्छता शपथ' दिलाई गई। 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत वृहद स्तर पर पौधारोपण किया गया, वहीं उत्कृष्ट कार्य करने वाले सफाई मित्रों को सम्मानित भी किया गया। मंडल के विभिन्न स्टेशनों, कार्यालयों, स्वास्थ्य इकाइयों और रेलवे कॉलोनियों में एक दिन, एक घंटा, एक साथ के तहत व्यापक सफाई अभियान और श्रमदान चलाया गया। आद्रा मंडल ने यात्रियों और आम जनता से रेल परिसर को स्वच्छ, सुरक्षित और पर्यावरण-अनुकूल बनाए रखने में सहयोग की अपील की है।

संक्षिप्त खबरें

शास्त्री जी के जन्मदिन पर लगाया गया रक्तदान शिविर

बोकारो(बिभा)। लाल बहादुर शास्त्री जी के जन्मदिन के अवसर पर रक्तदान संस्था ब्लड शेयर एन यू फाउंडेशन ने साड्डा अड्डा के साथ मिलकर ब्लड सेंटर सदर अस्पताल के साथ एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया। संस्थापक अनुपम कुमार सौरभ ने कहा कि आज का हमारा समाज भारत के महान स्वतंत्रता सेनानी और देश के दूसरे प्रधानमंत्री की सादगी और बलिदान को भूलता जा रहा है।आज का रक्तदान शिविर हमने शास्त्री जी को श्रद्धांजलि देने और समाज में जागरूकता लाने के लिए आयोजित किया।ब्लड सेंटर की इंचार्ज डॉ मैथिली ठाकुर ने कहा कि ये एक बहुत अच्छी शुरूआत है और एक फूड स्टॉल में रक्तदान शिविर लगाना सराहनीय है।शिविर को सफल बनाने में साड्डा अड्डा के व्यवस्थापक मधु रंजन चौधरी का विशेष योगदान रहा।आज के शिविर में 11 लोगों ने रक्तदान किया जिसमें मधु रंजन चौधरी के अलावा शिवम शर्मा,जेम्स सिमोन, कुंदन शेखर,सुरेश पांडे,नीतीश कुमार,दीपक कुमार,अर्णव सिंह,अभिजीत कुमार,सानू कुमार,आशुतोष कुमार आदि रहे।

संपर्क पथ नहीं होने से बरुआटांड के लोग दुखी

बोकारो(बिभा)। चास प्रखंड कनारी पंचायत के नीचे बरुआटांड गांव के ग्रामीण तेनू बोकारो नहर रोड से अपने गांव तक आने जाने का संपर्क पथ नहीं होने के कारण परेशान व दुखी हैं। ग्रामीणों का कहना है कि अब तक के किसी जनप्रतिनिधियों ने इस परेशानी को दूर करने का कोई प्रयास नहीं किया।कई बार सांसद , विधायक के साथ साथ मुखिया को भी यहां के लोगों ने लिखित व मौखिक रूप से कहकर संपर्क पथ निर्माण कराने का मांग किये लेकिन बातें अनसुनी कर दी गई। गांव के शिवचंद सोरेन , ज्ञानी मांझी , बाबूलाल मरांडी , मोहन मांझी , भीम मांझी , बिनोद , छूटू , आदि ने बताया कि आदिवासी बहुल इस गांव की फरियाद सुनने वाला कोई नहीं है। खासकर बरसात के दिनों में यह गांव टापू बन जाता है। बीमार , गर्ववती महिलाओं को डाक्टर या अस्पताल ले जाने , विद्यार्थियों को स्कूल जाने आने कच्चे रास्ते , गीली मिट्टी को झेलना पड़ता है। लगभग छह सौ की आबादी वाले इस गांव के लोग आज भी जरूरी साधन सुबिधा से मरहूम हैं।

ऑपरेशन 'अमानत': आरपीएफ ने यात्री को लौटाया 14 लाख के गहनों से भरा बैग

भोजूडीह(बिभा): रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) भोजूडीह ने ऑपरेशन अमानत के तहत नंदन कानन एक्सप्रेस (12815) के एसी कोच में छूटा ट्रॉली बैग बरामद कर उसके असली मालिक को सुरक्षित सौंप दिया। हेल्पलाइन नंबर 139 पर सूचना मिलते ही एएसआई आर.पी. यादव, हेड कॉन्स्टेबल ललिता कुमारी और कॉन्स्टेबल लता कुमारी ने त्वरित कार्रवाई कर बैग जब्त किया। जांच में बैग से सोने की चेन, नेकलेस, अंगूठियां, ब्रेसलेट और चांदी की पायल सहित करीब 14 लाख रुपये के आभूषण मिले। कागजी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद आरपीएफ ने बैग ओडिशा (बालेश्वर) निवासी आशीष कुमार प्रधान को सुपुर्द कर दिया। सामान सकुशल मिलने पर यात्री ने आरपीएफ की तत्परता व ईमानदारी की सराहना की।

ईएसएल स्टील की 'रन फॉर जीरो हंगर' वॉकथॉन में 500 से अधिक लोगों ने लिया हिस्सा

बिभा संवाददाता

बोकारो। ईएसएल स्टील लिमिटेड की ओर से गांधी जयंती के अवसर पर 2 अक्टूबर को #रन फॉर जीरो हंगर' वॉकथॉन का आयोजन किया गया। वेदांता समूह की इस पहल में ईएसएल स्टील के 500 से अधिक कर्मचारियों, उनके परिजनों और अन्य प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। आयोजन का उद्देश्य फिटनेस, स्वस्थ जीवनशैली के साथ सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति लोगों को जागरूक करना था।

अभियान के तहत प्रतिभागियों द्वारा तय की गई प्रत्येक एक किलोमीटर की दूरी के बदले एक जरूरतमंद व्यक्ति के लिए भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। यह भोजन नंद घर और पशु देखभाल से जुड़ी पहलों के माध्यम से जरूरतमंदों तक पहुंचाया जाएगा। पहल के जरिए स्वस्थ जीवनशैली के साथ समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाने का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत ईएसएल स्टील लिमिटेड के सीईओ एवं होलटाइम डायरेक्टर रविश शर्मा के संबोधन से हुई। मौके पर बोकारो के एएसपी वेदांत शंकर और सियालजोरी थाना प्रभारी रंजीत यादव भी मौजूद रहे। उन्होंने प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाते हुए फिटनेस और सामाजिक सरोकार से जुड़े कार्यक्रमों में भागीदारी का आह्वान किया।

रविश शर्मा ने कहा कि #रन फॉर जीरो हंगर वॉकथॉन केवल फिटनेस का आयोजन नहीं, बल्कि जरूरतमंदों की मदद की दिशा में सामूहिक प्रयास है। कर्मचारियों और उनके परिवारों की सहभागिता इस पहल को और सार्थक बनाती है।

वॉकथॉन में ईएसएल के वरिष्ठ अधिकारियों, निदेशकों, विभागाध्यक्षों, कर्मचारियों और उनके परिजनों ने भाग लिया। इस दौरान सीएचआरओ श्यामली मिंज, सीएफओ प्रह्लाद रावत और हेड-पीआर एवं स्टेकहोल्डर मैनेजमेंट संजय कुमार सिन्हा समेत कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

वॉकथॉन का समापन लाल बहादुर शास्त्री चौक पर हुआ। यहां प्रतिभागियों ने पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को श्रद्धांजलि अर्पित की। समापन के अवसर पर रविश शर्मा ने प्रतिभागियों के उत्साह और सहयोग के लिए आभार जताया।

प्रतियोगिता में सुरक्षा विभाग के प्रतिभागियों ने बेहतर प्रदर्शन किया। वहीं, युवा प्रतिभागियों ने भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। ईएसएल कर्मचारी प्रकाश कुमार सिंह के 15 वर्षीय बेटे ओम सिंह ने चौथा और कर्मचारी पन्नाल चौरसिया के 15 वर्षीय बेटे रूपेश चौरसिया ने छठा स्थान हासिल किया।

ईएसएल स्टील की ओर से बताया गया कि #रन फॉर जीरो हंगर' जैसी पहल के माध्यम से फिटनेस, स्वस्थ जीवनशैली और सामाजिक जिम्मेदारी को बढ़ावा देने का प्रयास जारी रहेगा। आयोजन ने यह संदेश दिया कि स्वस्थ जीवन की दिशा में उठाया गया प्रत्येक कदम किसी जरूरतमंद तक भोजन पहुंचाने में भी योगदान दे सकता है।

गांधी-शास्त्री जयंती: कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बापू और शास्त्री जी को दी श्रद्धांजलि

बिभा संवाददाता

बोकारो। बोकारो जिला कांग्रेस अध्यक्ष जवाहर लाल महथा के आवासीय कार्यालय में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 157वीं और पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न लाल बहादुर शास्त्री की 122वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई।

समारोह को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष जवाहर लाल महथा ने कहा कि गांधी जी का जीवन दर्शन ग्रामीण भारत के उत्थान और ग्राम स्वराज पर केंद्रित था। इसी सोच को आत्मसात करते हुए देश के पहले प्रधानमंत्री ने पंचायती राज व्यवस्था की शुरूआत की थी। वहीं, लाल बहादुर शास्त्री जी को याद करते हुए उन्होंने कहा कि शास्त्री जी ने हरित क्रांति के माध्यम से देश के किसानों को आत्मनिर्भर बनाने और उनके उत्थान के लिए ऐतिहासिक कदम उठाए थे।

इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष प्रेम रॉय, अली अंसारी, महासचिव इश्तियाक अहमद, नाजिर अहमद, जिला सचिव राजीव कुमार, तापस ओझा, दीपक शर्मा, धनंजय कुमार झा, नावाडीह प्रखंड अध्यक्ष डॉ. उमेश गुप्ता, चास प्रखंड अध्यक्ष तुलसी महतो, चंदनक्यारी कार्यकारी अध्यक्ष राकेश शर्मा, चास नगर कार्यकारी अध्यक्ष शोएब हासन सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गांधी-शास्त्री जयंती पर जदयू बोकारो ने अर्पित किए श्रद्धासुमन

बिभा संवाददाता

बोकारो। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं भारत रत्न देश के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर जनता दल (यू) बोकारो जिलाध्यक्ष श्री प्रदीप महतो के नेतृत्व में पार्टी के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने दोनों महान विभूतियों की आदमकद प्रतिमाओं पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए।इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा, स्वच्छता, सामाजिक सद्भाव और मानव सेवा के विचारों को याद किया, वहीं लाल बहादुर शास्त्री की सादगी, ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्र के प्रति समर्पण को नमन किया। शास्त्री जी का दिया संदेश ह्यजय जवान, जय किसानह्ल देश की सुरक्षा और अन्नदाता के महत्व को रेखांकित करता है।जिलाध्यक्ष प्रदीप महतो ने कहा कि महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री भारतीय लोकतांत्रिक एवं सामाजिक जीवन के ऐसे आदर्श हैं, जिनका योगदान आने वाली पीढ़ियों को हमेशा प्रेरणा देता रहेगा। गांधी जी ने सत्य और अहिंसा को जनशक्ति बनाया, जबकि शास्त्री जी ने सादगी और कर्मठता के माध्यम से सार्वजनिक जीवन में उच्च आदर्श स्थापित किए।उन्होंने कहा कि महापुरुषों की जयंती केवल औपचारिक श्रद्धांजलि का अवसर नहीं, बल्कि उनके विचारों को अपने आचरण में उतारने का दिन है। समाज में आपसी भाईचारा, शांति, स्वच्छता, सामाजिक न्याय और राष्ट्रहित की भावना को मजबूत करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।कार्यक्रम में जदयू बोकारो जिला उपाध्यक्ष राजा पांडेय, जिलामहासचिव विनय सिंह,झारखंड विस्थापित मंच के केंद्रीय अध्यक्ष सह अधिवक्ता वकील महतो, श्यामबिहारी राय झारखंड आंदोलनकारी सह संघर्ष मोर्चा के केंद्रीय महासचिव हुबूलाल गोराई, जिला अध्यक्ष राजदेव महाथा कृष्णा सिंह, चंडी कुमार प्रजापति, महाराजा पांडेय, आनंद मोहन सिंह, सूरज पांडेय, सुधीर यादव, शिवम पांडेय, आदित्य यादव, विशाल यादव, आशीष शर्मा, उपेंद्र कुमार महतो सहित जिला पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं सामाजिक क्षेत्र से जुड़े अनेक साथी उपस्थित रहे।कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने दोनों महापुरुषों को नमन करते हुए सत्य, अहिंसा, सादगी, सेवा और राष्ट्रहित के मूल्यों को आगे बढ़ाने का सामूहिक संकल्प लिया।

ट्रेन चढ़ने के क्रम में 63 वर्षीय महाराष्ट्र निवासी व्यक्ति की बोकारो रेलवे स्टेशन पर मौत

बिभा संवाददाता

बोकारो : बोकारो रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक पर शुक्रवार करीब सुबह करीब 9:17 बजे चलती ट्रेन (चेरलपल्ली-पटना स्पेशल) में चढ़ने के क्रम में 63 व्यक्ति सुरेश कुमार भोलवानी प्लेटफार्म के नीचे गिर गए. आनन-फानन में ट्रेन को रोका गया. प्लेटफार्म और ट्रेन के बीच खाली स्थान से जैसे-तैसे उन्हें बाहर निकाला गया. इसके उपरांत रेलवे डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया.

बचाने के लिए दौड़ी लेडी कॉन्स्टेबल लेकिन बचा नहीं सकी

प्लेटफार्म नंबर एक पर तैनात लेडी कॉन्स्टेबल एम जिना पात्र ट्रेन खुलने के दौरान मौजूद थी. इसी बीच एक वृद्ध व्यक्ति को चलती ट्रेन में चढ़ने का प्रयास करता देख उसकी और दौड़ी. जब तक लेडी कॉन्स्टेबल वहां पहुंच पाती, तब तक सुरेश कुमार का पैर और शरीर का कुछ भाग ट्रेन और प्लेटफार्म के बीच फंस चुका था. इसके बाद उन्होंने ट्रेन को रूकवाया.

महाराष्ट्र के गोंदिया से पितृपक्ष में श्राद्ध कर्म के लिए जा रहें थें गया

मृतक की पहचान महाराष्ट्र के गोदिया जिला अंतर्गत सिन्धु भवन सिविल लाइन के निकाट काली मंदिर निवासी सुरेश कुमार भोलवानी के रूप में हुई. मृतक का भांजा अनिल कुमार कुलवादवा ने बताया कि वे अपने मामा सुरेश कुमार भोलवानी के साथ अपने पिता का पिंडदान करने गया था रहें थें. इस दौरान बोकारो रेलवे स्टेशन पर पानी की बोतल लेकर ट्रेन चढ़ने के क्रम में मामा जी ट्रेन और प्लेटफार्म के बीच गिर पड़े, जिससे उनकी मौत हो गई. घटना को लेकर जीआरपी प्रभारी अमरेंद्र कोटवार तथा स्टेशन प्रबंधक एस के नायक ने कहा कि यह अकास्मिक घटना है. पितृपक्ष को लेकर महाराष्ट्र से अपने रिश्तेदार के साथ गया था रहे थे. घटना के बाद जीआरपी कागजी कार्रवाई प्रक्रिया पूरी कर शव को पोस्टमार्टम में भेजने की तैयारी में जुटी है.

रेलवे कॉलोनी में सफाई व्यवस्था ठप, झाड़ियों और जाम नालियों से बढ़ी परेशानी

मेंस कांग्रेस ने एरिया रेलवे मैनेजर व सहायक मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को सौंपा पत्र, नए टेंडर की प्रक्रिया जल्द पूरी करने की मांग

बिभा संवाददाता

बोकारो। दक्षिण पूर्व रेलवे मेंस कांग्रेस (रएफ्टउ), बोकारो स्टील सिटी शाखा ने रेलवे कॉलोनी में बदहाल सफाई व्यवस्था को लेकर एरिया रेलवे मैनेजर (इडरउ) और सहायक मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (इडरउ) को पत्र सौंपा। संगठन ने कॉलोनी में लंबे समय से नियमित साफ-सफाई नहीं होने के कारण उत्पन्न समस्याओं से रेलवे प्रशासन को अवगत कराते हुए तत्काल कार्रवाई की मांग की है।

मेंस कांग्रेस के अनुसार, रेलवे कॉलोनी में साफ-सफाई का पुराना टेंडर 20 जुलाई 2026 को समाप्त हो चुका है। इसके बाद अब तक नया टेंडर जारी या आवंटित नहीं होने के कारण सफाई व्यवस्था प्रभावित है। बारिश के बाद कॉलोनी के विभिन्न हिस्सों में झाड़ियां उग आई हैं, जबकि कई नालियां कचरे और गाद से जाम पड़ी हैं। इससे जलजमाव की स्थिति बनी हुई है और कर्मचारियों तथा उनके परिजनों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

संगठन ने कहा कि लंबे समय तक सफाई नहीं होने से गंदगी और जलजमाव के कारण स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का खतरा बढ़ गया है। ऐसे में रेलवे प्रशासन को मामले को गंभीरता से लेते हुए नए सफाई टेंडर की प्रक्रिया अविलंब पूरी करनी चाहिए।

मेंस कांग्रेस ने मांग की कि टेंडर प्रक्रिया पूरी होने तक वैकल्पिक व्यवस्था के माध्यम से कॉलोनी में नियमित सफाई कराई जाए। साथ ही झाड़ियों की कटाई, नालियों की उड़ाही और जलजमाव वाले स्थानों की सफाई को प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किया जाए, ताकि रेल कर्मचारियों और उनके परिवारों को स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण मिल सके।

बीएसएल कर्मचारियों के लंबित मांगों को लेकर बीएकेएस का प्रदर्शन

बिभा संवाददाता

बोकारो। बीएसएल अनाधिशासी कर्मचारी संघ (बीएकेएस) ने लंबित मांगों को लेकर चलाए जा रहे द्वितीय चरण के आंदोलन के आठवें दिन शुक्रवार को शॉप्स एवं फाउंड्री के सीजीएम कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन किया। चिलचिलाती धूप के बावजूद बड़ी संख्या में नियमित कर्मचारियों ने प्रदर्शन में भाग लिया। प्रदर्शन को संबोधित करते हुए यूनियन के उपकोषाध्यक्ष देवेंद्र कुमार ने कहा कि दिल्ली में वातानुकूलित कार्यालयों में बैठे अधिकारी 45 से 50 डिग्री तापमान, धूल, धुआं और शोर के बीच काम करने वाले इस्पात कर्मचारियों से जुड़े मुद्दों पर निर्णय ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि कर्मचारी कार्यस्थल पर हीट, गैस, धूल-धुआं, ध्वनि, भारी मशीनों और ऊंचाई पर काम करते हुए सेल के उत्पादन और मुनाफे में योगदान दे रहे हैं, लेकिन उनके मुद्दे वर्षों से लंबित हैं।

उन्होंने कहा कि सेल कर्मचारी केवल श्रमिक नहीं, बल्कि कंपनी के हितधारक हैं। उत्पादन और लाभ में बोनस के रूप में हिस्सा कर्मचारियों का अधिकार है। उन्होंने आरोप लगाया कि बोनस फॉमूर्ले और बोनस बैठक की प्रक्रिया में कर्मचारियों की पर्याप्त भागीदारी नहीं है। यूनियन ने सवाल उठाया कि जब बोनस फॉमूर्ला कर्मचारियों ने तैयार नहीं किया और बैठक में शामिल प्रतिनिधि कर्मचारियों द्वारा निर्वाचित नहीं हैं, तो कर्मचारियों की वास्तविक भागीदारी कहां है। बीएकेएस नेताओं ने बोनस फॉमूर्ले को लेकर भी प्रबंधन पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि यदि कर्मचारियों की मांगों के अनुरूप बोनस फॉमूर्ले में बदलाव नहीं किया गया तो संगठन आगे सड़क से लेकर न्यायालय तक आंदोलन करेगा। प्रदर्शन के दौरान यूनियन के अध्यक्ष दिलीप कुमार, उपाध्यक्ष कृष्ण रजवार, उपमहासचिव माणिक मुंडा, कोषाध्यक्ष राहुल साव, उपकोषाध्यक्ष देवेंद्र कुमार, कार्यकारिणी सदस्य अनंत गौरव, मातृ शक्ति श्रमिक बहन संगीता समेत अन्य पदाधिकारी व सदस्य मौजूद रहे। बीएकेएस के महासचिव हरिओम ने कहा कि यदि बोनस बैठक में फॉमूर्ले में बदलाव किए बिना निर्णय लिया जाता है तो संगठन इसके खिलाफ सड़क से लेकर न्यायालय तक लड़ाई लड़ेगा। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के हितों की अनदेखी स्वीकार नहीं की जाएगी और संगठन अपने आंदोलन को आगे भी जारी रखेगा।

गांधी जयंती: रामगढ़ में बापू की प्रतिमा का भव्य अनावरण, राजघाट पर दी गई श्रद्धांजलि

बिभा संवाददाता

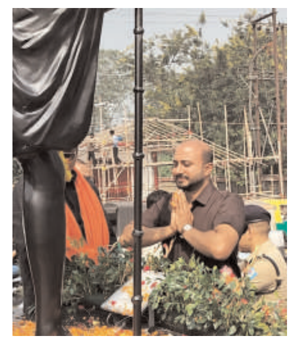

रामगढ़: राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर रामगढ़ में विभिन्न गरिमामयी कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान जिला प्रशासन, जनप्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों ने बापू को नमन करते हुए उनके आदर्शों को अपनाने का संकल्प लिया। मुख्य आयोजन गांधी चौक एवं मुक्तिधाम संस्था द्वारा राजघाट स्थित अस्थि कलश स्थल पर हुआ।

जिला प्रशासन द्वारा गांधी चौक पर पूर्व से स्थापित महात्मा गांधी की प्रतिमा का पुनः भव्य अनावरण एवं माल्यार्पण समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल, रामगढ़ विधायक ममता देवी, उपायुक्त ऋतुराज, पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार लुनायत, कैंट बोर्ड सीईओ विवेक कुमार सिंह, वन प्रमंडल पदाधिकारी नितेश कुमार और उप विकास आयुक्त आशीष अग्रवाल ने संयुक्त रूप से बापू की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धासुमन प्रस्तुत किए। उपस्थित सभी लोगों ने गांधीजी के सत्य, अहिंसा, स्वच्छता और सद्भाव के सिद्धांतों पर चलने का संकल्प दोहराया। इस मौके पर अनुमंडल पदाधिकारी कृष्ण मुरारी तिर्की, रविंद्र कुमार गुप्ता, सौरभ कुमार, दीप्ति प्रियंका कुजूर, राजेश एक्का, सिद्धार्थ शंकर चौधरी, संजीत कुमार, मुख्यालय डीएसपी अकरम रजा, एसडीपीओ आलोक रंजन, थाना प्रभारी विजेंद्र कुमार और ट्रैफिक प्रभारी नवीन कुमार पांडे सहित प्रशासनिक व पुलिस तंत्र के कई अधिकारी मौजूद थे।

वहीं दूसरी ओर मुक्तिधाम संस्था की ओर से राष्ट्रपिता के अस्थि कलश स्थल राजघाट पर सांकेतिक श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन हुआ। स्थानीय प्रशासन के सहयोग से यहां बापू के जीवन और इस स्थल के महत्व को दशार्ता एक विशेष सूचना पट्ट भी स्थापित किया गया। कार्यक्रम में शहर के भजन गायक कमल बगड़िया ने एक ही भजन में सर्वधर्म प्रार्थना गाकर बापू के प्रति आस्था व्यक्त की, जिसमें तबले पर वरुण बगड़िया और सहयोगी के रूप में ध्रुव सिंह व मनोज शर्मा ने साथ दिया।

श्रद्धांजलि सभा को सांसद मनीष जायसवाल, डीसी ऋतुराज, विधायक ममता देवी और कैंट सीईओ विवेक सिंह ने संबोधित करते हुए बापू के अहिंसा के विचारों पर प्रकाश डाला। संस्था के अध्यक्ष राजकुमार अग्रवाल ने स्वागत भाषण दिया, जबकि आसिफ भाई ने शुभकामनाएं व्यक्त कीं। कार्यक्रम में सुरेश बगड़िया, राजेश कुमार अग्रवाल, सरदार अनमोल सिंह, रविंद्र सिंह छाबड़ा, मिलिंद अग्रवाल, लोकेश बगड़िया, अरुण बगड़िया, धनंजय कुमार पुटुस, राजीव जायसवाल, बृजेश पाठक, श्याम शर्मा, परशुराम सिंह, शरद चौधरी, मोहम्मद अब्दुल्ला, विजय अग्रवाल, संजय शर्मा, महेंद्र अग्रवाल, ओम खंडेलवाल, सुनील अग्रवाल, आनंद अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, प्रेम किशोर द्विवेदी और मुन्ना पासवान सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर उपायुक्त ने अर्पित की श्रद्धांजलि

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी एवं पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती के अवसर पर उपायुक्त श्री हेमन्त सती ने विभिन्न स्थानों पर स्थित दोनों महापुरुषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की तथा पौधारोपण किया।उपायुक्त ने समाहरणालय परिसर स्थित महात्मा गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद कुम्हारटोली, हजारीबाग स्थित गांधी स्मारक पर भी माल्यार्पण कर राष्ट्रपिता को नमन किया। वहीं, इन्द्रपुरी चौक स्थित पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्री लाल बहादुर शास्त्री जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की।इस अवसर पर उपायुक्त ने पौधारोपण करते हुए पर्यावरण संरक्षण एवं हरित क्षेत्र के विस्तार का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी जी का सत्य, अहिंसा, शांति एवं स्वच्छता का संदेश तथा श्री लाल बहादुर शास्त्री जी का सादगी, ईमानदारी एवं कर्तव्यनिष्ठा से परिपूर्ण जीवन हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उनके आदर्शों एवं विचारों को आत्मसात करते हुए जनसेवा और राष्ट्रहित के प्रति अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जी के जयंती पर किया गया श्रद्धा सुमन अर्पित

बिभा संवाददाता

लातेहार:राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की 157वीं जयंती एवं भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री जी की 122वीं जयंती के अवसर पर गोपनीय कार्यालय, समाहरणालय लातेहार में माल्यार्पण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में उपायुक्त संदीप कुमार ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की गई एवं उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व को नमन किया गया।इस अवसर पर उपायुक्त महोदय ने कहा कि महात्मा गांधी जी ने सत्य, अहिंसा एवं सादगी के मार्ग पर चलकर न केवल देश को स्वतंत्रता दिलाई बल्कि पूरे विश्व को मानवता का नया मार्ग दिखाया। वहीं शास्त्री जी की सादगी, ईमानदारी और जय जवान, जय किसान का अमर नारा आज भी देश के युवाओं और किसानों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि दोनों महापुरुषों के दिखाए आदर्शों एवं जीवन मूल्यों को आत्मसात करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने उनके बताए मार्ग पर चलने तथा राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देने का संकल्प लिया।इस अवसर पर अपर समाहर्ता सलमान जफर खिजरी, गोपनीय प्रभारी पदाधिकारी श्रेयांश, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ. चंदन,जिला शिक्षा पदाधिकारी गौतम साहू, जिला स्तरीय पदाधिकारीगण एवं समाहरणालय के कर्मी उपस्थित थे।

कुष्ठ रोग के लक्षणों की पहचान को लेकर निकली जागरूकता रैली

शुरूआती लक्षणों की पहचान कर समय पर जांच और उपचार कराने से बीमारी को नियंत्रित किया जा सकता है: उपायुक्त

बिभा संवाददाता

लातेहार: गांधी जयंती एवं लाल बहादुर शास्त्री जयंती के अवसर पर शुक्रवार को सदर अस्पताल परिसर में कुष्ठ रोग जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत सिविल सर्जन डॉ राजमोहन खलखो एवं चिकित्सकों ने दीप प्रज्वलित कर महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर माल्यार्पण कर की. इस दौरान लोगों को कुष्ठ रोग के संभावित लक्षणों और समय पर उपचार के प्रति जागरूक किया गया।इसके बाद सिविल सर्जन डॉ राजमोहन खलखो एवं अन्य चिकित्सकों ने हरी झंडी दिखाकर जागरूकता रैली को सदर अस्पताल परिसर से रवाना किया। रैली में शामिल स्वास्थ्यकर्मियों ने लोगों को कुष्ठ रोग की प्रारंभिक अवस्था में पहचान और उपचार के प्रति जागरूक किया।सिविल सर्जन ने सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारियों को 2 से 8 अक्टूबर तक कुष्ठ जागरूकता सप्ताह मनाकर आम लोगों को रोग के संभावित लक्षणों की जानकारी देने का निर्देश दिया. उन्होंने बताया कि शरीर पर बदरंग या लालिमा वाले ऐसे दाग, जिनमें सुन्नपन हो, हाथ-पैर में झिनझिनाहट, विकृति या अक्षमता, भौंहों के बाल झड़ना तथा चेहरे, कान या शरीर के अन्य हिस्सों पर गांठ जैसे उभार कुष्ठ रोग के संभावित लक्षण हो सकते हैं. ऐसे लक्षण दिखाई देने पर लोगों से तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र या जिला कुष्ठ निवारण कार्यालय से संपर्क करने की अपील की गयी।

उपायुक्त ने कहा कि कुष्ठ रोग को लेकर लोगों में जागरूकता बढ़ाना जरूरी है. शुरूआती लक्षणों की पहचान कर समय पर जांच और उपचार कराने से बीमारी को नियंत्रित किया जा सकता है. लोगों को कुष्ठ रोग से जुड़े भ्रम और सामाजिक भेदभाव से बचते हुए प्रभावित लोगों के प्रति संवेदनशील व्यवहार करना चाहिए।

मौके पर डॉ मारसा तोपनो, डॉ सीमा रानी, डॉ राजेश कुमार, सुनील सिंह, प्रवेज अख्तर, एसटीटी बंधु उरांव, बीटीटी उमानाथ सिंह, सत्य प्रकाश समेत अन्य स्वास्थ्यकर्मी मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

अपना मोहल्ला सबसे साफ अभियान के तहत फॉरेस्ट कॉलोनी में चला स्वच्छता अभियान

हजारीबाग(बिभा) : महात्मा गांधी जयंती के अवसर पर हजारीबाग शहर के फॉरेस्ट कॉलोनी में कमांडो सिक्योरिटी की ओर से अपना मोहल्ला सबसे साफ अभियान चलाया गया। अभियान का नेतृत्व कमांडो सिक्योरिटी के संचालक टुनटुन सिंह ने किया। अभियान के माध्यम से लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए अपने आसपास के क्षेत्रों को साफ रखने का संदेश दिया गया। मोहल्लेवासियों और कमांडो सिक्योरिटी के कर्मियों ने नया बस स्टैंड के समीप से स्वच्छता अभियान की शुरूआत की। इस दौरान झाड़ू और सफाई मशीन की मदद से सड़क किनारे जमा घास, झाड़ियों और गंदगी को हटाया गया तथा कचरे को डस्टबिन में डाला गया। करीब तीन घंटे तक चले अभियान में सौ से अधिक कमांडो सिक्योरिटी के कर्मियों ने भाग लिया। सफाई दल फॉरेस्ट कॉलोनी होते हुए हूरहूरू दुर्गा मंडप तक पहुंचा और सड़क के दोनों ओर सफाई की। कमांडो सिक्योरिटी के संचालक टुनटुन सिंह ने कहा कि अभियान का उद्देश्य लोगों को अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रेरित करना है।

अवैध कोयले का एक ढेला भी नहीं उठने दिया जाएगा: सौरभ श्रीवास्तव

लातेहार(बिभा): जिले में अवैध कोयला उत्खनन और कथित तस्करी के मुद्दे पर विपक्षी दलों के आरोपों के बीच झारखंड मुक्ति मोर्चा के युवा नेता सौरभ श्रीवास्तव ने पलटवार किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि हेमंत सरकार अवैध खनन और कोयला चोरी पर लगाम लगाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और लातेहार में किसी भी सूरत में अवैध कारोबार को पनपने नहीं दिया जाएगा। विपक्ष केवल राजनीति करने के लिए सरकार पर बेबुनियाद आरोप लगा रहा है, जबकि प्रशासन लगातार ऐसी गतिविधियों पर कार्रवाई कर रहा है। सौरभ श्रीवास्तव ने कहा कि बालूमाथ, बालू, नवादा, आरा, चमातू और हेरहंज समेत आसपास के तमाम कोयला क्षेत्रों में यदि अवैध उत्खनन या तस्करी की सूचना मिलती है, तो प्रशासन उस पर तत्काल और सख्त कदम उठाए। उन्होंने आगाह करते हुए कहा कि उनके संज्ञान में आया है कि कुछ धंधेबाज आने वाले समय में दोबारा सक्रिय होने की फिराक में हैं। ऐसे तत्वों को चेताते हुए उन्होंने कहा कि क्षेत्र से अवैध कोयले का एक ढेला भी नहीं उठने दिया जाएगा। यदि किसी कारोबारी, अधिकारी या जनप्रतिनिधि का भी इसमें संरक्षण पाया गया, तो जांच कर उनके खिलाफ भी विधि सम्मत कार्रवाई होनी चाहिए। झामुमो नेता ने बताया कि वे इस मामले में जल्द ही उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक, डीडीसी, जिला खनन पदाधिकारी और संबंधित थाना प्रभारियों को लिखित आवेदन सौंपेंगे। इसमें कोयला क्षेत्रों में नियमित निगरानी बढ़ाने और संभावित अवैध गतिविधियों पर नकेल कसने की मांग की जाएगी। उन्होंने कहा कि अवैध खनन से न केवल सरकारी राजस्व और पर्यावरण को नुकसान पहुंचता है, बल्कि कानून-व्यवस्था भी प्रभावित होती है। ऐसे में प्रशासन बिना किसी दबाव के कानून के तहत सख्ती से पेश आए। उनके इस बयान के बाद जिले में अवैध कोयला कारोबार को लेकर एक बार फिर प्रशासनिक व राजनीतिक सरगर्मी बढ़ गई है।

शहीद शेख भिखारी की शहादत आज भी देती है साहस और स्वाभिमान की प्रेरणा : शोएब अख्तर

रांची (बिभा) : 1857 के स्वतंत्रता संग्राम के महान योद्धा अमर शहीद शेख भिखारी की जयंती पर उनके संघर्ष और बलिदान को याद किया गया। शोएब अख्तर ने कहा कि शेख भिखारी की शहादत आज भी लोगों को देशभक्ति, साहस और स्वाभिमान की प्रेरणा देती है।उपलब्ध ऐतिहासिक विवरण के अनुसार शेख भिखारी का जन्म 2 अक्टूबर 1819 को वर्तमान रांची क्षेत्र के खुदिया लोटवा गांव में हुआ था। उन्होंने 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में छोटानागपुर क्षेत्र में अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे टिकैत उमराव सिंह के दीवान और प्रमुख सहयोगी के रूप में अंग्रेजी शासन के खिलाफ खड़े हुए।अंग्रेजी सेना को रोकने के लिए शेख भिखारी और उनके साथियों ने चुटूपालू घाटी में मोर्चा संभाला था। पेड़ काटकर रास्ता अवरुद्ध करने और अंग्रेजी सेना की आवाजाही रोकने का प्रयास किया गया। बाद में अंग्रेजी सरकार ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया। 8 जनवरी 1858 को चुटूपालू घाटी में शेख भिखारी और टिकैत उमराव सिंह को फांसी दे दी गई। शोएब अख्तर ने कहा कि शेख भिखारी का जीवन त्याग, प्रतिरोध और राष्ट्रप्रेम की प्रेरक गाथा है। उनकी शहादत झारखंड के स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास की महत्वपूर्ण

हजारीबाग झील परिसर स्थित गांधी स्मारक की सीढ़ियां जर्जर, नगर आयुक्त ने दिया तत्काल मरम्मत का आश्वासन

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : शहर की हृदयस्थली हजारीबाग झील परिसर में स्थित गांधी स्मारक की जर्जर सीढ़ियां इन दिनों बदहाली की तस्वीर पेश कर रही हैं। गांधी जयंती के अवसर पर जब शहर में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी जा रही थी, उसी दिन गांधी स्मारक तक पहुंचने वाली सीढ़ियों की क्षतिग्रस्त स्थिति भी सामने आई। स्मारक की सीढ़ियों का एक हिस्सा पूरी तरह टूट चुका है, जबकि आसपास की संरचना भी मरम्मत की जरूरत को दर्शा रही है। स्मारक तक पहुंचने के लिए बनी सीढ़ियां झील के पानी के बिल्कुल किनारे स्थित हैं। ऐसे में इनके क्षतिग्रस्त होने से यहां आने-जाने वाले लोगों के लिए परेशानी के साथ सुरक्षा का भी सवाल खड़ा हो गया है। गांधी स्मारक शहर के महत्वपूर्ण स्थलों में शामिल है और गांधी जयंती जैसे विशेष अवसर पर यहां लोगों का आना-जाना भी रहता है। बावजूद इसके सीढ़ियों की ऐसी स्थिति व्यवस्था के रखरखाव पर सवाल खड़े करती है। मामले को लेकर फोन के माध्यम से नगर आयुक्त ओमप्रकाश गुप्ता से बातचीत की गई। नगर आयुक्त ने कहा कि गांधी स्मारक की क्षतिग्रस्त सीढ़ियों की जानकारी प्राप्त हुई है। इंजीनियर को मौके पर भेजकर स्थल का निरीक्षण कराया जाएगा और आवश्यक कार्य की रूपरेखा तैयार कराई जाएगी। इसके बाद तत्काल सीढ़ियों की रिपेयरिंग का कार्य कराया जाएगा। नगर आयुक्त के इस आश्वासन के बाद अब गांधी स्मारक की क्षतिग्रस्त सीढ़ियों की जल्द मरम्मत होने की उम्मीद जगी है। स्थानीय लोगों का भी कहना है कि शहर के ऐतिहासिक और सार्वजनिक महत्व वाले स्थलों का नियमित निरीक्षण और समय-समय पर मरम्मत जरूरी है, ताकि उनकी स्थिति खराब होने से पहले ही आवश्यक कदम उठाए जा सकें।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर विशेष कार्यक्रम आयोजित

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: स्वामी धर्मबंधु कॉलेज ऑफ एजुकेशन में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. सारिका कुमारी एवं समस्त सहायक प्राध्यापकों द्वारा संयुक्त रूप से महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर तथा दीप प्रज्वलित करके किया गया।

इस अवसर पर महाविद्यालय में निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें बी.एड. सत्र 2026-28 के शिक्षक-प्रशिक्षुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में कुणाल राज ने प्रथम, दीपा कुमारी ने द्वितीय, नीलम कुमारी ने तृतीय तथा कोमल कुमारी ने चतुर्थ स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता का उद्देश्य शिक्षक-प्रशिक्षुओं में महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के जीवन, विचारों, आदर्शों तथा राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना था। साथ ही, सत्य, अहिंसा, सादगी, अनुशासन एवं कर्तव्यनिष्ठा जैसे जीवन-मूल्यों को अपनाने के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित करना भी कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य रहा।

इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. सारिका कुमारी ने कहा कि महात्मा गांधी ने सत्य और अहिंसा के माध्यम से देश को स्वतंत्रता के मार्ग पर अग्रसर किया, वहीं लाल बहादुर शास्त्री ने सादगी, ईमानदारी एवं राष्ट्रभक्ति का अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत किया। उनके विचार एवं आदर्श आज भी युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं। शिक्षक-प्रशिक्षुओं को उनके जीवन से प्रेरणा लेकर समाज एवं राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करना चाहिए।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त शिक्षकगण, कर्मचारी एवं बी.एड. सत्र 2026-28 के शिक्षक-प्रशिक्षु उपस्थित रहे।

पीवीयूएनएल ने गेगदा में 80 लाख की लागत से बने मल्टीपर्पस कम्युनिटी हॉल का किया लोकार्पण, सांसद व विधायक रहे मौजूद

बिभा संवाददाता

पतरातू: राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर पतरातू विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (पीवीयूएनएल) की कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहल के तहत ग्राम गेगदा में नवनिर्मित बहुउद्देशीय सामुदायिक भवन (मल्टीपर्पस कम्युनिटी हॉल) का लोकार्पण किया गया। लगभग 80 लाख रुपये की लागत से तैयार यह भवन स्थानीय ग्रामीणों के सामाजिक, सांस्कृतिक और सामुदायिक आयोजनों के लिए समर्पित किया गया है।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल, बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी एवं पीवीयूएनएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) ए. के. सहगल उपस्थित रहे। अतिथियों ने फीता काटकर भवन का उद्घाटन किया। इसके उपरांत गांधी स्मारक परिसर में आयोजित समारोह में सांसद, विधायक और सीईओ ने महात्मा गांधी की प्रतिमा और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। वक्ताओं ने दोनों महापुरुषों के सत्य, अहिंसा, सादगी और स्वावलंबन के सिद्धांतों को जीवन में उतारने का आह्वान किया।

सीएसआर पहल के तहत पीवीयूएनएल द्वारा गांधी स्मारक पुस्तकालय को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से तीन बुकशेल्फ और हिंदी साहित्य की पुस्तकें भी भेंट की गईं, ताकि युवाओं और ग्रामीणों में स्वाध्याय की प्रवृत्ति बढ़े। इसके साथ ही 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत टाउनशिप परिसर व गांधी स्मृति स्थल के समीप अतिथियों और ग्रामीणों ने सामूहिक पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

कार्यक्रम में पीवीयूएनएल के वरिष्ठ अधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि, ग्राम प्रधान और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। स्थानीय समुदाय और गांधी स्मारक समिति ने कंपनी की इस पहल की सराहना करते हुए इसे ग्रामीण विकास की दिशा में अहम कदम बताया।

डिवाइन पब्लिक स्कूल में धूमधाम से मनाई गई राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती

बिभा संवाददाता

लोहरदगा: जिले के कुडू प्रखंड के चन्दलासो स्थित डिवाइन पब्लिक स्कूल परिसर में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती अत्यंत श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के डायरेक्टर ज्ञान गंगा सिंह के द्वारा महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने भी बापू और शास्त्री जी को नमन कर अपनी श्रद्धांजलि दी। पुष्पांजलि के पश्चात उपस्थित छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों को संबोधित करते हुए विद्यालय के डायरेक्टर ज्ञान गंगा सिंह ने कहा कि महात्मा गांधी जी के सत्य, अहिंसा और शांति के विचार आज भी प्रासंगिक हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को बापू के दिखाए मार्ग पर चलने, स्वच्छता को अपने जीवन में अपनाने और समाज हित में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। साथ ही, उन्होंने जय जवान-जय किसान का नारा देने वाले पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी के सादे जीवन और उच्च विचारों से भी सीख लेने का संदेश दिया। इस मौके पर विद्यालय में स्वच्छता अभियान एवं वृक्षारोपण का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इसके अलावा सांस्कृतिक कार्यक्रम और भाषण प्रतियोगिता का भी आयोजन हुआ, जिसमें विद्यार्थियों ने महात्मा गांधी जी के जीवन दर्शन और स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान को रेखांकित किया।

पूर्वजों को श्रद्धांजलि अर्पित करना ही श्राद्ध है

रमेश सर्राफ धमोरा

श्राद्ध का अर्थ है श्रद्धा (सच्चा विश्वास और प्रेम) से किया जाने वाला कर्मकांड जो मृत पूर्वजों (पितरों) की आत्मा की शांति और तृप्ति के लिए किया जाता है। यह उनके प्रति कृतज्ञता, सम्मान और स्मरण भाव को व्यक्त करने का एक तरीका है, और इसके माध्यम से उन्हें संतुष्ट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया जाता है।

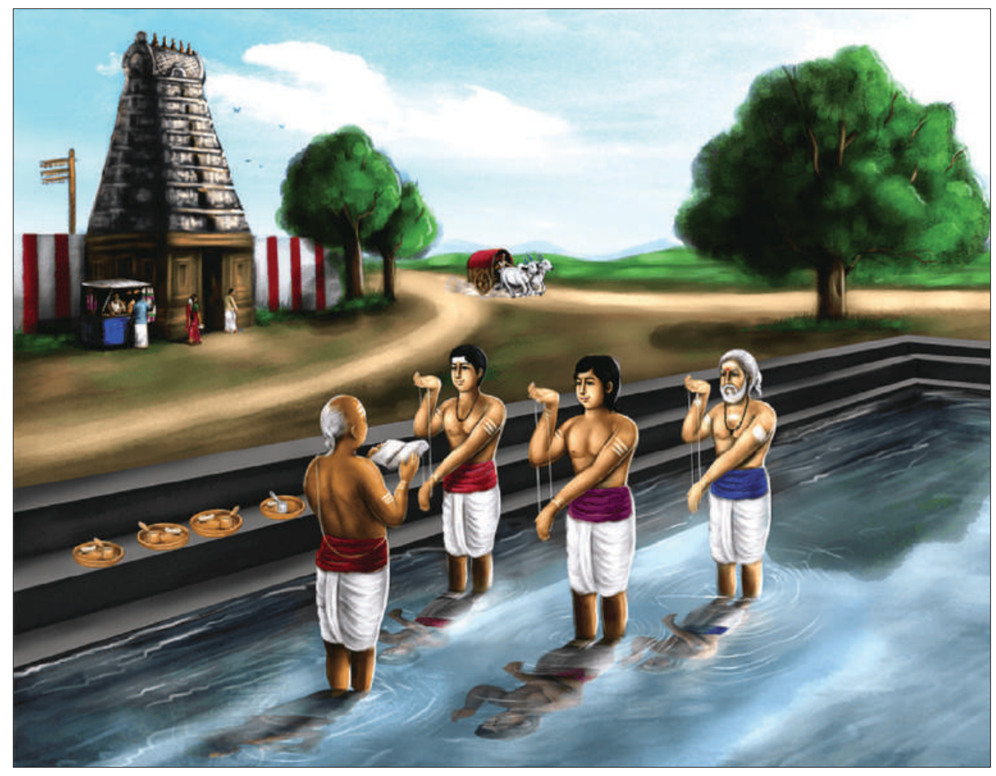

श्राद्ध पितरों के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता अभिव्यक्त करने तथा उन्हें याद करने के निमित्त किया जाता है। इसके पीछे मान्यता है कि जिन पूर्वजों के कारण हम आज अस्तित्व में हैं। जिनसे गुण हमें विरासत में मिलें हैं। उनका हम पर न चुकाये जा सकने वाला ऋण हैं। पितरों की आत्मा की शांति के लिए पितृ पक्ष में जो तर्पण किया जाता है। उसके पीछे धार्मिक मान्यता है कि इससे पितरों को स्वर्ग प्राप्त होता है और उनकी आत्मा को शांति मिलती है। मंदिरों और नदियों के किनारे पितरों को तर्पण देने की सदियों से चली आ रही धार्मिक परम्परा आज भी अनवरत रूप से जारी है।

श्राद्ध का अर्थ है श्रद्धा (सच्चा विश्वास और प्रेम) से किया जाने वाला कर्मकांड जो मृत पूर्वजों (पितरों) की आत्मा की शांति और तृप्ति के लिए किया जाता है। यह उनके प्रति कृतज्ञता, सम्मान और स्मरण भाव को व्यक्त करने का एक तरीका है, और इसके माध्यम से उन्हें संतुष्ट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया जाता है। श्राद्ध का वैज्ञानिक पहलू भी है। वेदों में, दर्शन शास्त्रों में, उपनिषदों एवं पुराणों आदि में हमारे ऋषियों-मनीषियों ने इस विषय पर विस्तृत विचार किया है। श्रीमद्भागवत गीता में भी स्पष्ट रूप से बताया गया है कि जन्म लेने वाले की मृत्यु और मृत्यु को प्राप्त होने वाले का जन्म निश्चित है। यह प्रकृति का नियम है। शरीर नष्ट होता है मगर आत्मा कभी भी नष्ट नहीं होती है। वह पुनः जन्म लेती है और बार-बार जन्म लेती है। इस पुनः जन्म के आधार पर ही कर्मकाण्ड में श्राद्धदि कर्म का विधान निर्मित किया गया है।

इसलिए हिंदू धर्म शास्त्रों में श्राद्ध करने का विशेष विधान बताया गया है। श्रद्धया इदं श्राद्धम, अर्थात जो श्रद्धा से किया जाये वही श्राद्ध है। श्राद्ध प्रथा वैदिक काल के बाद शुरू हुई और इसके मूल में इसी श्लोक की भावना है। उचित समय पर शास्त्र सम्मत विधि द्वारा पितरों के लिए श्रद्धा भाव से मन्त्रों के साथ जो दान-दक्षिणा आदि दिया जाय वही श्राद्ध कहलाता है। भाद्रपद मास की पूर्णिमा के दिन सूर्य के कन्या राशि में प्रवेश करने पर इस दिन इसे कनायत भी कहते हैं और इसी दिन से पितृ पक्ष शुरू होता है।

श्राद्ध का अर्थ है श्रद्धापूर्वक किया गया कार्य जिससे पितरों को शांति मिलती है। श्राद्ध की उत्पत्ति पूर्वजों के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता से हुई है जिसकी शुरूआत वैदिक काल से मानी जाती है। महाभारत के अनुसार सबसे पहले महर्षि निमि ने अत्रि मुनि के उपदेश से श्राद्ध किया और यह परंपरा धीरे-धीरे प्रचलित हुई। पितृ दोष होने पर व्यक्ति को कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है इसलिए पितृपक्ष में पितरों का स्मरण और पूजन करना आवश्यक है। हिंदू धर्म में पितृ पक्ष का विशेष महत्व है। पितृ पक्ष को श्राद्ध पक्ष के नाम से भी जाना जाता है। पितृ पक्ष में पितरों का श्राद्ध और तर्पण किया जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार पितृ पक्ष के दौरान पितर संबंधित कार्य करने से पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस पक्ष में विधि- विधान से पितर संबंधित कार्य करने से पितरों का आशार्वाद प्राप्त होता है। श्राद्ध सूक्ष्म शरीरों के लिए वही काम करते हैं जो कि जन्म के पूर्व और जन्म के समय के संस्कार स्थूल शरीर के लिए करते हैं। इसलिए शास्त्र पूर्व जन्म के आधार पर ही कर्मकाण्ड में श्राद्धादि कर्म का विधान निर्मित करते हैं। सभी संस्कारों विवाह को छोडकर श्राद्ध ही ऐसा धार्मिक कृत्य है जिसे लोग पर्याप्त धार्मिक उत्साह से करते हैं। विवाह में बहुत से लोग कुछ विधियों को छोड़ भी देते हैं। परन्तु श्राद्ध कर्म में नियमों की अनदेखी नहीं की जाती है। क्योंकि श्राद्ध का मुख्य उद्देश्य परलोक की यात्रा की सुविधा करना है। भाद्रपद मास की पूर्णिमा से पितृ पक्ष शुरू होकर करीब 16 दिनों तक चलने वाले श्राद्ध में अश्विन मास की अमावस्या तक पितृ पृथ्वी पर वास करेंगे। इन 16 दिनों तक पितरों को प्रसन्न करने के लिए उन्हे यज्ञ, जल से तर्पण दिया जाएगा। इस दौरान पितरों की आत्मा की शांति के लिए जगह-जगह पिंडदान, नारायण बलि, जल तर्पण आदि कर्मकांड़ों से उन्हें प्रसन्न करने की कोशिश की जाती है।

आश्विन कृष्ण प्रतिपदा से लेकर अमावस्या तक ब्रह्माण्ड की ऊर्जा तथा उस उर्जा के साथ पितृप्राण पृथ्वी पर व्याप्त रहता है। धार्मिक ग्रंथों में मृत्यु के बाद आत्मा की स्थिति का बड़ा सुन्दर और वैज्ञानिक विवेचन भी मिलता है। पुराणों के अनुसार पितृपक्ष में जो तर्पण किया जाता है उससे वह पितृप्राण स्वयं आप्यापित होता है। पुत्र या उसके नाम से उसका परिवार जौ तथा चावल का पिण्ड देता है। उसमें से अंश लेकर वह अम्भप्राण का ऋण चुका देता है। ठीक आश्विन कृष्ण प्रतिपदा से वह चक्र उर्ध्वमुख होने लगता है। 15 दिन अपना-अपना भाग लेकर शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से पितर उसी ब्रह्मांडीय उर्जा के साथ वापस चले जाते हैं। इसलिए इसको पितृपक्ष कहते हैं और इसी पक्ष में श्राद्ध करने से पित्तरों को प्राप्त होता है।

पुराणों में इसके आयोजन को लेकर कई कथाएं हैं। जिसमें कर्ण के पुनर्जन्म की कथा काफी प्रचलित है। हिन्दू धर्म में सर्वमान्य श्री रामचरित में भी श्री राम के द्वारा राजा दशरथ और जटायु को गोदावरी नदी पर जलांजलि देने का उल्लेख है। भरत के द्वारा दशरथ हेतु दशगात्र विधान का उल्लेख भरत कीन्हि दशगात्र विधाना तुलसी रामायण में हुआ है । भारतीय धर्मग्रंथों के अनुसार मनुष्य पर तीन प्रकार के ऋण प्रमुख माने गए हैं- पितृ ऋण, देव ऋण तथा ऋषि ऋण। इनमें पितृ ऋण सर्वोपरि है। पितृ ऋण में पिता के अतिरिक्त माता तथा वे सब बुजुर्ग भी सम्मिलित हैं, जिन्होंने हमें अपना जीवन धारण करने तथा उसका विकास करने में सहयोग दिया। पितृपक्ष में हिन्दू लोग मन कर्म एवं वाणी से संयम का जीवन जीते हैं। पितरों को स्मरण करके जल चढ़ाते हैं। निर्धनों एवं ब्राह्मणों को दान देते हैं।

विष्णु पुराण के अनुसार दरिद्र व्यक्ति केवल मोटा अन्न, जंगली साग, फल और न्यूनतम दक्षिणा यदि वह भी ना हो तो सात या आठ तिल अंजलि में जल के साथ लेकर ब्राह्मण को देना चाहिए या किसी गाय को दिन भर घास खिला देनी चाहिए। अन्यथा हाथ उठाकर दिक्पालों और सूर्य से याचना करनी चाहिए कि हे प्रभु मैंने हाथ वायु में फैला दिये हैं, मेरे पितर मेरी भक्ति से संतुष्ट हों। देश में श्राद्ध के लिए हरिद्वार, गंगासागर, जगन्नाथपुरी, कुरुक्षेत्र, चित्रकूट, पुष्कर, बद्रीनाथ सहित कई स्थानों को महत्वपूर्ण माना गया है। लेकिन गया का स्थान उसमें सर्वोपरि कहा गया है।

गया में फल्गु नदी के किनारे श्राद्ध कर्म करना सबसे ज्यादा पुण्य प्रदान करने वाला माना जाता है। जो व्यक्ति गया में श्राद्ध करने जाता है उसको पूरे पितृ पक्ष वहीं रह कर श्राद्ध क्रिया पूरी करनी पड़ती है। गया में पिंडदान करने से सात पीढियों का उद्धार हो जाता है। गया जी में पूरे साल पिंडदान किया जाता है। शास्त्रों में पितरों के लिए पितृपक्ष के दौरान पिंडदान करने का अलग महत्व बताया गया है। मान्यता है कि गया जी में श्राद्ध कर्मकांड सृष्टि के रचना काल से शुरू है। वायुपुराण, अग्निपुराण तथा रूढ पुराण में गया तीर्थ का वर्णन है। भगवान ब्रह्मा ने पृथ्वी पर आकर फल्गु नदी में प्रेतशिला पर पिंडदान किया था। त्रेता युग में भी भगवान श्रीराम भी अपने पिता राजा दशरथ के मरणोपरांत फल्गु नदी के तट पर श्राद्ध, तर्पण, पिंडदान, कर्मकांड को कर पितृऋण से मुक्त हुए थे। श्राद्ध महिमा में कहा गया है- आयुः पूजां धनं विद्यां स्वर्ग मोक्ष सुखानि च। प्रयच्छति तथा राज्यं पितरः श्राद्ध तर्पिता।। - अर्थात जो लोग अपने पितरों का श्राद्ध श्रद्धापूर्वक करते हैं, उनके पितर संतुष्ट होकर उन्हें आयु, संतान, धन, स्वर्ग, राज्य मोक्ष व अन्य सौभाग्य प्रदान करते हैं।

संपादकीय

आसमानी साहस

यह कल्पना करना भी कठिन होता है कि सैकड़ों यात्रियों की सुरक्षा के लिये जवाबदेह किसी हवाई जहाज का कोई को-पायलट अपने कैप्टन पर हमला करके जहाज को क्रैश कराने की साजिश करेगा। यहां तक कि पायलटों को ट्रेनिंग में भी इस तरह की अप्रत्याशित चुनौती पर चर्चा नहीं होती, क्योंकि यह विश्वास ही नहीं किया जा सकता कि कोई पायलट अपने पेशे से गद्दारी कर ऐसा कृत्य कर सकता है। कभी आसमान में जब ऐसा अप्रत्याशित घटे। फिर गंभीर रूप से घायल कैप्टन हमलावर साथी पायलट के घातक हमलों से जूझता हुआ, बेहद मुश्किल हालात में कॉकपिट खोल दे। फिर यात्रियों व क्रू-मेंबर्स को मदद के लिये आवाज दे। तो वास्तव में वह कैप्टन हमारी हकीकत की जिंदगी के हीरो से भी बढ़कर महानायक सरीखा ही है। फ्लाई दुबई के हवाई जहाज में कैप्टन स्मित मच्छार के ऐसे ही साहस से भयानक साजिश के चलते अचानक हजारों फीट नीचे गिरते जहाज को नियंत्रण में लाया जा सका। उनके साहस से हवाई जहाज में सवार 174 यात्रियों की जान बचायी जा सकी है। आज स्मित के साहस की दुनिया तारीफ कर रही है। हमेशा भारतीयों को लेकर असहज टिप्पणियां करने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति ने स्मित के साहस की सार्वजनिक रूप से तारीफ की है। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इस हीरो की तारीफ करते हुए कहा है कि एक हिंदुस्तानी ने एक दूसरा 9/11 होने से बचा लिया है। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी भारत का गौरव बढ़ाने वाले स्मित मच्छार के साहस की मुक्तकंठ से प्रशंसा की है। निस्संदेह, स्मित व हवाई जहाज में साहस दिखाकर विमान की सऊदी अरब में सुरक्षित लैंडिंग कराने वाले सहयोगी यात्री अभिनंदन के काबिल हैं। दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाई दुबई की फ्लाइट की सुरक्षित लैंडिंग की घटना अप्रत्याशित और रोंगटे खड़े करने वाली है। इस्राइली यात्री यानीव हायुन भी बड़ी त्रासदी टालने वाले साहसी यात्रियों में शामिल थे। इस हवाई जहाज के इस्राइल में उतरने पर इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हवाई अड्डे पहुंचकर इस साहसी यात्री की पीठ थपथपायी।

बहरहाल, स्मित मच्छार द्वारा समय पर दिखाए गए अदम्य साहस ने एक बड़ी हवाई त्रासदी को टाल दिया। निश्चित रूप से आने वाले समय में जांच के बाद कई अहम सवालों के जवाब मिल पाएंगे। सवाल है कि आखिर विमान का को-पायलट जहाज को क्यों क्रैश कराना चाहता था? क्या इसके पीछे कोई आत्मघाती विचारधारा काम कर रही थी या ये कोई बड़ी आतंकी साजिश थी? क्या ये को-पायलट के कट्टरपंथ की ओर रुझान, या फिर मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्या की परिणति थी? वैसे साजिश में ईरान के शामिल होने के दावों की अभी पुष्टि नहीं हुई है। समय की मांग है कि सऊदी अरब, यूएई और इस्राइल आदि देशों के जांचकताओं को असलियत का पता लगाना चाहिए। बहरहाल, इस्राइल पर हमास के घातक हमले की तीसरी बरसी से कुछ दिन पहले हुई इस भयावह घटना ने दुनियाभर में हवाई यात्रा की सुरक्षा से जुड़े सवालों पर सबका ध्यान खींचा है। इस घटनाक्रम के कई अनुत्तरित सवाल लोगों को परेशान कर रहे हैं कि को-पायलट को प्राणघातक हथियार कैसे मिला? क्या हवाई जहाज के उड़ान भरने से पहले कॉकपिट सुरक्षा के मौजूदा नियमों का पूरी तरह से पालन किया गया था? घटनाक्रम के आलोक में एविएशन प्रोटोकॉल की पारदर्शी जांच भी जरूरी है। इस घटना का मानवीय पहलू यह है कि कैप्टन, यात्रियों व क्रू मेंबर्स ने बेहद चुनौतीपूर्ण हालात में विमान को आकाश में बनाये रखा। बेहद जटिल स्थिति में तत्काल समयानुकूल निर्णय लेने के लिये उनके हिम्मती कदम बेहद सम्मान व तारीफ के काबिल हैं। जिसके चलते स्मित मच्छार को आज इस्राइल में एक बड़े हीरो की तरह देखा जा रहा है। मौत के मुंह से निकलकर आये यात्री सोशल मीडिया पर उनका गुणगान करते नहीं थक रहे हैं। इतना ही नहीं, एक भारतीय के अदम्य साहस के लिये इस्राइल में भारत को भी धन्यवाद दिया जा रहा है। बहरहाल, व्यापक नजरिये से देखें तो इस घटनाक्रम के बाद एविएशन अधिकारियों की जिम्मेदारी बनती है कि वे भविष्य में ऐसे घटनाक्रम की पुनरावृत्ति रोकने के लिये चाक-चौबंद सुरक्षा उपाय अपनाएं।

सूक्ति

अपने आप को खुश करने का सबसे अच्छा तरीका है, किसी और को खुश करने की कोशिश करना।
– मार्क ट्वेन

कभी कभी हमे स्वयं को बताने की यह जरूरत पड़ती है की हम दुसरो को क्या दे सकते हैं। – डॉ फिल

चुनाव आयोग में प्याज की तरह परत दर परत खुलासा

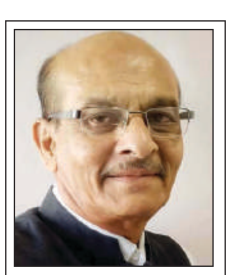

सनत जैन

अब फॉर्म 7 में धांधली...

केंद्रीय चुनाव आयोग सॉफ्टवेयर के माध्यम से क्या-क्या गुल खिला रहा था यह एक के बाद एक स्पष्ट होता चला जा रहा है। हाल ही में फॉर्म नंबर 6 और तार्किक मूल्यांकन के जरिए मतदाता सूची में 13.37 करोड़ मतदाताओं के नाम काटे गए थे। 2024 के बाद 18 वर्ष पूरे कर चुके युवा मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में नहीं जोड़े गए थे। इसके अलावा फॉर्म 7 के माध्यम से बड़ी संख्या में अल्पसंख्यक मतदाताओं और ऐसे लोगों के नाम काटे जा रहे थे जो एक पार्टी विशेष को मतदान नहीं करते थे। इस काम में बड़ी संख्या में पन्ना प्रमुख जो एक राष्ट्रीय दल द्वारा बनाए गए थे उनकी और चुनाव आयोग की भूमिका अब खुलकर सामने आ गई है, जिसके कारण मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार एक नई मुसीबत में आ गए हैं। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया है, टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज से मिलकर केंद्रीय चुनाव आयोग ने मनमाने तरीके से सॉफ्टवेयर में परिवर्तन किया। बीएलओ और क्षेत्रीय चुनाव अधिकारियों के अधिकार कंप्यूटर को देकर मतदाताओं के साथ बहुत बड़ी धोखाधड़ी की गई है। इसके साथ ही चुनाव के दौरान फॉर्म नंबर 7 की सहायता से करोड़ों मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से काट दिए गए। हर राज्य में लाखों मतदाताओं के नाम भाजपा के पन्ना प्रमुखों के जरिये काटने का खेल पिछले दो साल से चल रहा है। इसका खुलासा राहुल गांधी ने हरियाणा और महाराष्ट्र की मतदाता सूची में किए गए गड़बड़ घोटाले के मामले को पत्रकार वार्ता के जरिए सामने लाया था। उन्होंने इसके सबूत भी दिए थे, लेकिन उस समय चुनाव आयोग और सरकार ने राहुल गांधी द्वारा लगाए गए आरोपों का जवाब न देकर उल्टे उनसे शपथ पत्र मांग लिया था। उसके बाद यह मामला ठंडे बस्ते में चला गया था। चुनाव आयुक्तों में मतभेद होने के कारण अब यह मामला तूल पकड़ गया है। केंद्रीय मुख्य चुनाव आयुक्त ने चुनाव आयोग पर एकाधिकार कर लिया था, वह मनमाने तरीके से निर्णय ले रहे थे, दो अन्य चुनाव आयुक्तों से सलाह भी नहीं ले रहे थे। चुनाव आयोग में मनमानी नियुक्ति कर रहे थे तथा चुनाव आयोग के पोर्टल में मनमर्जी से वो बदलाव कर चुनाव को प्रभावित कर रहे थे। वह मामला अब इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के बाद तूल पकड़ गया है। सारे देश में आंदोलन चढ़ गया है। सारे विपक्षी दल अब सड़कों पर आ गए हैं। जिसके कारण अब हर मामला सबूतों के साथ खुलकर सामने आ गया है। अब इसको छिपा पाना चुनाव आयोग के लिए संभव नहीं दिख रहा है।

जिस तरह से चुनाव आयोग के साथ-साथ न्यायपालिका के ऊपर सीधे आरोप लगना शुरू हो गए हैं, सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत के ऊपर अधिवक्ता समुदाय खुद सबूतों के साथ आरोप लगा रहा है। सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता भी प्रदर्शन करने सुप्रीम कोर्ट के बाहर खड़े हो रहे हैं, जो अधिवक्ता अभी तक मुखर होकर अपनी बात नहीं कर पा रहे थे उन्हें अपनी प्रैक्टिस का डर था लेकिन अब वह भी खुलकर सड़कों पर उतर रहे हैं, जिसके कारण चुनाव आयोग और सरकार की मुसीबतें दिन-प्रतिदिन बढ़ती चली जा रही हैं। 2 अक्टूबर से जिस तरह का प्रदर्शन आज देश भर में देखने को मिल रहा है, सारे देश के विपक्षी दल और कॉकरोच जनता पार्टी के आह्वान पर आंदोलन शुरू हो गए हैं। उसको देखते हुए अब नहीं लगता है कि सुप्रीम कोर्ट या हाईकोर्ट से चुनाव आयोग को कोई संरक्षण मिल पाएगा। ऐसी स्थिति में फार्म 7 की धांधली सामने आने के बाद कर्नाटक के मुख्यमंत्री द्वारा अनशन और धरना देने से सबूतों के साथ शिकायत करने पर केंद्रीय चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को बचा पाना अब शायद न्यायपालिका के लिए भी संभव नहीं होगा। आगे किस तरह के हालात बनेंगे कहना मुश्किल है। जो अधिकार संसद के पास थे, उन अधिकारों का उपयोग केंद्रीय चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने किया है। जो मनमानी की थी वह अब दस्तावेजी सबूत के रूप में सामने है। ऐसी स्थिति में केंद्रीय चुनाव आयोग में एक बड़े बदलाव की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। सरकार ने जिस तरह से चुनाव आयुक्त की नियुक्ति की थी, वह विवाद भी सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। आगे क्या होगा इसको लेकर अब तरह-तरह की आशंकाओं के कयास लगना शुरू हो गए हैं। इतना तय है कि अब इस मामले में कठोर कार्रवाई न्यायपालिका और सरकार दोनों को ही करना होगी अन्यथा इस मामले को शांत कर पाना संभव नहीं होगा।

अरब सागर से पंजाब तक नशे का नेटवर्क देश की सुरक्षा और युवा पीढ़ी के लिए बड़ी चुनौती

कांतिलाल मांडोत

समुद्री सीमा की चौकसी के साथ समाज को भी बनना होगा नशामुक्ति की मजबूत दीवार...

भारत की समुद्री सीमा से मादक पदार्थों की एक और बड़ी खेप पकड़े जाने ने यह स्पष्ट कर दिया है कि नशे का कारोबार केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं रह गया है, बल्कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा, युवा पीढ़ी और सामाजिक व्यवस्था से जुड़ी गंभीर चुनौती बन चुका है। गुजरात आतंकवाद निरोधी दस्ते और भारतीय तटरक्षक बल ने 25 सितंबर 2026 को लक्षद्वीप के पश्चिम में अरब सागर में संयुक्त अभियान चलाकर एक ईरानी नाव से करीब 526 किलोग्राम हेरोइन और मेथामफेटामाइन बरामद किया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत तीन हजार करोड़ रुपये से अधिक बताई गई है। नाव पर सवार पांच पाकिस्तानी नागरिकों को भी पकड़ा गया है।

यह कार्रवाई केवल एक खेप पकड़ने की घटना नहीं है। इसके पीछे काम कर रहे अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क की जांच अब सुरक्षा एजेंसियों के लिए महत्वपूर्ण है। सरकारी जानकारी के अनुसार अभियान खुफिया सूचना के आधार पर चलाया गया और समुद्री तथा हवाई निगरानी के बाद संदिग्ध नाव को रोका गया। नाव और पकड़े गए लोगों को मुंबई लाकर आगे की संयुक्त जांच शुरू की गई है। एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि इस नेटवर्क के पीछे कौन लोग हैं, माल के संभावित प्राप्तकर्ता कौन थे और इसके आर्थिक लेनदेन की कड़ियां कहां तक जाती हैं।

जांच से जुड़ी मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया है कि खेप को भारत में पहुंचाने के बाद आगे दूसरे राज्यों तक ले जाने की योजना थी। रिपोर्टों में एक नाइजीरियाई व्यक्ति और पाकिस्तान से जुड़े कथित तस्करी नेटवर्क का भी उल्लेख है। इन दावों की पूरी पुष्टि जांच और न्यायिक प्रक्रिया के बाद ही होगी। इसलिए किसी पूरे देश या समुदाय के प्रत्येक व्यक्ति को तस्करी से जोड़ना उचित नहीं होगा। वास्तविक चुनौती उन संगठित आपराधिक नेटवर्क को पहचानना और तोड़ना है जो अंतरराष्ट्रीय सीमाओं और समुद्री रास्तों का इस्तेमाल करते हैं।

गुजरात के समुद्री क्षेत्र में इस वर्ष हुई कार्रवाइयां समस्या की गंभीरता का संकेत देती हैं। भारतीय तटरक्षक बल के आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार 16 फरवरी 2026 को गुजरात एटीएस के साथ संयुक्त कार्रवाई में करीब 203 किलोग्राम संदिग्ध मादक पदार्थ ले जा रही एक नाव पकड़ी गई थी। इसके बाद मई में मुंद्रा बंदरगाह के निकट करीब 118.977 किलोग्राम कोकीन बरामद की गई, जिसकी कीमत 1,189 करोड़ रुपये से अधिक बताई गई। इस मामले में पुलिस के अनुसार खेप को 2025 में जहाज में छिपाया गया था। सितंबर की 526 किलोग्राम की कार्रवाई इन घटनाओं के बीच सबसे बड़ी हालिया बरामदगी में शामिल है।

इन आंकड़ों से यह समझना जरूरी है कि समुद्री मार्ग केवल सीमा की सुरक्षा का विषय नहीं है। समुद्र से आने वाला अवैध माल यदि तट तक पहुंच जाए तो उसके बाद उसका फैलाव कई राज्यों और शहरों तक हो सकता है। इसलिए समुद्र में निगरानी, बंदरगाहों की सुरक्षा, खुफिया सूचनाओं का आदान-प्रदान, संदिग्ध वित्तीय लेनदेन की जांच और राज्यों के बीच समन्वय एक साथ मजबूत करना होगा। केवल एक खेप पकड़ लेने से समस्या समाप्त नहीं होगी। असली सफलता तब होगी जब तस्करी के पूरे आर्थिक और आपराधिक नेटवर्क को कानून के दायरे में लाया जाए।

नशे के खिलाफ लड़ाई का दूसरा और अधिक महत्वपूर्ण पक्ष युवा पीढ़ी की सुरक्षा है। किसी भी समाज में मादक पदार्थों की मांग बनी रहेगी तो आपूर्ति रोकने के बाद भी नए रास्ते तलाशने वाले अपराधी सक्रिय रहेंगे। इसलिए युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए परिवार, विद्यालय, महाविद्यालय, खेल संस्थान, सामाजिक संगठन और प्रशासन को मिलकर लगातार अभियान चलाना होगा। केवल भाषणों और पोस्टरों से काम नहीं चलेगा। युवाओं को खेल, कौशल विकास, रोजगार, रचनात्मक गतिविधियों और स्वस्थ सामाजिक वातावरण से जोड़ना होगा।

माता-पिता को बच्चों के व्यवहार में अचानक आने वाले गंभीर बदलावों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। संवाद का वातावरण ऐसा हो जिसमें बच्चा किसी गलत दबाव, डर या समस्या के बारे में परिवार से खुलकर बात कर सके। विद्यालयों में नशे के नुकसान को डर पैदा करने के बजाय वैज्ञानिक और स्वास्थ्यपरक तरीके से समझाया जाना चाहिए। शिक्षकों को भी विद्यार्थियों में दिखाई देने वाले गंभीर व्यवहारिक बदलावों पर संवेदनशीलता से ध्यान देना चाहिए और जरूरत पड़ने पर अभिभावकों तथा विशेषज्ञ सहायता से जोड़ना चाहिए।

सरकार और प्रशासन के स्तर पर समुद्री निगरानी को अत्याधुनिक तकनीक से मजबूत करना, तटरक्षक बल, पुलिस, सीमा सुरक्षा एजेंसियों और केंद्रीय जांच एजेंसियों के बीच तत्काल सूचना साझा करना तथा अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क की वित्तीय कड़ियों की जांच करना जरूरी है। गुजरात जैसे लंबे समुद्री तट वाले राज्य में मछुआरा समुदाय भी सुरक्षा व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा बन सकता है। समुद्र में संदिग्ध गतिविधियों की सूचना देने के लिए सुरक्षित और भरोसेमंद व्यवस्था जितनी मजबूत होगी, उतनी ही जल्दी सुरक्षा एजेंसियों तक जानकारी पहुंच सकेगी।

नशे की समस्या का स्थायी समाधान कठोर कार्रवाई के साथ सामाजिक जागरूकता में है। तस्करों के खिलाफ कानून का शिकंजा मजबूत होना चाहिए, लेकिन नशे की चपेट में आए युवाओं को केवल अपराधी के रूप में देखने के बजाय उपचार, परामर्श और पुनर्वास की व्यवस्था भी मजबूत करनी होगी। परिवारों को यह समझना होगा कि मदद मांगना कमजोरी नहीं है। समय पर सहायता मिलने से कई युवा अपना जीवन दोबारा सामान्य दिशा में ले जा सकते हैं।

अरब सागर में हुई 526 किलोग्राम की जब्ती सुरक्षा एजेंसियों की सतर्कता का प्रमाण है, लेकिन यह चेतावनी भी है कि चुनौती लगातार बनी हुई है। भारत को समुद्र से लेकर शहरों तक और सीमा से लेकर परिवार तक नशे के खिलाफ बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था खड़ी करनी होगी। युवाओं को नशे से बचाना केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि परिवार, समाज और प्रत्येक जिम्मेदार नागरिक का साझा दायित्व है। सुरक्षित समुद्री सीमा और नशामुक्त युवा पीढ़ी–दोनों मिलकर ही मजबूत और स्वस्थ भारत की नींव तैयार कर सकते हैं।

पहली बरसात से स्वच्छ सड़कों तक : स्वच्छ और स्वस्थ मानसून के लिए तैयार शहर

बिहान भारत

जैसे-जैसे मॉनसून पास आता है, पहली बरसात होने से पहले, भारत भर के शहर जलभराव, कचरा जमा होने और स्वच्छता से जुड़ी मौसमी समस्याओं से निपटने की तैयारी शुरू कर देते हैं। नालों की सफाई की जाती है, कचरा जमा होने वाले संवेदनशील स्थानों की पहचान की जाती है और स्वच्छता व जन-स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए उपाय किए जाते हैं। आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के नेतृत्व में चलाए गए 'सफाई अपनाओ, बीमारी भगाओ 2025' (एसएबीबी) अभियान के तहत, शहरी स्थानीय निकायों ने मानसून-पूर्व तैयारियों को एक समन्वित स्वच्छता और जनस्वास्थ्य प्रयास में बदला। 1 जुलाई से 31 जुलाई 2025 तक, शहरों ने नालों की सफाई, कचरा हटाने और स्वच्छता को बढ़ावा देने का काम किया, साथ ही स्कूलों, मोहल्लों और अन्य सार्वजनिक जगहों के जरिए समुदायों को भी इसमें शामिल किया।

इस अभियान के केंद्र में ह्य6 स्वच्छता मंत्रह्व हैं: साफ हाथ, घर, आस-पड़ोस, शौचालय, नाले और सार्वजनिक स्थान। ये आसान आदतें मिलकर मॉनसून के दौरान शहर को सुरक्षित और स्वस्थ रखने के एक बड़े प्रयास का हिस्सा बन रहे हैं। और देशभर में यह प्रयास कई अलग-अलग रूपों में सामने आ रहा है। दिल्ली में, इस अभियान ने अपने संदेश को सड़कों और स्कूलों तक पहुँचाया। एनसीसी की 400 कैडेट बालिकाओं ने 3 किलोमीटर लंबी 'पिंकथॉन' (एक वॉकथॉन) का नेतृत्व किया, जो मानसून स्वच्छता और सफाई को बढ़ावा देने के लिए आयोजित की गई थी। इस अभियान के दौरान जमीनी स्तर पर कई अहम काम किए गए, जिसमें 255 स्कूलों में हाथ धोने के अभियान चलाए गए, जबकि 206 सफाई अभियानों के तहत गलियों और कचरा जमा होने वाली जगहों (जीवीपी) की सफाई की गई। इसके अलावा, सामुदायिक और सार्वजनिक शौचालयों (सीटी और पीटी) में 469 स्वच्छता अभियान चलाए गए। पटना नगर निगम (पीएमसी) ने शहरी सुरक्षा और साफ-सफाई को बेहतर बनाने के लिए 'मेनहॉल एम्बुलेंस' शुरू की, ताकि मेनहॉल की मरम्मत तेजी से और मौके पर ही की जा सके। हर एम्बुलेंस में खासकर बरसात के मौसम में पहले से तैयार मेनहॉल कवर, मरम्मत के औजार और तुरंत कार्रवाई के लिए एक खास टीम होती है। पटना नगर निगम (पीएमसी) ने पुराने और अप्रयुक्त नगर निगम वाहनों को उपयोगी इकाइयों में परिवर्तित किया। प्रति नगर निगम खंड के लिए एक-एक, यानी कुल छह एम्बुलेंस चालू हैं और त्वरित शिकायत निवारण के लिए इन्हें पटना नगर निगम के केंद्रीय नियंत्रण कक्ष (कंट्रोल रूम) से जोड़ा गया है। इस पहल से नागरिकों की शिकायतों का समाधान करना आसान हो गया है और मेनहॉल से जुड़ी शिकायतों पर तेजी से कार्रवाई सुनिश्चित होती है।

नवी मुंबई में एक स्वच्छता रैली का आयोजन किया गया, जिसमें 600 से अधिक छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों और नागरिकों ने भाग लिया। इसके साथ ही, मलेरिया और डेंगू की रोकथाम पर ध्यान केंद्रित करते हुए 26 शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में स्वास्थ्य जागरूकता शिविर आयोजित किए गए। दो दिनों में 52 स्वास्थ्य शिविर लगाए गए, जिनसे 22,690 से अधिक नागरिकों को लाभ मिला। तेलंगाना में, यह अभियान लगभग 13 लाख घरों तक पहुँचा। लगभग 14,210 किलोमीटर लंबे नालों से गाद (सिल्ट) निकाली गई, जबकि सड़कों के किनारे उगी 4,343 किलोमीटर झाड़ियों को हटाया गया। डेंगू और मलेरिया रोधी जागरूकता अभियानों के माध्यम से लगभग 2.5 लाख घरों को कवर किया गया। स्वास्थ्य शिविरों से 8,500 से अधिक अग्रिम पंक्ति के कार्यकताओं को भी लाभ मिला। इस बीच, युवा नागरिकों को कचरे से खाद बनाने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से स्कूलों में 140 कंपोस्टिंग गड्ढे (पीट) स्थापित किए गए।

छत्तीसगढ़ में, यह कहानी स्वयं लोगों से शुरू होती है। पंडरिया में स्वयं सहायता समूह की महिला सदस्यों को स्वच्छता का प्रशिक्षण दिया गया और 'स्वच्छता ऐप' से परिचित कराया गया। इसके बाद उन्होंने स्वच्छता अभियान में भाग लिया। रायपुर में, घर-घर जाकर चलाए गए जागरूकता अभियान के माध्यम से हाथों की स्वच्छता और कचरे को अलग-अलग करने के बारे में जागरूक किया गया, साथ ही कचरा जमा होने वाली संवेदनशील जगहों (जीवीपी) की सफाई की गई और उनका सौंदर्यीकरण किया गया।

स्वच्छ और सुरक्षित मानसून के लिए पूर्वोत्तर हुआ एकजुट

जैसे-जैसे मानसून करीब आता है, पूर्वोत्तर ने बरसात की प्रतीक्षा करने के बजाय उसके लिए खुद को तैयार किया। अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, असम, सिक्किम और त्रिपुरा में आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के नेतृत्व में चलाये जा रहे 'सफाई अपनाओ, बीमारी भगाओ' (एसएबीबी) अभियान के माध्यम से सामूहिक स्वच्छता और बीमारियों की रोकथाम के लिए मानसून की तैयारियों को मजबूत किया गया। नागालैंड में, छह शहरों के शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) ने स्कूली जागरूकता गतिविधियों, नालों की सफाई, स्वास्थ्य शिविरों और सफाई अभियानों का नेतृत्व किया। इन प्रयासों में 60 स्वच्छता अभियानों, 30 वर्षा जल संचयन (रेनवाटर हार्वेस्टिंग) और मानसून समाप्त होने के बाद 40 जागरूकता अभियानों के माध्यम से लगभग 5,000 लोग शामिल हुए। सिक्किम की पहाड़ियों में, इस अभियान का उद्देश्य कचरा जमा होने वाले क्षेत्रों और जल व वेक्टर -जनित बीमारियों के जोखिमों से निपटना था। स्त्रोत पर ही कचरा अलग करने और बेहतर कचरा प्रबंधन के लिए छात्र, अधिकारी और स्वयं सहायता समूह एक साथ आए। जागरूकता रैलियों और प्लास्टिक की बोतल नष्ट करने की पहलों के साथ-साथ 100 सफाई और 100 मानसून के बाद के अभियानों में लगभग 4,000 लोगों ने भाग लिया। असम में, शहरों का ध्यान नालों की सफाई, कचरा हटाने, सफाईमित्र स्वास्थ्य जांच और कचरा अलग करने पर केंद्रित रहा। 160 संगठनों और गैर-सरकारी संगठनों के सहयोग से लगभग 5,500 लोग 200 स्वच्छता और 40 वर्षा जल संचयन गतिविधियों में शामिल हुए।

त्रिपुरा में, शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) ने कचरा संग्रहण, पृथक्करण और सार्वजनिक शौचालयों के रखरखाव को मजबूत किया। स्वास्थ्य शिविरों, स्कूल रैलियों और स्वच्छता पहलों के साथ-साथ 150 स्वच्छता अभियानों और 30 वर्षा जल संचयन अभियानों में लगभग 5,000 लोगों ने भाग लिया। अरुणाचल प्रदेश के 47 अधिसूचित शहरी कस्बों में, कचरा प्रबंधन, जल गुणवत्ता और सार्वजनिक शौचालयों के रखरखाव पर ध्यान केंद्रित किया गया। जल शोधन संयंत्रों का निरीक्षण किया गया, जबकि बड़े पैमाने पर स्वच्छता अभियान कचरे से प्रभावित क्षेत्रों को लक्षित कर रहे थे। ये प्रयास दशार्ते हैं कि स्वच्छता और रोग निवारण को रोजमर्रा की सामुदायिक गतिविधियों में कैसे एकीकृत किया जा सकता है।

गलियों से स्वच्छ और जीवंत आसपड़ोस तक

'बैकलेन' (पीछे की गलियां) का मतलब है किसी इलाके में घरों के पीछे की जगह, जहाँ आम तौर पर पैदल चलने वालों की आवाजाही कम होती है। ऐसी जगहों पर कचरा जमा होने और अनौपचारिक रूप से कचरा फेंकने की समस्या हो सकती है। इसे जानते हुए, मध्य प्रदेश के शहरों ने लोगों की सक्रिय भागीदारी से बैकलेन सफाई अभियानों का आयोजन किया। इन पहलों में अतिक्रमण हटाना और नालियों की सफाई करना शामिल था, ताकि मॉनसून के दौरान बारिश का पानी आसानी से बह सके।

रीवा में, नगर निगम ने सभी वार्डों में सफाई और उन्हें सुंदर बनाने के लिए सिर्फ.पिछली गलियों (बैकलेन्स) में ही नहीं बल्कि सामने की गलियों को स्वच्छ रखने (फ्रंट लेन्स) पर भी काम किया। यहाँ दीवार पर चित्रकारी (म्यूरल और वॉल पेंटिंग) की गई और 3आर (रिड्यूस, रियूज और रीसायकल) के सिद्धांतों का इस्तेमाल करके खेल का सामान और संगीत वाद्ययंत्र बनाए गए। दीवारों पर अंग्रेजी और हिंदी के स्वर-व्यंजन, अक्षर, गिनती और पहाड़े भी लिखे गए हैं। सफाई को सीखने और मनोरंजन से जोड़कर, इस पहल ने सुरक्षित, दिलचस्प और बच्चों के अनुकूल आस-पड़ोस की जगहें बनाने में मदद की है।

आगरा में, आगरा नगर निगम ने शहर भर में नौ बैकलेनों (पीछे की गलियों) की सफलतापूर्वक सफाई की और उनका रखरखाव किया। शहरी शिक्षण इंटर्नशिप कार्यक्रम (ट्यूलिप) के प्रशिक्षुओं ने अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया, जबकि स्थानीय निवासियों ने पड़ोस की सड़कों की सफाई और सौंदर्यीकरण में योगदान दिया। उनकी भागीदारी दशार्ती है कि कैसे सामुदायिक भागीदारी स्वच्छता के स्थानीय लोगों की ज़िम्मेदारी की भावना को मजबूत कर सकती है और साझा सार्वजनिक स्थानों के निरंतर रखरखाव में मदद कर सकती है।

सुरक्षा से अवसर तक

भोपाल की ज्योत्स्ना धाबडे के लिए, संस्थागत ऋण मिलने से उन्हें अपना व्यवसाय शुरू करने का मौका मिला। भोपाल नगर निगम के एक ऋण मेले में, उन्हें 'स्वच्छता उद्यमी योजना' के तहत ऋण मिला, जिससे वह स्वच्छता वाहन खरीदने में सक्षम हुईं। नई दिल्ली में, नई दिल्ली नगर परिषद के सुपरवाइजर राजा ने मशीनीकृत सीवर सफाई के अपने अनुभव को साझा किया।

राजा कहते हैं, ह्लपहले हमें सीवर की सफाई के लिए सीवर के अंदर जाना पड़ता था। लेकिन अब आधुनिक मशीनों के आने से यह काम मशीनों से किया जाता है। साथ ही, गमबूट, मास्क, सेफ्टी ग्लास, हेलमेट और दूसरे सुरक्षा उपकरण मिलने से हम ज्यादा सुरक्षित महसूस करते हैं।ह्व ये अनुभव मिलकर स्वच्छता कार्य को अधिक सुरक्षित, कुशल और सम्मानजनक बनाने के प्रयासों को दशार्ते हैं।

ह्यसफाई मित्र सुरक्षा चुनौती 2021ह्व ने स्वास्थ्य शिक्षा, सुरक्षा उपकरणों के प्रावधान और उपयोग, कार्यकर्ता कल्याण तथा व्यावसायिक जोखिमों में कमी लाने पर ध्यान केंद्रित किया। स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0 के तहत, आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय ने स्वच्छता कार्य के दौरान होने वाली मौतों को पूरी तरह रोकने के लक्ष्य की ओर काम करने के लिए शहरी स्थानीय निकायों द्वारा सुरक्षा उपकरणों को उपलब्ध कराने, प्रशिक्षण और सुरक्षा के प्रति जागरूकता पर जोर दिया है।

इस क्षेत्र में एक अग्रणी के रूप में, चंडीगढ़ ने 2018 से खतरनाक हाथ से सीवर की सफाई को प्रतिबंधित कर दिया है। रेस्पोंसिबल सेनिटेशन अथॉरिटी (आरएसए) के तहत काम करने वाली आपातकालीन कार्रवाई स्वच्छता इकाई (इआरएसयू), व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई), सुरक्षा उपकरण और नियमित चिकित्सा जांच प्रदान करके अधिक सुरक्षित स्वच्छता के तरीकों को बढ़ावा देती है।

असम में, 96 शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) में से 83 ने 2023 में खुद को 'सफाईमित्र सुरक्षित शहर' घोषित किया। राज्य ने 5,230 सफाई कर्मचारियों की पहचान की और 92 स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया। महाराष्ट्र में, पहले चरण के दौरान 246 मास्टर ट्रेनरों को तैयार किया गया, जिसके बाद 1,917 स्वच्छता कर्मियों को प्रशिक्षण दिया गया। उत्तर प्रदेश ने ऋण और आजीविका के अवसरों तक पहुँच को सुगम बनाकर सफाईमित्रों की सहायता की। ये उपाय मिलकर सफाईमित्रों की सुरक्षा, सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा, गरिमा और उद्यमशीलता के अवसरों को मजबूत करने का प्रयास करते हैं, जिससे स्वच्छता कार्य से स्वच्छा-उद्यमिता की ओर मार्ग प्रशस्त होता है।

तैयारी से सामुदायिक कार्रवाई तक

जैसे ही बरसात शुरू होती है, मानसून-पूर्व की गई तैयारियों की वास्तविकता जमीन पर दिखाई देने लगती है। साफ किये गए नालों से बारिश का पानी बिना रुकावट के बह जाता है, साफ सड़क पर कचरा जमा नहीं होता है और समय पर आयोजित स्वास्थ्य शिविर समुदायों को बीमारियों के जोखिम को फैलने से पहले पहचानने और उन्हें नियंत्रित करने में मदद करते हैं। प्रत्येक उपाय के केंद्र में नागरिकों की सक्रिय भागीदारी होती है, जो सार्वजनिक स्वास्थ्य को एक साझा ज़िम्मेदारी बनाती है।

पूर्वोत्तर की पहाड़ियों से लेकर दिल्ली की सड़कों तक और तेलंगाना, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के समुदायों में, यह अभियान विविध और स्थानीय रूपों में सामने आया है। फिर भी इन सभी के मूल में एक ही साझा सत्य निहित है: वास्तविक मानसून पूर्व-तैयारी केवल बरसात से निपटने के बारे में नहीं है, बल्कि एक साथ मिलकर प्रत्येक सड़क, प्रत्येक मोहल्ले और प्रत्येक समुदाय के स्तर पर तैयारी करना

झारखंड की खबरें

उपायुक्त समेत जिला प्रशासन के अधिकारियों ने बापू की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण, जनसेवा का लिया संकल्प

बिभा संवाददाता

गुमला: राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 157वीं जयंती के अवसर पर शुक्रवार को जिला प्रशासन द्वारा श्रद्धापूर्वक माल्यार्पण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान उपायुक्त दिलेश्वर महतो के नेतृत्व में जिले के वरीय प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों ने इनडोर स्टेडियम तथा समाहरणालय परिसर स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर उपायुक्त दिलेश्वर महतो ने कहा कि महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा, स्वच्छता और निस्वार्थ जनसेवा के सिद्धांत आज भी प्रशासनिक कार्यशैली और समाज के लिए अत्यंत प्रासंगिक हैं। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मियों का आह्वान करते हुए कहा कि बापू के आदर्शों को आत्मसात कर पूरी निष्ठा, पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। गांधी जी का जीवन दर्शन हमें समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने की प्रेरणा देता है।

सर्वप्रथम इनडोर स्टेडियम परिसर में माल्यार्पण के उपरांत उपायुक्त सहित सभी अधिकारियों ने समाहरणालय परिसर स्थित बापू की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपायुक्त के साथ उप विकास आयुक्त अनिमेश रंजन, अपर समाहर्ता राजीव नीरज, सदर अनुमंडल पदाधिकारी अखिलेश कुमार, डीएसपी मुख्यालय, डीसीएलआर राजीव कुमार, जिला नजारत उप समाहर्ता ललन कुमार रजक, जिला परिवहन पदाधिकारी सतेंद्र महतो, अंचल अधिकारी गुमला हरीश कुमार सहित समाहरणालय संवर्ग के अन्य पदाधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने बापू के नैतिक मूल्यों एवं सिद्धांतों को अपने कार्य-व्यवहार में पूर्णतः लागू करने का संकल्प लिया।

उपायुक्त ने बापू को दी श्रद्धांजलि

रांची। रांची के जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त रांची मंजूनाथ भजन्त्री ने गांधी जयंती के अवसर पर शुक्रवार को मोरहाबादी स्थित बापू वाटिका पहुंचकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पव अर्पित करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उन्होंने गांधीजी के बताए गए मार्ग उनके आदर्शों को याद किया। इस अवसर पर मुख्यध रूप से वरीय पुलिस अधीक्षक रांची राकेश रंजन, पुलिस अधीक्षक यातायात राकेश सिंह, पुलिस अधीक्षक नगर पारस राणा, अनुमंडल पदाधिकारी सदर कुमार रजत, प्रशिक्षु आईएएस आस्था शरण, अपर जिला दंडाधिकारी रांची धनंजय, उपसमाहर्ता नजरत सुदेश कुमार, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी उर्वशी पांडे, पुलिस उपाधीक्षक सदर वी रमन सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

हुंडरू तालाब में नहाने के दौरान डूबा व्यक्ति, एनडीआरएफ ने बरामद किया शव

राँची। एयरपोर्ट थाना क्षेत्र के हुंडरू तालाब में शुक्रवार दोपहर नहाने के दौरान पलटू लोहरा गहरे पानी में डूब गया। घटना के बाद तालाब के पास अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों और गोताखोरों ने उसकी तलाश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर एयरपोर्ट थाना पुलिस और एनडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची। करीब एक घंटे तक चले सर्च ऑपरेशन के बाद एनडीआरएफ के जवानों ने तालाब से पलटू लोहरा का शव बरामद कर लिया। बताया गया कि पलटू एयरपोर्ट के पीछे स्थित बस्ती में रहता था। घटना की जानकारी मिलने पर अरगोड़ा अंचल के सीओ और एयरपोर्ट थाना प्रभारी पंकज कुमार शर्मा भी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया है। घटना के बाद मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

आईसीएआर-निसा में 'स्वच्छ भारत दिवस' का आयोजन: वेस्ट-टू-आर्ट प्रतियोगिता हुई, सफाई मित्र किए गए सम्मानित

बिभा संवाददाता

राँची: नामकुम स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषदझ्राष्ट्रीय कृषि उच्चतर प्रसंस्करण संस्थान (आईसीएआर-निसा) में 'स्वच्छता ही सेवा अभियान-2026' के तहत स्वच्छ भारत दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्वच्छता, स्वस्थ कार्यस्थल और वैज्ञानिक अपशिष्ट प्रबंधन के प्रति कार्मिकों में जागरूकता बढ़ाना रहा। समारोह में संस्थान के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस अवसर पर अपशिष्ट पदार्थों के पुनर्चक्रण को बढ़ावा देने के लिए विशेष 'वेस्ट-टू-आर्ट' प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतिभागियों ने कबाड़ और अनुपयोगी सामग्रियों का रचनात्मक उपयोग करते हुए आकर्षक एवं उपयोगी कलाकृतियां तैयार कीं। प्रतियोगिता के उत्कृष्ट विजेताओं को पुरस्कृत कर प्रोत्साहित किया गया। इसके साथ ही, संस्थान परिसर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने में समर्पित योगदान देने वाले सफाई मित्रों को भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

संस्थान के निदेशक डॉ. अभिजीत कर ने कार्मिकों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वच्छता को किसी विशेष अभियान तक सीमित रखने के बजाय अपनी दैनिक दिनचर्या और कार्यसंस्कृति का अभिन्न अंग बनाना आवश्यक है। उन्होंने सभी से परिसर को स्वच्छ और प्रदूषणमुक्त रखने तथा कचरा प्रबंधन में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की। कार्यक्रम के जरिए अपशिष्ट के जिम्मेदार निस्तारण और सामूहिक सहभागिता की महत्ता को रेखांकित करते हुए सभी को स्वच्छता का संकल्प दिलाया गया।

सिल्ली में 3 एवं 4 अक्टूबर को होगी 22वीं झारखण्ड राज्य जूनियर वुशु प्रतियोगिता

बिभा संवाददाता

रांची/सिल्ली: झारखण्ड वुशु एसोसिएशन के तत्वावधान में 22वीं झारखण्ड राज्य जूनियर वुशु प्रतियोगिता का आयोजन आगामी 3 एवं 4 अक्टूबर 2026 को सिल्ली स्थित प्रेम वाटिका बैंक्वेट हॉल में किया जाएगा। प्रतियोगिता में झारखण्ड के विभिन्न 15 जिलों से लगभग 350 खिलाड़ी एवं तकनीकी पदाधिकारी/अधिकारी भाग लेंगे।

प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों एवं टीम अधिकारियों के आवासन की व्यवस्था की गई है। बालिका खिलाड़ियों के लिए अरुणिमा स्कूल तथा बालक खिलाड़ियों के लिए धर्मशाला में आवासन की व्यवस्था रहेगी।

प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए आयोजन समिति का गठन कर दिया गया है तथा सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। यह जानकारी आयोजन समिति के मुख्य समन्वयक एस. वाहिद अली ने दी। उन्होंने बताया कि खिलाड़ियों, अधिकारियों के आवासन, भोजन, प्रतियोगिता स्थल, उपकरण, परिवहन एवं अन्य व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दे दिया गया है। झारखण्ड वुशु एसोसिएशन के महासचिव शैलेन्द्र दुबे ने बताया कि प्रतियोगिता के विभिन्न इवेंट 3 अक्टूबर को प्रातः 10 बजे से प्रारम्भ हो जाएंगे। प्रतियोगिता का औपचारिक उद्घाटन अपराह्न 4:00 बजे होगा। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि झारखण्ड के पूर्व उपमुख्यमंत्री श्री सुदेश कुमार महतो होंगे। इस अवसर पर झारखण्ड वुशु एसोसिएशन के पदाधिकारी, तकनीकी अधिकारी एवं अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहेंगे।

उन्होंने बताया कि दो दिवसीय प्रतियोगिता में खिलाड़ियों को ताउलू एवं सांदा सहित विभिन्न वुशु स्पधाओं में अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। प्रतियोगिता के प्रदर्शन के आधार पर चयनित खिलाड़ी 28 अक्टूबर 2026 से चेन्नई में आयोजित होने वाली जूनियर राष्ट्रीय वुशु प्रतियोगिता में झारखण्ड का प्रतिनिधित्व करेंगे। झारखण्ड वुशु एसोसिएशन ने सभी प्रतिभागी जिलों, खिलाड़ियों एवं अधिकारियों से समय पर प्रतियोगिता स्थल पर पहुंचकर प्रतियोगिता को सफल बनाने में सहयोग करने का आग्रह किया है।

ट्रेलर के पीछे जा घुसी ईको कार, चालक की मौत

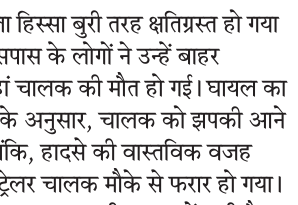

रॉची। बेड़ो थाना क्षेत्र के जरिया स्थित नायरा पेट्रोल पंप के पास शुक्रवार सुबह तेज रफ्तार ईको कार आगे चल रहे ट्रेलर के पिछले हिस्से में जा घुसी। हादसे में कार चालक की मौत हो गई, जबकि कार सवार एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और दोनों लोग अंदर फंस गए। आसपास के लोगों ने उन्हें बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया, जहां चालक की मौत हो गई। घायल का इलाज जारी है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, चालक को झपकी आने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, हादसे की वास्तविक वजह अभी स्पष्ट नहीं है। दुर्घटना के बाद ट्रेलर चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस मामले की जांच करते हुए फरार चालक की तलाश में जुटी है।

तिहाड़ जेल में गैंगस्टरों का हंगामा, बाली और ढिल्लू ने अधिकारियों से की हाथापाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की तिहाड़ जेल के उच्च सुरक्षा वार्ड में बंद कुख्यात गैंगस्टर नवीन बाली और संदीप उर्फ ढिल्लू ने जेल प्रशासन के खिलाफ बड़ा हंगामा किया है। सितंबर के आखिरी हफ्ते में हुई घटना के दौरान दोनों कैदियों ने न केवल जेल अधिकारियों के साथ हाथापाई की, बल्कि उन्हें जान से मारने की गंभीर धमकियां भी दीं। इस हाई-प्रोफाइल घटना से जेल परिसर में अफरा-तफरा मच गई। घटना की शुरुआत तब हुई जब ढिल्लू ई-मुलाकात के जरिए अपने परिवार के सदस्यों से बात कर रहा था। बातचीत के दौरान वह अचानक अत्यधिक आक्रामक हो गया और जेल कर्मचारियों को गालियां देने लगा। विरोध करने पर उसने कर्मचारियों पर हमला करने का प्रयास किया और दहशत का माहौल पैदा किया। स्थिति तब और बिगड़ गई जब उसने अपना सिर दरवाजों, दीवारों और एक कूलर पर पटक-पटककर खुद को घायल करने की कोशिश की। जेल कर्मियों को अंदेशा हुआ कि ढिल्लू नशे की हालत में है, जिसके बाद उसका यूरिन टेस्ट कराया गया। कर्मचारियों ने तुरंत सूझबूझ दिखाकर हस्तक्षेप किया और उसकी सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए परिवार से बातचीत पूरी करवाई। बातचीत खत्म होने के बाद जब उसे अपने ब्लॉक में लौटने के निर्देश दिए गए, तो उसने और उसके साथी नवीन बाली ने मिलकर वार्ड अधिकारियों व जेल अधीक्षकों को गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। दोनों गैंगस्टरों की इस हरकत को जेल प्रशासन ने सुरक्षा के लिहाज से बेहद गंभीर माना है। अधिकारियों ने कैदियों के इस अनुशासनहीन, आक्रामक आचरण और खुद को चोट पहुंचाने की कोशिश के पीछे की पूरी परिस्थितियों की उच्चस्तरीय जांच शुरू कर दी है। जेल के भीतर सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक कड़ा कर दिया गया है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

भुवनेश्वर बम विस्फोट मामले में एनआईए ने दाखिल की चार्जशीट, दो आरोपी नामजद

भुवनेश्वर (एजेंसी)। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने जनवरी में भुवनेश्वर के सुंदरपाड़ा इलाके में हुए बम विस्फोट मामले में दो आरोपियों के खिलाफ विशेष अदालत में आरोपपत्र दाखिल किया है। एजेंसी ने बताया कि दोनों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत आरोप लगाए हैं। इस विस्फोट में 2 लोगों की मौत हुई थी और एक इमारत को नुकसान पहुंचा था। एनआईए के अनुसार, घटना 27 जनवरी को न्यू आजादनगर में हुई थी। दोपहर करीब 2:45 बजे चार लोग कथित तौर पर विस्फोटक तैयार कर रहे थे, तभी अचानक धमाका हो गया। घटना में चारों घायल हुए थे, जिसमें से बाद में दो की मौत हो गई। मृतकों की पहचान सहनवाज मलिक और उसकी मां लिजातुन बीबी के रूप में हुई है। मलिक की चार फरवरी और उसकी मां की 10 फरवरी को मौत हुई थी। आरोपपत्र में सानू उर्फ रोहन रंजन राउत और अमिया रंजन मल्लिक को आरोपी बनाया गया है। जांच एजेंसी का आरोप है कि आरोपी अवैध तरीके से विस्फोटक सामग्री हासिल करने की साजिश में शामिल थे और बम तैयार करने के दौरान विस्फोट हुआ। एनआईए ने चार अप्रैल को मामले की जांच अपने हाथ में लेकर प्राथमिकी दोबारा दर्ज की थी। राउत को 18 जुलाई को गिरफ्तार किया गया, जबकि अमिया रंजन मल्लिक को उड़ीसा उच्च न्यायालय से गिरफ्तारी पर अंतरिम संरक्षण मिला था। एजेंसी ने जांच के दौरान सामने आए तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर दोनों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है।

बीजेपी नेता की हत्या की खौफनाक साजिश, पत्नी सहित 6 गिरफ्तार

हैदराबाद (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश पुलिस ने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के लोकल नेता की हत्या की एक खौफनाक साजिश का खुलासा किया है। इस सनसनीखेज मामले में नेता की पत्नी सहित कुल छह लोगों को गिरफ्तार किया है, जिन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। यह खुलासा तब हुआ जब पुलिस नेता की जली हुई बाइक की जांच कर रही थी। मामले की शुरुआत 13 सितंबर को हुई, जब बीजेपी मंडल अध्यक्ष मुनिराजू की बाइक को अज्ञात लोगों ने आग लगा दी। मुनिराजू की शिकायत के बाद पुलिस ने पहले इस संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का सामान्य मामला माना। शुरुआती जांच में राजनीतिक विवाद या विनायक चतुर्थी के फ्लेक्स विवाद जैसे कोणों पर जांच की गई। हालांकि, कोई ठोस सबूत न मिलने पर जांचकर्ताओं ने दिशा बदलते हुए इलाके के सीसीटीवी फुटेज और मोबाइल डेटा/लोकेशन खंगालना शुरू किया। तकनीकी जांच के आधार पर पुलिस ने बाइक जलाने में शामिल पांच संदिग्धों साई, उदय किरण, लीला कृष्णा, पृथ्वीराज और हरीश की पहचान कर उन्हें हिरासत में लिया। सख्ती से पूछताछ करने पर आरोपियों ने कबूल किया कि यह केवल बाइक जलाने का मामला नहीं, बल्कि मुनिराजू की हत्या की एक बड़ी साजिश का हिस्सा था। चौंकाने वाले खुलासे में, बीजेपी नेता मुनिराजू की पत्नी प्रशांती को पूरी साजिश का मुख्य सूत्रधार पाया गया। पुलिस जांच में सामने आया कि प्रशांती अपने पति को रास्ते से हटाने के लिए लगातार प्रयास कर रही थी। सोशल मीडिया चैट और डिजिटल फॉरेंसिक रिकॉर्ड से पुष्टि हुई कि प्रशांती मुख्य आरोपी साई के साथ लगातार संपर्क में थी। वह साई के साथ अपने पति की हर छोटी-बड़ी जानकारी और मूवमेंट साझा करती थी और उनकी हत्या के लिए कई बार योजनाएं बनाई गई थीं।

वन नेशन-वन इलेक्शन पर कपिल सिब्बल के गंभीर सवाल

– संसदीय समिति के सुप्रीम कोर्ट से प्रस्तावित संवाद को बताया असंवैधानिक

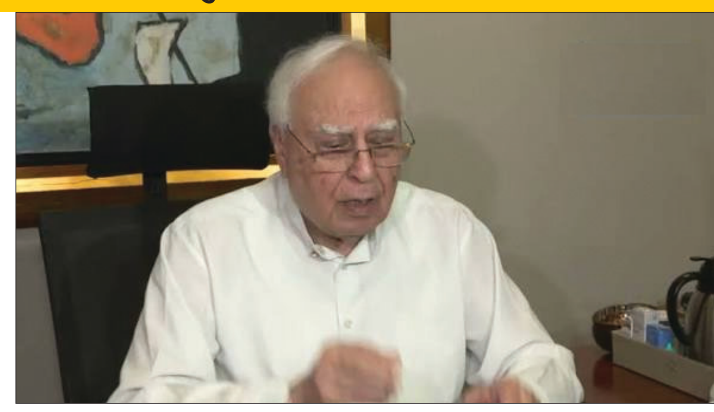

नई दिल्ली , एजेंसी।
'वन नेशन, वन इलेक्शन' को लेकर वरिष्ठ अधिवक्ता एवं राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने केंद्र सरकार और संयुक्त संसदीय समिति पर गंभीर संवैधानिक सवाल उठाए हैं। सिब्बल ने प्रस्तावित उस कार्यक्रम पर आपत्ति जताई, जिसमें वन नेशन-वन इलेक्शन से जुड़े विधेयकों पर संसदीय समिति की सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश और अन्य न्यायाधीशों के साथ अनौपचारिक चर्चा प्रस्तावित थी।

सिब्बल का कहना है कि संसद कानून बनाती है और कानून की संवैधानिक वैधता पर फैसला न्यायपालिका करती है। ऐसे में किसी प्रस्तावित कानून को संसद में अंतिम रूप दिए जाने से पहले उसी सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों के सामने उसकी व्याख्या या चर्चा करना, भविष्य में शक्तियों के पृथक्करण के सिद्धांत पर गंभीर सवाल खड़े कर सकता है। उन्होंने इसे भारतीय संवैधानिक इतिहास में असाधारण कदम बताते हुए कहा कि ऐसा उदाहरण उन्होंने पहले कभी नहीं देखा।

उनका तर्क है कि 'वन नेशन, वन इलेक्शन' से जुड़े संविधान संशोधन भविष्य में न्यायिक चुनौती का विषय बन सकते हैं। ऐसी स्थिति में यदि संबंधित न्यायाधीश पहले ही विधेयक पर अनौपचारिक चर्चा कर चुके हों तो न्यायिक निष्पक्षता को लेकर सवाल उठ सकते हैं। सिब्बल ने इसे संविधान की मूल भावना और न्यायपालिका की स्वतंत्रता से जोड़ते हुए कड़ी आपत्ति दर्ज की।

विवाद बढ़ने के बाद सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों ने संसदीय समिति के साथ प्रस्तावित बातचीत से दूरी बना ली। रिपोर्टों के अनुसार न्यायपालिका ने संकेत दिया कि विधेयक भविष्य में न्यायिक समीक्षा के दायरे में आ सकता है, इसलिए ऐसी बातचीत उचित नहीं होगी। इसके बाद समिति का 6 अक्टूबर का प्रस्तावित सुप्रीम कोर्ट दौरा भी स्थगित/रद्द कर दिया गया।

'वन नेशन, वन इलेक्शन' के प्रस्ताव का उद्देश्य लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनावों को एक साथ कराना है। इसके लिए संविधान में महत्वपूर्ण संशोधन प्रस्तावित हैं, जिन पर संसद में व्यापक राजनीतिक और संवैधानिक बहस जारी है।

राम मंदिर के सभी कर्मचारियों का पुलिस सत्यापन और चरित्र प्रमाणपत्र अनिवार्य

अयोध्या (एजेंसी)। राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने अयोध्या स्थित राम मंदिर में कार्यरत सभी कर्मचारियों के पुलिस सत्यापन और चरित्र प्रमाणपत्र को अनिवार्य किया है। मंदिर कमेटी से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, कर्मचारियों को अपने परिवार के सदस्यों और रिश्तेदारों सहित अन्य जरूरी व्यक्तिगत जानकारी भी मंदिर प्रशासन को उपलब्ध करानी होगी। इस प्रक्रिया का उद्देश्य मंदिर की सुरक्षा और प्रशासनिक व्यवस्था को और मजबूत करना है। मंदिर प्रशासन से जुड़े सूत्रों के अनुसार, कर्मचारियों के पुलिस सत्यापन के साथ पुलिस की ओर से जारी चरित्र प्रमाणपत्र भी प्रक्रिया का अनिवार्य हिस्सा है। इसके अलावा कर्मचारियों से उनके पारिवारिक और अन्य संबंधित विवरण लिए जाएंगे। यह अभियान पिछले महीने पदभार संभालने वाले नवनियुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सेवानिवृत्त एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा के नेतृत्व में चलाया जा रहा है। मंदिर में जून में चढ़ावे की कथित चोरी की घटना सामने आने के बाद सुरक्षा व्यवस्था को और कड़ा किया है। इस मामले में पुलिस ने आठ लोगों को गिरफ्तार किया था और सभी आरोपी फिलहाल जेल में हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, मामले में पिछले सप्ताह करीब 70 हजार पन्नों का आरोपपत्र भी दाखिल किया गया। ट्रस्ट के सदस्य दिनेंद्र दास ने कहा कि ट्रस्ट की ओर से लिए जाने वाले निर्णय मंदिर से जुड़े सभी लोगों को स्वीकार्य होंगे। उन्होंने कहा कि मंदिर में पूजा-पाठ सुचारू रूप से चल रहा है और श्रद्धालुओं की संख्या भी लगातार बनी हुई है। दिनेंद्र दास के मुताबिक, मंदिर में दान की व्यवस्था भी ठीक तरीके से संचालित हो रही है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन और आरती के लिए अयोध्या पहुंच रहे हैं। ट्रस्ट के नए सत्यापन अभियान के तहत मंदिर परिसर से जुड़े कर्मचारियों की पृष्ठभूमि और व्यक्तिगत विवरणों की जांच की

सीएम विजय बने कंडेक्टर, यात्रा कर रही महिला के खुद काटे मुफ्त टिकट

चेन्नई , एजेंसी।
तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय ने राज्य भर में महिलाओं और ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए मुफ्त बस यात्रा का विस्तार कर वेट्री पयनम तोट्टम योजना के नए चरण का शुभारंभ किया। गांधी जयंती के मौके पर चेन्नई में योजना की शुरुआत करते हुए मुख्यमंत्री विजय ने खुद बस से यात्रा की और यात्रियों के लिए मुफ्त टिकट भी काटे। इस दौरान बस में सफर कर रहे कॉलेज छात्रों ने मुख्यमंत्री के साथ डेयरी मिल्क चॉकलेट साझा की, जिससे एक सुखद माहौल बन गया।

इस विस्तार के तहत, अब महिलाएं और ट्रांसजेंडर समुदाय राज्य परिवहन निगमों (एसटीसी) द्वारा संचालित 12,695 बसों में मुफ्त यात्रा कर सकती है। इसमें एक्सप्रेस, डीलक्स और चुनिंदा पहाड़ी क्षेत्रों की सेवाएं भी शामिल की गई हैं, जो पहले केवल कुछ सीमित श्रेणी की साधारण बसों तक ही सीमित थीं। राज्य सरकार के अनुसार, इस योजना से प्रतिदिन करीब 84.32 लाख महिलाओं को लाभ मिलने की उम्मीद है। इस सुविधा के लिए कोई आय सीमा तय नहीं की गई है और एक दिन में यात्राओं की संख्या पर भी कोई प्रतिबंध नहीं है। वेट्री पयनम नाम सत्ताधारी दल तमिलगा वेट्री कषगम (टीवीके) से प्रेरित है, जिसका अर्थ विजयी यात्रा है।

राज्य के परिवहन मंत्री ए.विजय तमिलन पार्थिबन ने इस पहल का मुख्य उद्देश्य बताया कि यह सुनिश्चित करना है कि परिवहन लागत महिलाओं और ट्रांसजेंडरों की शिक्षा, रोजगार, आजीविका और आर्थिक सशक्तिकरण के रास्ते में बाधा न बने। उन्होंने जोर दिया कि यह कदम समानता को बढ़ावा देने और यह सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है कि यात्रा के अधिकारों में कोई भेदभाव न हो।

महानदी जल विवाद: ओडिशा और छत्तीसगढ़ समाधान की दहलीज पर

मुख्यमंत्री माझी आशान्वित

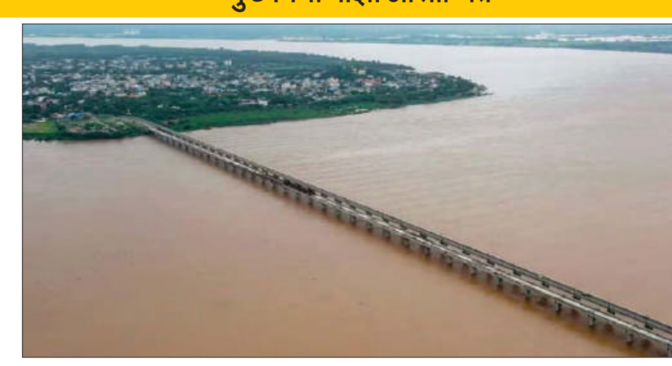

भुवनेश्वर, एजेंसी।
ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने कहा कि उनका राज्य पड़ोसी छत्तीसगढ़ के साथ लंबे समय से चल रहे महानदी जल बंटवारे के विवाद को सुलझाने के करीब है। उन्होंने उम्मीद जाहिर की कि यह समाधान अन्य राज्यों के लिए विवाद समाधान का एक मॉडल साबित होगा। सीएम माझी ने यह बात नई दिल्ली में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई बैठक के बाद कही, जिसमें छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल भी मौजूद थे। बैठक को अत्यंत सकारात्मक और सौहार्दपूर्ण बताकर मुख्यमंत्री माझी ने उम्मीद जाहिर की कि जल्द ही एक अंतिम रूपरेखा की घोषणा होगी। उन्होंने खुलासा किया कि दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने विवाद के समाधान के लिए केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) द्वारा लिए जाने वाले किसी भी फैसले का पालन करने पर सहमति व्यक्त की है। माझी ने विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में डबल इंजन सरकारें न केवल देश और राज्यों के विकास को गति दे रही हैं, बल्कि अंतरराज्यीय विवादों के समाधान का मार्ग भी प्रशस्त कर रही हैं। महानदी को ओडिशा की जीवनरेखा बताकर मुख्यमंत्री ने सिंचाई, बाढ़ नियंत्रण, जलविद्युत उत्पादन, पेयजल आपूर्ति और पर्यावरणीय चिंताओं सहित कई महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए और ओडिशा के लिए पर्याप्त जल सुनिश्चित करने की वकालत की। उन्होंने दावा किया कि 2024 में ओडिशा और 2023 में छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी के सत्ता में आने के बाद महानदी विवाद के समाधान की प्रक्रिया तेज हुई है, जिससे कानूनी कार्यवाही के साथ-साथ प्रशासनिक और राजनीतिक समाधान के रास्ते भी खुले हैं। इस संबंध में, उन्होंने दोनों मुख्यमंत्रियों के बीच हुई पिछली चर्चाओं और विभिन्न स्तरों पर आयोजित कई बैठकों का भी उल्लेख किया।

इस बीच, राजधानी भुवनेश्वर में विपक्षी पार्टी बीजू जनता दल (बीजद) ने दिल्ली में हुई बैठक में लिए गए फैसलों को सार्वजनिक करने की मांग की। बीजद विधायक अरुण कुमार साहू ने बैठक को महज दिखावा करार दिया और टिप्पणी की कि केंद्र, ओडिशा और छत्तीसगढ़ में ट्रिपल इंजन सरकार होने के बावजूद ढाई साल बाद भी विवाद वहीं का वहीं है।

घुसपैठ नाकाम : बीएसएफ ने 2 पाकिस्तानी घुसपैठियों को मार गिराया

तरनतारन (एजेंसी)। पंजाब के तरनतारन सेक्टर में शुक्रवार देर रात सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को बड़ी कामयाबी मिली, जब बीएसएफ जवानों ने भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर घुसपैठ की कोशिश कर रहे दो पाकिस्तानी नागरिकों को मार गिराया। यह घटना तरनतारन सेक्टर के राजोके गांव के पास स्थित सीमा चौकी (बीओपी) के इलाके में हुई, जहां सुरक्षाबलों ने पाकिस्तान की ओर से बड़ी घुसपैठ को नाकाम किया। जानकारी के अनुसार, पाकिस्तान के चट्टनवाले इलाके से करीब तीन लोग भारतीय सीमा की तरफ बढ़ने की कोशिश कर रहे थे। भारतीय इलाके में घुसपैठ करते हुए उन्हें सीमा सुरक्षा में तैनात बीएसएफ के जवानों ने देख लिया। जवानों ने तुरंत उन्हें चेतावनी देकर रुकने का आदेश दिया। हालांकि, घुसपैठियों ने चेतावनी को नजरअंदाज कर भारतीय क्षेत्र में आगे बढ़ना जारी रखा। इसके बाद, स्थिति की गंभीरता को देखकर बीएसएफ जवानों ने बिना देर किए फायरिंग शुरू की। इस जवाबी कार्रवाई में दो घुसपैठिए मौके पर ही मारे गए। वहीं, एक अन्य घुसपैठिया फायरिंग के दौरान वापस पाकिस्तान की तरफ भागने में कामयाब रहा। बीएसएफ की त्वरित और निर्णायक कार्रवाई को अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सुरक्षा बनाए रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है। सुरक्षाबल लगातार क्षेत्र में तलाशी अभियान चला रहे हैं ताकि किसी भी अन्य संभावित खतरे का पता लगाया जा सके।

दीदी के खाते में पैसे डालते थे मंत्री, उसे रॉयल्टी बोलते थे

दुर्गा पूजा कथित घोटाले में ईडी का बड़ा दावा

कोलकाता, एजेंसी।
पश्चिम बंगाल में दुर्गा पूजा से जुड़े एक कथित घोटाले की जांच कर रहा प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एक बड़ा दावा किया है। जांच एजेंसी का कहना है कि पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खाते में रॉयल्टी के तौर पर रकम डाली गई थी। यह मामला राज्य के पूर्व मंत्री इंद्रनील सेन से जुड़ा है, जिन पर 85 करोड़ रुपये के टेंडर अपने करीबियों को दिलाने और रकम के हेरफेर का आरोप है। ईडी ने हाल ही में इंद्रनील सेन के ठिकानों पर छापेमारी की थी और बाद में उन्हें पूछताछ के लिए भी बुलाया था।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ईडी का दावा है कि मंत्री रहते हुए इंद्रनील सेन ने 85 करोड़ रुपये के टेंडर अपने करीबी ध्रुवज्योति बसु और दीपेश रॉय को दिलाए थे। आरोप है कि बाद में यह रकम सेन के कई रिश्तेदारों की कंपनियों में भेजी गई। ईडी ने यह भी कहा है कि मंत्री रहने के दौरान सेन की अपनी कंपनी में 3.8 करोड़ रुपये जमा किए गए थे। जांच एजेंसी का दावा है कि इंद्रनील सेन की कंपनी ऑक्टेव रिकॉर्ड्स के बैंक खाते से लगभग 30 लाख रुपये बैंकिंग माध्यम के जरिए तत्कालीन मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को हस्तांतरित किए गए थे। इंद्रनील सेन ने इस राशि को रॉयल्टी के रूप में भुगतान किए जाने का दावा किया है। हालांकि, प्रवर्तन निदेशालय ने अपनी प्रेस विज्ञप्ति में इस विशेष लेनदेन को लेकर किसी आपराधिक कृत्य का आरोप नहीं लगाया है। इस केस के केंद्र में मासआर्ट सोसाइटी भी है, जिसकी शुरुआत सेन की पत्नी मधुचंदा ने कुछ अन्य लोगों के साथ मिलकर की थी। आरोप हैं कि साल 2022 से 2025 तक, तीन सालों के दौरान दुर्गा पूजा के नाम पर लोगों से वसूली की गई। इसके लिए सोसाइटी को यूनेस्को से जुड़ा और अधिकृत पार्टनर के तौर पर पेश किया गया था। जांच एजेंसी ने बताया कि मासआर्ट के जरिए कोलकाता के 24 दुर्गा पूजा पंडालों में आयोजित प्रीव्यू शो के लिए आम लोगों को 1,749 रुपये से 5,499 रुपये तक के टिकट बेचे गए। आरोप है कि इस दौरान यूनेस्को के नाम का गलत इस्तेमाल किया गया और अनाधिकृत रूप से अपने सोसाइटी के साथ नाम जोड़ा गया। इस मामले में पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का नाम पहली बार सामने आया है। हालांकि, उनके खिलाफ किसी आपराधिक मामले में सीधे तौर पर जांच या मामला दर्ज होने की बात नहीं कही गई है, बल्कि उनका नाम महज एक लेनदेन के संदर्भ में आया है। सितंबर के अंत में ईडी ने सेन से जुड़े कई ठिकानों पर दबिश दी थी, जिसकी जांच 15 घंटे से अधिक समय तक चली। इसके बाद सेन को पूछताछ के लिए भी बुलाया गया था। वहीं, ममता गुट ने इन जांचों को पक्षपातपूर्ण बताते हुए आरोप लगाया है कि 98 फीसदी मामले विपक्षी नेताओं के खिलाफ दर्ज किए गए हैं।

झारखंड के चाईबासा में खेत में मृत मिली हथिनी, दोनों दांत काट ले गए तस्कर

चाईबासा, एजेंसी।
झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले के भनगांव के दीपसाई टोला में एक हथिनी मृत मिली। हथिनी के दोनों दांत गायब हैं। आशंका व्यक्त की जा रही है कि हथिनी की मौत के पीछे हाथी दांत के तस्करों की साजिश हो सकती है। हालांकि, हथिनी की मौत का वास्तविक कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्रामीणों ने खेत में हथिनी को मृत अवस्था में देखा और इसकी सूचना वन विभाग को दी। करीब 9 बजे वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने आसपास के क्षेत्र से साक्ष्य जुटाए हैं। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सटीक कारण का पता चल सकेगा। विभाग प्राकृतिक मौत, शिकार या किसी अन्य कारण से मौत की संभावना को ध्यान में रखकर जांच कर रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और घटनास्थल से मिले साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। जगन्नाथपुर और आसपास के वन क्षेत्रों में बीते एक वर्ष के दौरान करीब 7 हाथियों की मौत की घटनाएं सामने आ चुकी हैं।

जगन्नाथपुर और आसपास के इलाकों में हाथियों के झुंड लगातार विचरण करते हैं और कई बार गांवों तथा रिहाइशी इलाकों में पहुंच जाते हैं। इससे फसलों और घरों को नुकसान के साथ मानव-हाथी संघर्ष की स्थिति भी बनती रही है। ग्रामीणों का कहना है कि हाथियों की लगातार आवाजाही के बीच उनकी सुरक्षा और वन्यजीवों की सुरक्षा दोनों बड़ी चुनौती बन गई हैं। झारखंड के विभिन्न वन क्षेत्रों में पिछले एक वर्ष के दौरान हाथियों की मौत के कई मामले सामने आए हैं। सितंबर में लातेहार में एक हाथी की मौत अवैध रूप से लगाए गए बिजली के तार की चपेट में आने से हुई थी। मई में गिरिडीह के धोबरी वन क्षेत्र में एक कम उम्र के हाथी की झाड़ियों और लताओं में फंसने के बाद भूख-प्यास से मौत हुई थी।

पश्चिमी सिंहभूम के टोंटो क्षेत्र में जनवरी में एक हाथी की मौत दूसरे हाथी के साथ संघर्ष में लगी चोटों के कारण हुई थी। नवंबर 2025 में चाईबासा वन प्रभाग के अलग-अलग जंगलों में दो सप्ताह के भीतर तीन नर हाथियों के शव बरामद हुए थे। सारंडा के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में पूर्व में आईईडी विस्फोट की चपेट में आने से हाथियों की मौत की घटनाएं भी सामने आती रही हैं।

कॉकरोच के प्रदर्शन पर सीएम फडणवीस का हमला: फेक नैरेटिव का पर्दाफाश हो चुका है

मुंबई , एजेंसी।
मुंबई में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) द्वारा मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ किए प्रदर्शन पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने प्रदर्शन को फेक नैरेटिव फैलाने का विफल प्रयास बताकर स्पष्ट किया कि इसका पर्दाफाश हो चुका है। सीएम फडणवीस ने कहा कि तीनों चुनाव आयुक्तों की प्रेसवार्ता के बाद ही यह फेक नैरेटिव उजागर हो चुका है और इस आगे बढ़ाने के प्रयास सफल नहीं होगा। सीईसी कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर सीजेपी के विरोध-प्रदर्शन के मद्देनजर मुंबई के शिवाजी पार्क के आसपास शुक्रवार को बड़ी संख्या में सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए थे। पुलिस द्वारा प्रदर्शन की इजाजत न दिए जाने के बावजूद, सीजेपी ने इसके आयोजन का आह्वान किया था। पुलिस और अन्य एजेंसियां मध्य मुंबई में दादर स्टेशन और शिवाजी पार्क के आसपास मुस्तैद रहीं, और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए रणनीतिक स्थानों पर सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया था। शिवाजी पार्क की ओर जाने वाले प्रमुख रास्तों पर बैरिकेड लगाए गए थे। इस बीच, इलाके के निवासियों ने अपने आवासीय क्षेत्र में इस तरह के प्रदर्शनों के आयोजन का कड़ा विरोध किया। उन्होंने कहा कि इससे उनके इलाके की शांति और रोजमर्रा की जिंदगी प्रभावित हो रही है। सीजेपी के संयोजक अभिजीत दीपके ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश को देशद्रोही करार देकर उनके तत्काल इस्तीफे और उनके खिलाफ आपराधिक मुकदमा चलाने की मांग दोहराई। उन्होंने आगाह किया कि अगर उनकी मांगें नहीं मानी गईं, तब देशभर में विरोध प्रदर्शन शुरू किए जाएंगे, जिसकी शुरुआत अक्टूबर के अंत से दिल्ली के जंतर-मंतर पर होगी। दीपके ने स्पष्ट किया कि सीजेपी 6 अक्टूबर को निर्वाचन आयोग के खिलाफ विपक्ष के प्रदर्शन में शामिल नहीं होगी, बल्कि यह उनका एक स्वतंत्र आंदोलन रहेगा। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर उन्होंने उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि भी अर्पित की।

मुंबई पुलिस की ओर से प्रदर्शन की इजाजत न मिलने पर दीपके ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर पलटवार किया। दीपके ने सवाल किया कि अगर फडणवीस शिवाजी पार्क में राजनीतिक रैली कर सकते हैं, तब सीजेपी वहां प्रदर्शन क्यों नहीं कर सकती। उन्होंने असहमति को लोकतंत्र का अहम हिस्सा बताया और कहा कि वह तीन महीने तक जेल में रहने के लिए तैयार हैं। यह बात उन्होंने फडणवीस की उस पूर्व चेतावनी के संदर्भ में कही थी, जिसमें उन्होंने प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तारी की स्थिति में जमानत मिलने में लगने वाले समय के बारे में बताया था।

गंगा कटाव स्थल पर डीआरएम का निरीक्षण, बोले- यात्रियों की सुरक्षा सर्वोपरि

जलस्तर घटने और ट्रैक सुरक्षित मिलने के बाद ही तय होगा ट्रेनों का परिचालन : डीआरएम

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। मालदा मंडल के बहरवा-साहेबगंज रेलखंड पर महाराजपुर एवं सकरीगली के बीच झिंझरी पुल के समीप गंगा नदी का कटाव लगातार रेलवे के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। कटाव के कारण रेल परिचालन पर उत्पन्न संकट के बीच शुक्रवार को लगातार चौथे दिन रेलवे की ओर से युद्धस्तर पर कटावरोधी एवं सुरक्षात्मक कार्य जारी रहा। मालदा रेल मंडल के एडीआरएम अमरेंद्र कुमार मौर्य की निगरानी में रेलवे के अधिकारी, अभियंता एवं कर्मी प्रभावित स्थल पर लगातार डटे हुए हैं। इसी क्रम में मालदा मंडल के डीआरएम मनीष गुप्ता ने झिंझरी पुल के समीप पहुंचकर प्रभावित रेलखंड और चल रहे कटाव निरोधी कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों एवं अभियंताओं से पिछले तीन दिनों से किए जा रहे सुरक्षात्मक कार्यों की विस्तृत जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने गंगा के जलस्तर, कटाव की स्थिति, रेल लाइन की सुरक्षा तथा आगे की रणनीति को लेकर अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के बाद डीआरएम मनीष गुप्ता ने कहा कि बाढ़ की स्थिति को लेकर मिल रही जानकारी के अनुसार नदी का जलस्तर अब धीरे-धीरे नीचे जा रहा है। उम्मीद है कि आगामी दो-तीन दिनों में जलस्तर में और गिरावट आएगी। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि केवल जलस्तर कम होना ही रेल परिचालन शुरू करने के लिए पर्याप्त नहीं है। ट्रैक एवं उसके आसपास की संरचना की सुरक्षा का पूरी तरह आकलन करना जरूरी होगा। साथ ही उन्होंने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकता है। जब तक जलस्तर सामान्य नहीं हो जाता और कटाव की गति पूरी तरह नियंत्रित नहीं हो जाती, तब तक ट्रेनों के नियमित परिचालन को लेकर कोई अंतिम निर्णय लेना संभव नहीं है। रेलवे की तकनीकी टीम द्वारा ट्रैक एवं संवेदनशील हिस्सों की स्थिति का आकलन किए जाने के बाद ही यह तय किया जाएगा कि ट्रेनों का परिचालन किस प्रकार और कब से पुनः शुरू किया जा सकता है।

परिचालन की निश्चित तारीख बताना अभी संभव नहीं

ट्रेनों का परिचालन कब तक सामान्य होगा, इस सवाल पर डीआरएम ने कहा कि फिलहाल कोई अनुमानित तारीख या समय बताना उचित नहीं होगा। उन्होंने कहा कि यदि समय से पहले परिचालन शुरू करने की तारीख घोषित कर दी जाए और अंतिम समय में सुरक्षा कारणों से निर्णय बदलना पड़े, तो यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने यात्रियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि जैसे ही गंगा नदी का जलस्तर कम होगा और रेलवे ट्रैक सुरक्षित पाया जाएगा, इसकी जानकारी सार्वजनिक कर दी जाएगी। रेलवे प्रशासन स्थिति पर लगातार नजर रख रहा है और सुरक्षा मानकों के आधार पर ही आगे का निर्णय लिया जाएगा।

अप लाइन पर सीमित रफ्तार से प्रमुख ट्रेनों का परिचालन

साथ ही डीआरएम ने बताया कि फिलहाल अप लाइन पर सीमित रफ्तार के साथ मुख्य रूप से प्रमुख एक्सप्रेस ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है। वहीं डाउन लाइन से संबंधित जिन ट्रेनों को डायवर्ट या रद्द किया गया है, उनके परिचालन में अभी कोई बदलाव नहीं किया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि फिलहाल परिचालन को लेकर कोई नया अपडेट नहीं है और वर्तमान व्यवस्था ही जारी रहेगी। साथ ही उन्होंने कहा कि रेलवे यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए वैकल्पिक व्यवस्था पर भी काम कर रहा है। साहेबगंज से भागलपुर की ओर अतिरिक्त ट्रेन का परिचालन किया जा रहा है, ताकि प्रभावित यात्रियों को कुछ राहत मिल सके।

तीनपहाड़ से हावड़ा के लिए विशेष ट्रेन का प्रस्ताव

डीआरएम ने बताया कि यात्रियों की सुविधा को देखते हुए तीनपहाड़ से हावड़ा की ओर विशेष ट्रेन चलाने का प्रस्ताव हावड़ा जीएम कार्यालय को भेजा गया है। यदि जीएम कार्यालय से इसकी अनुमति एवं आदेश प्राप्त होता है, तो इस दिशा में आवश्यक पहल की जाएगी। उन्होंने कहा कि रेलवे का प्रयास है कि मौजूदा परिस्थितियों में यात्रियों को अधिक से अधिक वैकल्पिक सुविधा उपलब्ध कराई जा सके।

2013 की बाढ़ से तुलना पर बोले- प्राकृतिक आपदा का सटीक पूवार्नुमान कठिन

कहा वर्ष 2013 में आई बाढ़ से वर्तमान स्थिति की तुलना किए जाने के सवाल पर डीआरएम ने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं का सटीक पूवार्नुमान लगाना काफी कठिन है। उन्होंने कहा कि परिस्थितियां हर वर्ष अलग हो सकती हैं और केवल पिछले वर्षों के आंकड़ों के आधार पर वर्तमान स्थिति का सटीक अनुमान नहीं लगाया जा सकता। साथ ही उन्होंने जलवायु परिवर्तन के प्रभाव का भी उल्लेख करते हुए कहा कि मौसम एवं प्राकृतिक परिस्थितियों में बदलाव का असर अब स्पष्ट रूप से देखने को मिल रहा है। हाल में नेपाल में सामने आई परिस्थितियों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि 13 वर्ष पहले की बाढ़ के आधार पर वर्तमान आपदा की तीव्रता और प्रभाव का पहले से सटीक अनुमान लगाना संभव नहीं है।

संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षात्मक कार्य जारी

साथ ही डीआरएम ने कहा कि रेलवे प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। रेलखंड में जितने भी संवेदनशील स्थान चिह्नित किए गए हैं, वहां एहतियात के तौर पर आवश्यक सुरक्षात्मक कार्य कराए जा रहे हैं। रेलवे की तकनीकी एवं अभियंताओं की टीमें लगातार स्थिति की निगरानी कर रही हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में रेलवे का मुख्य उद्देश्य रेल संरचना को सुरक्षित रखना और संभावित जोखिम को कम करना है। नदी का जलस्तर घटने के साथ ही प्रभावित क्षेत्र का दोबारा तकनीकी निरीक्षण किया जाएगा। इसके बाद ही ट्रेनों के परिचालन को सामान्य करने की दिशा में आगे की कार्रवाई होगी। फिलहाल महाराजपुर-सकरीगली के बीच झिंझरी पुल के समीप गंगा कटाव की स्थिति को देखते हुए रेलवे प्रशासन लगातार निगरानी कर रहा है। कटावरोधी कार्य के साथ-साथ रेल परिचालन को लेकर वैकल्पिक व्यवस्था पर भी मंथन जारी है। यात्रियों से भी रेलवे द्वारा जारी आधिकारिक सूचनाओं के आधार पर ही अपनी यात्रा की योजना बनाने की अपील की जा रही है।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के बताए मार्ग पर चलने का लिया संकल्प

बिभा संवाददाता

उधवा । उधवा प्रखंड सभागार कक्ष में शुक्रवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 157वीं जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी जयंत कुमार तिवारी, अंचलाधिकारी आशीष कुमार मंडल,प्रभारी प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी संतोष कुमार सुमन एवं प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक हारून रशीद सहित अन्य कर्मियों ने बारी-बारी से महात्मा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इस दौरान गांधी जी के आदर्शों और उनके विचारों को याद करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। इस अवसर पर बीडीओ जयंत कुमार तिवारी ने कहा कि महात्मा गांधी का जीवन सत्य,अहिंसा,सादगी और सेवा का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि गांधीजी के विचारों को अपने जीवन में अपनाकर समाज में आपसी भाईचारा,सद्भाव और स्वच्छता की भावना को मजबूत किया जा सकता है। उनके आदर्श आज भी समाज और देश के लिए प्रासंगिक हैं। गांधीजी ने सत्य और अहिंसा के माध्यम से जिस राह को दिखाया, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए भी प्रेरणादायी है। वहीं अंचलाधिकारी आशीष कुमार मंडल ने महात्मा गांधी के जीवन और संघर्षों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि देश की स्वतंत्रता के आंदोलन में गांधीजी की भूमिका ऐतिहासिक रही। उन्होंने सत्याग्रह और अहिंसा को अपना हथियार बनाकर लोगों को एकजुट किया तथा स्वतंत्रता आंदोलन को व्यापक जनभागीदारी से जोड़ने का कार्य किया। वहीं प्रभारी प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी संतोष कुमार सुमन ने कहा कि महात्मा गांधी के विचार केवल स्वतंत्रता आंदोलन तक सीमित नहीं है। बल्कि आज भी सामाजिक जीवन के लिए महत्वपूर्ण हैं। सत्य, अहिंसा ,स्वच्छता, समानता और सेवा की भावना को अपनाकर समाज को बेहतर बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि गांधीजी के आदर्शों को व्यवहार में उतारना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

महात्मा गांधी की जयंती पर 26 पंचायतों में विशेष ग्रामसभा आयोजित

बिभा संवाददाता

उधवा । उधवा प्रखंड क्षेत्र के 26 पंचायतों में शुक्रवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती धूमधाम एवं उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर पंचायतों में विशेष ग्रामसभा का आयोजन कर ग्रामीणों को विकास योजनाओं,रोजगार तथा आजीविका से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई। कार्यक्रम के दौरान महात्मा गांधी के विचारों एवं उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प भी लिया गया। जानकारी के अनुसार पूर्वी उधवा, मोहनपुर, उत्तर व दक्षिण सरफराजगंज, आतापुर, अमानत दियारा, पूर्वी उधवा दियारा, पश्चिमी उधवा, पश्चिमी उधवा दियारा, उत्तर पलाशगाछी, दक्षिण पलाशगाछी, उत्तर पियारपुर, मध्य पियारपुर, कटहलबाड़ी, उत्तर बेगमगंज, दक्षिण बेगमगंज, मसना, चांदशहर, सुतियारपाड़ा समेत कुल 26 पंचायतों में विशेष ग्रामसभा आयोजित की गई। ग्रामसभाओं में पंचायत प्रतिनिधियों,कर्मियों एवं ग्रामीणों ने भाग लिया। वहीं अमानत दियारा पंचायत सचिवालय में विशेष ग्रामसभा मुखिया फरीदा खातून की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में पंचायत के विकास कार्यों,ग्रामीणों की समस्याओं तथा सरकार की विभिन्न योजनाओं को लेकर चर्चा की गई। इस दौरान ग्राम रोजगार सेवक सर्वोदय रंजन ने ग्रामीणों को विकसित भारत-रोजगार और आजीविका मिशन की गारंटी (वीबी-जी राम जी) के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने योजना के उद्देश्य,ग्रामीणों के लिए रोजगार एवं आजीविका के अवसर तथा योजना से जुड़ी आवश्यक प्रक्रियाओं के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। मौके पर मुखिया प्रतिनिधि कादिर शेख,साबिर शेख,हफीजुर रहमान,इंद्रजीत मंडल,संजीव मंडल,राजू मंडल सहित अन्य ग्रामीण एवं पंचायत कर्मी मौजूद थे।

गांधी जयंती पर बापू को दी गई श्रद्धांजलि

बिभा संवाददाता

राजमहल ।राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर गुरुवार को राजमहल शहर के गांधी चौक स्थित बापू की प्रतिमा पर जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उपस्थित लोगों ने महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा और स्वच्छता के संदेश को याद करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में अनुमंडल पदाधिकारी सदानंद महतो, अंचलाधिकारी मो. युसूफ, विधायक प्रतिनिधि सह नगर पंचायत उपाध्यक्ष मो. मारूफ उर्फ गुड्डू, नगर पंचायत अध्यक्ष केताबुद्दीन शेख तथा कार्यपालक पदाधिकारी दानिश हुसैन ने बापू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर वार्ड पार्षद राजकुमार मंडल, अनिता बसाक, उज्जवल हलदार, बरकत शेख, अमीर मंडल, पार्षद प्रतिनिधि अजय चौधरी एवं मो. अयुब समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। सभी ने महात्मा गांधी के आदर्शों को आत्मसात करने और समाज में शांति, भाईचारे एवं स्वच्छता को बढ़ावा देने का संकल्प लिया।

उपायुक्त ने महात्मा गांधी को किया नमन, सत्य-अहिंसा के आदर्शों को अपनाने का लिया संकल्प

बिभा संवाददताा

साहेबगंज । राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 157वीं जयंती के अवसर पर शुक्रवार को साहेबगंज में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी दीपक कुमार दूबे एवं जिले के वरीय पदाधिकारियों ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। इस दौरान अधिकारियों ने महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा, स्वच्छता, सद्भाव और मानव सेवा के सिद्धांतों को याद किया। साथ ही उनके आदर्शों को जीवन

एवं कार्यशैली में आत्मसात करने का संकल्प लिया। वहीं उपायुक्त दीपक कुमार दूबे ने कहा कि महात्मा गांधी के विचार और आदर्श आज भी समाज एवं राष्ट्र को सत्य, अहिंसा, शांति और सामाजिक समरसता के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। उनके बताए मार्ग पर चलकर स्वच्छ, सशक्त, समतामूलक और समरस समाज के निर्माण की दिशा में सार्थक प्रयास किए जा सकते हैं।
कार्यक्रम में जिले के संबंधित वरीय पदाधिकारी एवं कर्मी मौजूद रहे।

गांधी-शास्त्री जयंती पर स्वास्थ्यकर्मियों ने लिया कुष्ठ मुक्त समाज का संकल्प

बिभा संवाददाता

बरहरवा। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर शुक्रवार को बरहरवा स्वास्थ्य विभाग की ओर से श्रद्धापूर्वक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. सरिता टुडू ने महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस दौरान वक्ताओं ने महात्मा गांधी के सत्य

एवं अहिंसा के सिद्धांतों को याद करते हुए कहा कि उनके विचार आज भी समाज के लिए प्रासंगिक हैं। वहीं, लाल बहादुर शास्त्री के सादगीपूर्ण जीवन, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा से प्रेरणा लेने की बात कही गई। वक्ताओं ने कहा कि गांधी का सत्य-अहिंसा का मार्ग और शास्त्री का सादा जीवन समाज को सेवा, समर्पण एवं जिम्मेदारी का संदेश देता है। कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्यकर्मियों ने कुष्ठ रोग के प्रति जागरूकता बढ़ाने और समाज को कुष्ठ मुक्त बनाने का संकल्प लिया। साथ ही कुष्ठ रोगियों के साथ भेदभाव नहीं करने तथा उनके प्रति सहानुभूति और सम्मान का व्यवहार करने की शपथ ली। स्वास्थ्यकर्मियों ने कहा कि कुष्ठ रोग की समय पर पहचान और उपचार बेहद जरूरी है। बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर मरीज को छिपाने के बजाय तत्काल स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाना चाहिए। उन्होंने लोगों से कुष्ठ रोग को लेकर फैली भ्रांतियों से दूर रहने और मरीजों के प्रति किसी भी तरह का भेदभाव नहीं करने की अपील की। मौके पर बीपीएम संजय कुमार सिंह, बीडीएम सोनल टुडू, हर्षवर्धन, सपन मंडल, मो. सुफियाना, विष्णु विक्रम, मीनू सरोज मुर्मू, रासबिहारी दास समेत अन्य स्वास्थ्यकर्मी मौजूद थे।

गांधी जयंती पर सरस्वती शिशु विद्या मंदिर के आचार्यों ने की गंगा घाट की सफाई

बिभा संवाददाता

तालझारी । गांधी जयंती के अवसर पर शुक्रवार को स्वच्छ भारत सुंदर भारत के उद्देश्य से सरस्वती शिशु विद्या मंदिर लालमाटी, तालझारी के प्रधानाचार्य, आचार्य एवं दीदी ने सामूहिक रूप से नमामि गंगे घाट मंगलहाट में स्वच्छता अभियान चलाया। वही स्वच्छता अभियान के दौरान विद्यालय के आचार्यों, दीदी जी एवं वाहन चालकों ने गंगा घाट के आसपास फैली गंदगी को साफ किया। साथ ही दोनों ओर स्थित

सीढ़ी घाटों की धुलाई कर घाट परिसर को स्वच्छ बनाया। अभियान में विद्यालय परिवार के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। घाट पर मौजूद श्रद्धालुओं ने भी स्वच्छता अभियान में सहयोग किया और विद्यालय के इस प्रयास की सराहना की। वहीं विद्यालय के प्रधानाचार्य संतोष कुमार उपाध्याय ने कहा कि गंगा हमारी माता के समान हैं और इसे स्वच्छ रखना हम सभी का कर्तव्य एवं जिम्मेदारी है। उन्होंने लोगों से गंगा के साथ-साथ घाट और आसपास के क्षेत्रों को भी स्वच्छ रखने की अपील की। मौके पर उत्तम मंडल, राज किशोर दुबे, उज्ज्वल साहा, मिथिलेश यादव, प्रशांत कुमार, आकांक्षा भारती, पायल कुमारी, खुशी कुमारी, श्रेया कुमारी सहित वाहन चालक निखिल कुमार एवं श्याम कुमार मौजूद रहे।

सफाई अभियान चलाकर लोगों को स्वच्छता के प्रति किया जागरूक

बिभा संवाददाता

राधानगर/उधवा। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को उधवा प्रखंड के आतापुर एवं पश्चिमी उधवा पंचायत में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। जानकारी के अनुसार आतापुर एवं पश्चिमी उधवा पंचायत में विशेष ग्राम सभा,सफाई अभियान एवं शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान पंचायत भवन एवं आसपास के परिसर में विशेष सफाई अभियान चलाकर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। वहीं पश्चिमी उधवा पंचायत में प्रभातफेरी निकालकर लोगों को स्वच्छता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के दौरान लोगों से सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने और स्वच्छता अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की गई। मौके पर आतापुर पंचायत की मुखिया सुशीला किस्कू,प्रभारी पंचायत सचिव उदय टुडू, जलसहिया शिप्रा घोष,माधवी लता घोष,लक्ष्मी दास,सुनीता हांसदा,पंचायत सहायक बुद्धदेव दास,अमल मंडल,प्रियरंजन घोष,विजय मुर्मू, दीपक कुमार गुप्ता,उप मुखिया अधीर मंडल तथा पश्चिमी उधवा पंचायत की मुखिया बानू बेगम,अंचल निरीक्षक हैदर अली,ग्राम रोजगार सेवक अशोक कुमार,मास्टर जलसहिया असनारा बीवी,पंचायत सहायक खालिदा खातून,वार्ड सदस्य अब्दुल हक,नाईमा बीवी, सायमा खातून सहित अन्य मौजूद थे।

विशेष ग्राम सभा में स्वच्छता, कुपोषण और बाल विवाह पर जागरूकता का संदेश

गांधी के सत्य-अहिंसा के संदेश को अपनाने का लिया संकल्प

बिभा संवाददाता

बरहरवा। महात्मा गांधी जयंती के अवसर पर शुक्रवार को प्रखंड सह अंचल कार्यालय सभागार में प्रखंड विकास पदाधिकारी सन्नी कुमार दास की अध्यक्षता में विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्वच्छता, स्वस्थ समाज, कुपोषण उन्मूलन और बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों को रोकने को लेकर चर्चा की गई। ग्राम सभा को संबोधित करते हुए बीडीओ सन्नी कुमार दास ने कहा कि विशेष ग्राम सभा का उद्देश्य महात्मा गांधी के स्वच्छ एवं स्वस्थ भारत के विचारों को जन-जन तक पहुंचाना है। साथ ही

कुपोषण के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने और बाल विवाह जैसी सामाजिक समस्या को रोकने के लिए लोगों को जागरूक करना भी कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य है। वहीं अंचल अधिकारी अनोज कुमार ने ग्रामीणों को जमीन से संबंधित कार्यों को सरल एवं सही तरीके से कराने की प्रक्रिया की जानकारी दी। उन्होंने लोगों से भूमि संबंधी मामलों में निर्धारित प्रक्रिया का पालन करने की अपील की। वहीं विधायक प्रतिनिधि बरकत खान ने बाल विवाह की समस्या पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कम उम्र में बच्चों का विवाह होने से आगे चलकर पारिवारिक विवाद, लड़ाई-झगड़े और तलाक जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि बाल विवाह को रोकने के साथ- साथ बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है।
कार्यक्रम के समापन पर पदाधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने प्रखंड मुख्यालय परिसर स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान गांधीजी के सत्य, अहिंसा, स्वच्छता और सामाजिक समरसता के संदेशों को अपनाने का संकल्प लिया गया। मौके पर नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी दीपक कुमार, सांसद प्रतिनिधि अब्दुल कादिर, बीस सूत्री अध्यक्ष अशोक दास, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष अब्दुल कादिर, नगर अध्यक्ष धर्मवीर महतो समेत अन्य जनप्रतिनिधि एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।

झारखंड हाईकोर्ट के न्यायाधीश अखिल कुमार पहुंचे साहेबगंज, उपायुक्त व एसपी ने किया स्वागत

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश अखिल कुमार शुक्रवार को साहेबगंज पहुंचे। उनके आगमन पर जिला प्रशासन की ओर से गरिमापूर्ण स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। उपायुक्त दीपक कुमार दूबे, पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह सहित जिले के वरीय पदाधिकारियों ने न्यायाधीश का सादर स्वागत किया। इस दौरान पुलिस बल की ओर से न्यायाधीश को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। कार्यक्रम में न्यायिक गरिमा और प्रशासनिक अनुशासन के साथ न्यायिक, प्रशासनिक एवं पुलिस प्रशासन के बीच समन्वय की झलक देखने को मिली। मौके पर जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन एवं न्यायिक व्यवस्था से जुड़े पदाधिकारी और कर्मी मौजूद रहे।

संक्षिप्त डायरी

पटना में ट्रैफिक ड्यूटी में लापरवाही पर सख्ती, महिला सब-इंस्पेक्टर सहित दो का वेतन रोका

पटना (एजेंसी) पटना ट्रैफिक रढ ने डॉल्फिन मोबाइल की समीक्षा में लापरवाही बरतने वाले दो अधिकारियों का वेतन रोका और एक अरकको उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया. पटना शहर की यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने और सड़क सुरक्षा मजबूत करने के लिए पटना ट्रैफिक पुलिस ने डॉल्फिन मोबाइल में तैनात पदाधिकारियों और कर्मियों के काम की समीक्षा की. ट्रैफिक एसपी सागर कुमार ने समीक्षा के दौरान ड्यूटी में लापरवाही के मामलों में कार्रवाई की, जबकि बेहतर प्रदर्शन करने वाली पदाधिकारी को सम्मानित किया. दो पदाधिकारियों का वेतन रोकने का आदेश समीक्षा के दौरान डॉल्फिन मोबाइल-05 में तैनात सब इंस्पेक्टर मनीषा भारती और डॉल्फिन मोबाइल-08 में तैनात परिचारी प्रिया कुमारी के प्रदर्शन को लेकर कार्रवाई की गयी. पुलिस के अनुसार अगस्त और सितंबर में दोनों के द्वारा रोजाना औसतन एक से भी कम ई-चालान काटे गये. विभागीय कार्रवाई भी होगी ट्रैफिक एसपी ने इसे कर्तव्य में लापरवाही, आदेशों के उल्लंघन और उदासीनता मानते हुए दोनों पदाधिकारियों का वेतन तत्काल प्रभाव से रोकने का आदेश दिया. साथ ही दोनों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई के लिए प्रपत्र 'क' शुरू करने का निर्देश दिया गया है. रोजाना 10 से अधिक ई-चालान काटने वाली पदाधिकारी सम्मानित दूसरी ओर, पत्रकार नगर यातायात ओपी के अंतर्गत डॉल्फिन मोबाइल-03 में तैनात सब इंस्पेक्टर अंबा कुमारी के काम की सराहना की गयी. पुलिस के अनुसार उन्होंने अगस्त और सितंबर में रोजाना औसतन 10 से अधिक वाहनों के ई-चालान काटे. बेहतर यातायात नियंत्रण के लिए मिला पुरस्कार अंबा कुमारी के यातायात नियंत्रण और कार्यशैली को देखते हुए उनका मनोबल बढ़ाने के लिए उन्हें पुरस्कार प्रदान किया गया. ट्रैफिक पुलिस की समीक्षा में कार्रवाई के साथ बेहतर प्रदर्शन करने वाले कर्मियों को प्रोत्साहित करने पर भी जोर दिया गया.

खाना खाने के बाद टहलने निकले थे विनोद मिस्त्री, तेज रफ्तार बुलेट ने मारी टक्कर, मौके पर मौत

पटना (एजेंसी) पटना के पास देवकुली गांव में सड़क पर टहल रहे विनोद मिस्त्री की तेज रफ्तार बुलेट ने ली जान. गंभीर चोटों के चलते अस्पताल में डॉक्टरों ने घोषित किया मृत. पटना-गया मुख्य मार्ग पर धनरूआ थाना क्षेत्र के देवकुली गांव में गुरुवार की रात तेज रफ्तार बुलेट की चपेट में आने से 57 वर्षीय विनोद मिस्त्री की मौत हो गयी. हादसा देवकुली मध्य विद्यालय के पास हुआ. टक्कर के बाद बाइक सवार वाहन समेत मौके से फरार हो गया. खाना खाने के बाद सड़क किनारे टहल रहे थे विनोद बताया जाता है कि देवकुली गांव निवासी विनोद मिस्त्री रात में खाना खाने के बाद सड़क किनारे टहल रहे थे. इसी दौरान पटना की ओर से गया की तरफ जा रही तेज रफ्तार बुलेट ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी. टक्कर लगने के बाद वह सड़क पर गिर गये.सिर में गंभीर चोट, पैर भी टूटा हादसे में विनोद मिस्त्री के सिर में गंभीर चोट लगी. उनका पैर भी टूट गया. दुर्घटना के बाद आसपास के लोग और परिजन मौके पर पहुंचे और उन्हें तत्काल धनरूआ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गये. अस्पताल में चिकित्सकों ने मृत घोषित किया धनरूआ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सकों ने विनोद मिस्त्री को मृत घोषित कर दिया. इसके बाद परिजन उन्हें बेलदारीचक स्थित एक निजी नर्सिंग होम भी ले गये. वहां भी चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया. फरार बाइक सवार की पहचान में जुटी पुलिस हादसे की सूचना मिलने पर धनरूआ पुलिस मौके पर पहुंची. थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया की जा रही है. पुलिस दुर्घटना के बाद फरार हुए बाइक सवार की पहचान के लिए छानबीन कर रही है.

बिहार में सरकारी नौकरी का इतना क्रेज क्यों? सिर्फ बेरोजगारी ही नहीं, ये प्रमुख कारण युवाओं को कर रहे अट्रैक्ट

पटना (एजेंसी) बिहार के युवा सरकारी नौकरी को इतना पसंद क्यों करते हैं? यह सवाल अब तक बना हुआ है. हर साल लाखों की संख्या में सरकारी नौकरी के लिए फॉर्म भरे जाते हैं. सालों तक सरकारी नौकरी की परीक्षा में फेल होने के बावजूद युवा अपनी पढ़ाई जारी रखते हैं और आखिरी मौके तक प्रयास करते हैं. ऐसे में आखिर क्यों सरकारी नौकरी के पीछे इतनी भीड़ लगी है, इसे समझते हैं... बिहार के किसी छोटे शहर या गांव में अगर आप किसी युवा से पूछें कि आगे क्या करना है, तो जवाब अक्सर एक जैसा सुनाई देता है और वह है 'सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहा हूं.' कोई रेलवे की परीक्षा दे रहा है, कोई शिक्षक भर्ती की, तो कोई , पुलिस या बिहार की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में जुटा है. सवाल है कि आखिर सरकारी नौकरी को लेकर बिहार के युवाओं में इतना

जुनून क्यों है? क्या यह सिर्फ नौकरी की सुरक्षा और अच्छी सैलरी का आकर्षण है या इसके पीछे बेरोजगारी, सामाजिक प्रतिष्ठा, परिवार की उम्मीद और प्राइवेट सेक्टर में सीमित अवसर भी बड़ी वजह हैं? इन सवालों के जवाब रोजगार के आंकड़ों और कई पहलुओं से समझे जा सकते हैं. सरकारी नौकरी के लिए युवाओं ने किया प्रोटेस्ट बिहार में सरकारी नौकरी सिर्फ रोजगार का विकल्प नहीं, बल्कि लाखों युवाओं के लिए सुरक्षित करियर का सपना है. इसका ताजा उदाहरण शिक्षक भर्ती है, जिसमें पदों की संख्या बढ़कर 33,320 हो गई है. इतना ही नहीं, सरकारी नौकरी को लेकर पटना की सड़कों पर इसी साल अभ्यर्थियों ने कई बार प्रोटेस्ट किए. सड़क पर उन्होंने लाठियां खाईं. लेकिन पीछे नहीं हटे. पारदर्शी और सही तरीके से युवाओं की नियुक्ति हो, इसके लिए कई परीक्षाओं को रद्द जबकि कई में बदलाव किए गए. सरकारी नौकरी के पीछे इतनी भीड़ क्यों? नौकरी की सुरक्षाः सरकारी नौकरी में अपेक्षाकृत स्थिर रोजगार, नियमित वेतन और तय सेवा शर्तें युवाओं को आकर्षित करती हैं. वेतन और सुविधाएंः वेतन के साथ भत्ते, छुट्टियां, पेंशन/सेवानिवृत्ति से जुड़े लाभ और अन्य सेवा सुविधाएं भी आकर्षण का कारण हैं. लेकिन ये लाभ पद और नियुक्ति व्यवस्था के अनुसार अलग-अलग हो सकते हैं. सामाजिक प्रतिष्ठाः बिहार के कई परिवारों में सरकारी नौकरी को सामाजिक सम्मान और परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत करने से जोड़कर देखा जाता है. बेरोजगारी और सीमित निजी अवसरः बिहार में बड़ी संख्या में युवा रोजगार की तलाश में हैं. प्राइवेट सेक्टर में पर्याप्त और स्थायी अवसर नहीं होने से सरकारी नौकरियों की मांग बढ़ती है. परिवार का दबाव और उम्मीदः कई परिवार चाहते हैं कि बेटा या बेटी सरकारी नौकरी हासिल करे, जिससे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी का चलन मजबूत होता है. बिहार में रोजगार की स्थिति आंकड़ों से जानिए बिहार में बेरोजगारी के रेट को आंकड़े से समझते हैं.... बिहार आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 के अनुसार, बिहार में ग्रामीण क्षेत्रों में पुरुष श्रम बल सहभागिता दर (एलएफपीआर) 76.8 प्रतिशत और शहरी क्षेत्रों में 67.8 प्रतिशत थी. बिहार की महिला एलएफपीआर अखिल भारतीय औसत से 11.2 प्रतिशत कम है. ग्रामीण बिहार में पुरुषों की बेरोजगारी दर 3.3 प्रतिशत थी, जबकि महिलाओं की बेरोजगारी दर मात्र 0.9 प्रतिशत थी. शहरी क्षेत्रों में बिहार के लगभग 6.9 प्रतिशत पुरुष श्रमिक और 9.1 प्रतिशत महिला श्रमिक बेरोजगार हैं. इन आंकड़ों से यह समझा जा सकता है कि हमें सिर्फ नौकरी नहीं, बल्कि नौकरी पैदा करने वाली अर्थव्यवस्था बनानी होगी. सरकारी नौकरी में आखिर ऐसा क्या है जो प्राइवेट नौकरी में नहीं? सरकारी नौकरी की बात करें तो, इसमें नौकरी की स्थिरता प्राइवेट सेक्टर की तुलना में ज्यादा है. भर्ती प्रक्रिया प्रतियोगी परीक्षा या नियम आधारित होती है. जबकि प्राइवेट सेक्टर में कंपनी के अनुसार होगी है. सरकारी में वेतन में बढ़ोतरी निर्धारित नियमों के अनुसार होता है जबकि प्राइवेट सेक्टर में कंपनी पर निर्भर करता है. सरकारी नौकरी को लेकर सामाजिक प्रतिष्ठा को कई परिवारों में ज्यादा तवज्जो दी जाती है लेकिन प्राइवेट नौकरी में उसे क्षेत्र और नौकरी कैसी है, पद कैसा है, इस पर निर्भर करता है. सबसे जरुरी चीज ह

बिहार में अब नक्शे की कलर कोडिंग होगी जरूरी, 30 दिन में फैसला नहीं तो डीम्ड अप्रूवल,

पटना (एजेंसी) बिहार में भवन निर्माण के नक्शे के नियमों में बड़े बदलाव प्रस्तावित हैं. नए ड्राफ्ट में कलर कोडिंग, स्व-प्रमाणीकरण और 30 दिनों में डीम्ड अप्रूवल का प्रावधान है. जानें क्या हैं नए नियम. बिहार में भवन निर्माण के नक्शे से जुड़े नियमों में बदलाव की तैयारी है. नगर विकास एवं आवास विभाग के के ड्राफ्ट में नक्शों के लिए कलर कोडिंग, स्व-प्रमाणीकरण और ऑनलाइन प्रक्रिया को बढ़ावा देने जैसे प्रावधान प्रस्तावित हैं. ड्राफ्ट में यह भी प्रावधान है कि आवेदन पर 30 दिनों के भीतर निर्णय नहीं होने की स्थिति में भवन योजना को डीम्ड अप्रूव्ड माना जा सकता है. नक्शे में अलग-अलग रंग बताएंगे किस हिस्से का क्या इस्तेमाल प्रस्तावित व्यवस्था में भवन के नक्शे पर अलग-अलग हिस्सों को तय रंगों से दशार्ने की व्यवस्था है. इससे प्रस्तावित निर्माण, पहले से स्वीकृत ढांचे, हटाये जाने वाले हिस्से और अन्य सुविधाओं की पहचान नक्शे पर आसानी

से की जा सकेगी. हरे रंग से दिखेगा नया प्रस्तावित निर्माण नये प्रस्तावित निर्माण को हरे रंग से दिखाने का प्रावधान बताया गया है. पौधों और रेनवाटर हार्वेस्टिंग जैसी सुविधाओं को भी इसी रंग से दशार्ने की व्यवस्था प्रस्तावित है. पीला, लाल और नीला रंग भी होगा निर्धारित पहले से स्वीकृत मौजूदा ढांचे के लिए पीले रंग का इस्तेमाल किया जायेगा, जबकि तोड़े जाने वाले या अवैध हिस्से को लाल रंग से दिखाया जायेगा. नाली, सीवर लाइन और सेप्टिक टैंक के लिए नीला रंग निर्धारित किया गया है. क और अप्रोच रोड के लिए बैंगनी या भूरा रंग नक्शे में सड़क, अप्रोच रोड और सार्वजनिक रास्तों को बैंगनी या भूरे रंग से दशार्ने का प्रावधान है. कलर कोडिंग का उद्देश्य भवन योजना की अलग-अलग संरचनाओं और सुविधाओं को एक नजर में स्पष्ट करना है. छोटे भवनों के लिए सेल्फ-सर्टिफिकेशन का प्रस्ताव ड्राफ्ट में जोखिम के आधार पर भवनों की श्रेणी तय करने का प्रस्ताव है. 24 मीटर तक ऊंचे छोटे आवासीय और 15 मीटर तक के व्यावसायिक भवनों के लिए स्व-प्रमाणीकरण की व्यवस्था प्रस्तावित है. इसके तहत रजिस्टर्ड आर्किटेक्ट या इंजीनियर के माध्यम से भवन योजना तैयार कर ऑनलाइन प्रक्रिया से स्वीकृति लेने की व्यवस्था होगी. मध्यम जोखिम वाले भवनों की जांच थर्ड पार्टी करेगी प्रस्तावित व्यवस्था में अधिक ऊंचाई वाले भवनों के लिए अलग जांच प्रक्रिया होगी. 24 से 50 मीटर तक ऊंची इमारतों की जांच थर्ड पार्टी के माध्यम से कराने का प्रावधान बताया गया है. इससे भवन स्वीकृति प्रक्रिया को जोखिम के आधार पर अलग-अलग करने की योजना है. 30 दिन में फैसला नहीं तो डीम्ड अप्रूवल का प्रावधान नये ड्राफ्ट की सबसे महत्वपूर्ण प्रस्तावित व्यवस्थाओं में डीम्ड अप्रूवल शामिल है. यदि भवन नक्शा स्वीकृति के लिए आवेदन जमा होने के बाद 30 दिनों के भीतर संबंधित प्राधिकारी की ओर से स्वीकृति या अस्वीकृति का निर्णय नहीं लिया जाता है, तो योजना को स्वतः स्वीकृत माना जा सकता है. डिजिटल प्रक्रिया से कम होंगे कार्यालय के चक्कर ड्राफ्ट में भवन योजना और संबंधित स्वीकृतियों की प्रक्रिया को डिजिटल और सिंगल-विंडो व्यवस्था से जोड़ने का प्रस्ताव है. इसका उद्देश्य आवेदकों को अलग-अलग कार्यालयों में जाने की जरूरत कम करना है. 15 मीटर से अधिक ऊंची इमारत में लिफ्ट का प्रस्ताव प्रस्तावित सुरक्षा मानकों में लिफ्ट से जुड़े प्रावधान भी शामिल हैं. 15 मीटर से अधिक ऊंची इमारतों में लिफ्ट अनिवार्य करने तथा 21 मीटर से अधिक ऊंचाई वाले भवनों में दो लिफ्ट का प्रावधान प्रस्तावित बताया गया है. इसके साथ रेनवाटर हार्वेस्टिंग और सेप्टिक टैंक से संबंधित सुरक्षा मानकों को भी शामिल किया गया है. गलत जानकारी देने पर कार्रवाई का प्रावधान प्रस्तावित नियमों में गलत जानकारी देने या भवन निर्माण से जुड़े नियमों का उल्लंघन करने पर कार्रवाई की व्यवस्था भी है. इसमें संबंधित आर्किटेक्ट के खिलाफ कार्रवाई और नियमों के उल्लंघन वाले निर्माण पर सीलिंग जैसी कार्रवाई का प्रावधान बताया गया है. अभी ड्राफ्ट स्तर पर हैं ये प्रावधान अभी ड्राफ्ट और समीक्षा की प्रक्रिया में है. सितंबर 2026 में भी इसके प्रावधानों पर उच्चस्तरीय स्तर पर चर्चा हुई थी. इसलिए अंतिम अधिसूचना जारी होने के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि प्रस्तावित प्रावधान किस रूप में लागू होते हैं.

गोरखपुर-सिलीगुड़ी एक्सप्रेसवे पर 120 KM की स्पीड से दौड़ेंगी गाड़ियां, बिहार के 8 जिलों से गुजरेगा

पटना (एजेंसी)उत्तर बिहार को जल्द ही हाई स्पीड कॉरिडोर मिलने वाला है. गोरखपुर-सिलीगुड़ी ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे राज्य के 8 जिलों से गुजरेगा. ये जिले बिहार के उत्तरी हिस्से के हैं. पूरे एक्सप्रेसवे के बनने के बाद मधुबनी से कामाख्या सिर्फ 10 घंटे में ही पहुंच सकेंगे. गोरखपुर-सिलीगुड़ी एक्सेस कंट्रोल्ड ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे बिहार के 8 जिलों से गुजरेगा. इस एक्सप्रेसवे के बनने से राज्य के उत्तर बिहार के जिलों के बीच कनेक्टिविटी पहले से बेहतर हो सकेगी. कई मायनों में यह एक्सप्रेसवे बिहार के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है. इसे चिकन नेक का गेट-वे भी बताया जा रहा है. मधुबनी से असम 10 घंटे में पहुंचेंगेजानकारी के मुताबिक, गोरखपुर-सिलीगुड़ी एक्सप्रेसवे के जरिए बिहार से असम तक जाना आसान होगा. एक अनुमान लगाया जा रहा है कि मधुबनी से कामाख्या तक की दूरी

तय करने में सिर्फ 10 घंटे ही लगेंगे. लेकिन वास्तविक समय एक्सप्रेसवे के बनने के बाद ही पता चल पाएगा. इस तरह से मिथिला से असम तक के लिए कनेक्टिविटी आसान और मजबूत हो सकेगी. लोगों के लिए बिहार से असम तक जाने के लिए एक नया रास्ता मिल सकेगा. एक्सेस कंट्रोल्ड होगा सिक्सलेन एक्सप्रेसवे गोरखपुर-सिलीगुड़ी एक्सप्रेसवे के बारे में बताया जा रहा है कि यह सिक्स लेन वाला होगा. इस पूरी तरह से एक्सेस कंट्रोल्ड एक्सप्रेसवे होगा. इससे साफ है कि एक्सप्रेसवे पर गाड़ियों की एंट्री और एग्जिट के लिए जगहें तय रहेंगी. सड़क के तैयार हो जाने के बाद इस पर 120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गाड़ियां दौड़ सकेंगी. एक्सप्रेसवे के बनने से हाइवे पर गाड़ियों का भार कम हो सकेगा. सफर भी पहले से कई ज्यादा सुरक्षित रह सकेगा. बिहार से जुड़ी अन्य ताजा खबरों के लिए यहां क्लिक करें लोगों के लिए बढ़ेंगे रोजगार के अवसर नए सिक्सलेन एक्सप्रेसवे के बनने से लोगों के लिए रोजगार के अवसर भी उपलब्ध हो सकेंगे. बताया जा रहा है कि 8 जिलों के जिस भी गांव या कस्बे से एक्सप्रेसवे गुजरेगा वहां होटल या ढाबे खुल सकते हैं. इतना ही नहीं, पेट्रोल पंप खोले जाने के साथ-साथ कई छोटे कारोबार भी खोले जा सकते हैं. इस तरह से मुख्य रूप से 8 जिलों के स्थानीय लोगों को रोजगार का अवसर मिल सकेगा. इन 8 जिलों से गुजरेगा एक्सप्रेसवे जिन 8 जिलों से गोरखपुर-सिलीगुड़ी ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे गुजरेगा, उनमें पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, शिवहर, सीतामढ़ी, मधुबनी, सुपौल, अररिया और किशनगंज शामिल है. इसकी शुरूआत उत्तर प्रदेश के कुशीनगर से होगी और देवरिया होते हुए बिहार में प्रवेश करेगी. किशनगंज के बाद यह सिक्सलेन सड़क पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर से होते हुए सिलीगुड़ी और असम तक जायेगी. इस तरह से उत्तर प्रदेश से पश्चिम बंगाल तक सीधी कनेक्टिविटी मिल सकेगी. धार्मिक पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा इस एक्सप्रेसवे को लेकर खास बात यह भी बताई जा रही है कि मधुबनी को मिथिला की सांस्कृतिक पहचान से जोड़ा जाता है, जबकि सीतामढ़ी को माता सीता की जन्मभूमि है. इस तरह से उत्तर बिहार में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिल सकेगा. बिहार से सिलीगुड़ी और फिर इसके बाद असम तक एक्सप्रेसवे जायेगी. यानी कि कामाख्या मंदिर तक कनेक्टिविटी मिलेगी. इस तरह से यह एक्सप्रेसवे यूपी, बिहार, बंगाल और असम 4 राज्यों को जोड़ेगा.

औरंगाबाद में जल्द बदलेगा ट्रैफिक व्यवस्था, 288 करोड़ से बनेगा 8 KM लंबा फोरलेन, भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू

पटना (एजेंसी) दाउदनगर में 288 करोड़ की लागत से नया बाईपास बनेगा. औरंगाबाद-पटना ठल-139 पर बनने वाली यह सड़क शहर को ट्रैफिक जाम से बड़ी राहत देगी. जानें पूरी प्रक्रिया. दाउदनगर में विकास की रफ्तार अब सड़क पर भी दिखाई देने वाली है. शहर को जाम की समस्या से राहत दिलाने के लिए नए बाईपास का निर्माण किया जा रहा है. औरंगाबाद-पटना एनएच-139 पर बनने वाली इस सड़क पर करीब 288 करोड़ रुपये खर्च होंगे. इसकी प्रक्रिया अब तेज हो गयी है और टेंडर की प्रक्रिया अंतिम चरण में पहुंच चुकी है. इसके पूरा होने के बाद शहर के व्यस्त इलाकों से होकर गुजरने वाले वाहनों का दबाव कम होने की उम्मीद है. 29.08 हेक्टेयर जमीन का होगा अधिग्रहण बाईपास के निर्माण के लिए करीब 29.08 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण किया जाना है. इसके लिए अमौना, सिपहा, नीमा, अंकोरहा, तरारी, पिलची, तरार और महावर मौजा की जमीन चिह्नित की गयी है. परियोजना की कुल लागत में करीब

159 करोड़ रुपये सड़क निर्माण पर खर्च होंगे, जबकि बाकी राशि जमीन अधिग्रहण में खर्च की जाएगी. निर्माण कार्य एनएचएआई की ओर से कराया जाएगा. भखरुआ चौक के पूर्वी हिस्से से गुजरेगा बाईपास प्रस्तावित बाईपास दाउदनगर के भखरुआ चौक के पूर्वी हिस्से से होकर गुजरेगा. यह दाउदनगर-पटना सड़क पर बीएड कॉलेज के पास एनएच-139 से शुरू होगा और औरंगाबाद की ओर नासरीगंज रोड ओवरब्रिज के पास फिर एनएच-139 से जुड़ेगा. इस दौरान बाईपास एनएच-120 को भी पार करेगा, जहां ओवरब्रिज का निर्माण प्रस्तावित है. इसके अलावा यह जेल के पहले बुधनबिगहा गांव के पास से होकर गुजरेगा. जमीन अधिग्रहण को लेकर अधिकारियों ने किया निरीक्षण एनएच के कार्यपालक अभियंता तुलसी प्रसाद के अनुसार, जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया को लेकर अधिकारियों ने स्थल निरीक्षण किया. इसमें जिला भू-अर्जन पदाधिकारी शुभेंद्र कुमार झा, एसडीओ रितेश कुमार यादव, दाउदनगर एलआरडीसी प्रणव कुमार, अपर जिला भू-अर्जन पदाधिकारी जितेंद्र कुमार सिन्हा और दाउदनगर सीओ समेत अन्य अधिकारी शामिल रहे.

पटना के संपतचक में बन रहा है 108 फुट ऊंचा दुर्गा पूजा पंडाल, महाकालेश्वर मंदिर की दिखेगी झलक

पटना (एजेंसी) संपतचक में 2026 में बनेगा 108 फुट ऊंचा दुर्गा पूजा पंडाल, महाकालेश्वर मंदिर की तर्ज पर. भव्य प्रतिमा, शिवलिंग और नंदी की स्थापना के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन. दुर्गोत्सव 2026 में संपतचक में श्रद्धालुओं को उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर की तर्ज पर तैयार भव्य दुर्गा पूजा पंडाल देखने को मिलेगा. दुर्गा पूजा समिति, संपतचक की ओर से करीब 108 फुट चौड़े और 108 फुट ऊंचे पंडाल का निर्माण कराया जा रहा है. इसके अंदर 18 फुट ऊंची मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित की जायेगी. पंडाल में शिवलिंग और नंदी महाराज भी होंगे स्थापित पंडाल के अंदर बाबा महाकाल का शिवलिंग और नंदी महाराज की प्रतिमा भी स्थापित की जायेगी. पंडाल की डिजाइनिंग की

जिम्मेदारी पटना सिटी निवासी कलाकार इशू भाई को दी गयी है. पंडाल और लाइटिंग का काम सतेंद्र टेंट हाउस, जबकि साउंड की व्यवस्था राजगुरु टेंट हाउस संभालेगा.हाथी-घो ड़े और ऊंट के साथ निकलेगा विसर्जन जुलूस समिति के अनुसार इस बार विसर्जन जुलूस भी आकर्षण का केंद्र रहेगा. जुलूस में हाथी, घोड़े और ऊंट के साथ मंडरा तथा झारखंड से बुलाये गये बैंड शामिल होंगे. आयोजकों के अनुसार संपतचक में करीब 57 वर्षों से दुगार्पूजा का आयोजन होता आ रहा है. सप्तमी से दशमी तक सांस्कृतिक कार्यक्रम सप्तमी से दशमी तक पूजा पंडाल में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा.

10 अक्टूबर से बिहार के लिए चलेंगी 200 बसें, जानिए दिल्ली-यूपी समेत 5 राज्यों के लिए कितनी दौड़ेंगी बसें

पटना (एजेंसी) त्योहार के मौके पर दूसरे राज्यों से बिहार आने वाले लोगों के लिए जरुरी खबर है. सरकार की तरफ से 200 बसें चलाई जायेंगी. पर्व के दौरान ट्रेन में भीड़भाड़ की स्थिति हो जाती है. ऐसे में बसों के चलने से उन्हें नया ऑप्शन मिल सकेगा. दिवाली और छठ के मौके पर काफी संख्या में दूसरे राज्यों से लोग बिहार आते हैं. ऐसे में उनके लिए राहत भरी खबर है. दिल्ली-यूपी समेत 5 राज्यों के बीच स्पेशल बस चलाई जाएगी. त्योहार को देखते हुए टोटल 200 बसों का परिचालन किया जाएगा. बिहार राज्य परिवहन निगम की वेबसाइट पर ऑनलाइन टिकट बुकिंग की शुरूआत हो चुकी है. पटना में यहां रुकेंगी बसें

जानकारी के मुताबिक, स्पेशल बसों से सफर के लिए लोगों को ज्यादा इंतजार करने की जरुरत नहीं पड़ेगी. 10 अक्टूबर से ही बसों का परिचालन शुरू हो जाएगा. इस तरह से दशहरा से पहले ही यात्रियों को राहत मिल जाएगी. बताया जा रहा है कि सरकार की तरफ से चलाई जाने वाली बसें पटना के बैरिया में बने पाटलिपुत्र बस टर्मिनल, गांधी मैदान और फुलवारीशरीफ में रुकेंगी. इसके अलावा पटना में जीपीओ के पास बने मल्टी मॉडल हब में भी बसें रुकेंगी. मनमाना भाड़ा वसूलने पर कार्रवाई बसों के परिचालन से पहले यह भी स्पष्ट कर दिया गया है कि बस से सफर के दौरान यात्रियों से मनमाना भाड़ा वसूलने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी. बताया जा रहा है कि अगर कोई बस संचालक यात्री से मनमाना बस का किराया लेते हैं तो उन पर भारी भरकम जुमार्ना लगाया जाएगा. इतना ही नहीं, उनका रजिस्ट्रेशन भी रद्द कर दिया जाएगा. परिवार विभाग की ओर से 10 अक्टूबर से चलने वाली स्पेशल बसों में जांच अभियान भी चलाया जाएगा. पांच राज्यों के लिए कितनी-कितनी बसें? मिली जानकारी के अनुसार, शुरूआत में 5 राज्यों से बिहार के लिए बसें चलाई जायेंगी. इनमें दिल्ली से बिहार के लिए 40, बंगाल से 40, उत्तर प्रदेश से 60 और हरियाणा और झारखंड से बिहार के लिए 30-30 स्पेशल बसें चलाई जायेंगी. परिवहन मंत्री की ओर से इसे लेकर जानकारी भी दी गई है. यात्रियों को मिलेगा नया ऑप्शन हर साल दिवाली और छठ के मौके पर बिहार आने वालों की संख्या लाखों में होती है. रेलवे की ओर से कई स्पेशल ट्रेनें चलाई जाती हैं. लेकिन इसके बावजूद ट्रेनों में भीड़भाड़ की स्थिति हो जाती है. कई बार यात्रियों को टिकट तक नहीं मिल पाता है.

आरबीआई के नियमों से भारतीय बैंकों को हुआ 4,000 करोड़ की विदेशी मुद्रा का नुकसान

नई दिल्ली।

भारतीय बैंकों को 2026 की पहली छमाही में विदेशी मुद्रा ट्रेडिंग बुक पर करीब 50 करोड़ डॉलर का मार्क-टू-मार्केट नुकसान उठाना पड़ा। एक रिसर्च के मुताबिक यह नुकसान भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से किए गए नियामकीय बदलावों के बाद बैंकों को अपनी विदेशी मुद्रा पोजीशन घटाने के लिए मजबूर होने के कारण हुआ। बाद में बाजार में स्प्रेड बढ़ने और पोजीशन सामान्य होने से बैंकों ने इस नुकसान में से करीब 40 करोड़ डॉलर की भरपाई कर ली है।

रिपोर्ट के मुताबिक यह नुकसान आरबीआई के 27 मार्च के निर्देश के बाद हुआ, जिसके तहत अधिकृत डीलर बैंकों के लिए कारोबारी दिन के अंत में ऑनशोर रुपये से जुड़ी नेट ओपन पोजीशन की सीमा 10 करोड़ डॉलर तय कर दी गई थी। बैंकों को 10 अप्रैल तक अपनी पोजीशन घटानी पड़ी, जिसके चलते उनकी ट्रेडिंग बुक में तेज बदलाव देखने को मिला। यह कदम ऐसे समय उठाया गया, जब रुपए में काफी उतार-चढ़ाव था। विदेशी निवेशक बाजार से पैसा निकाल रहे थे और कंपनियों की ओर से मुद्रा जोखिम से बचाव की मांग अधिक थी। मार्केट स्ट्रक्चर एंड टेक्नोलॉजी के उपाध्यक्ष नितिन अगिचा ने कहा कि आरबीआई के नए नियमों को लागू करने के लिए मिला कम समय बैंकों को तेजी से अपनी पोजीशन घटाने या उनमें बदलाव करने के लिए मजबूर करने वाला था। बाद में बाजार में स्प्रेड बढ़ने से बैंकों को शुरुआती नुकसान की कुछ भरपाई करने में मदद मिली। आरबीआई ने 20 अप्रैल को अपने कुछ पुराने निर्देश वापस ले लिए और संबंधित पक्षों के बीच होने वाले लेनदेन के लिए सीमित छूट की अनुमति दी, जिससे बैंकों पर पड़ रहा कुछ परिचालन दबाव कम हुआ। कॉरपोरेट एंड इन्वेस्टमेंट बैंक कंपटीटर रिसर्च एंड एनालिटिक्स के निदेशक ने कहा कि विदेशी मुद्रा कारोबार में हुआ नुकसान सिर्फ ग्राहकों की कमजोर गतिविधियों का नतीजा नहीं था, बल्कि आरबीआई के निर्देशों के कारण ट्रेडिंग रणनीति में आए अचानक बदलाव का परिणाम था।

एक्स-मिल कीमतों में करीब 28 फीसदी की आई कमी, घट सकते हैं चीनी के दाम

नई दिल्ली।

त्योहारी सीजन में उपभोक्ताओं को राहत मिली है। देश के खुदरा बाजार में चीनी की औसत कीमतों में अगस्त के उच्चतम स्तर की तुलना में करीब 15 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। वहीं, एक्स-मिल कीमतों में करीब 28 फीसदी की कमी आई है। सरकार को उम्मीद है कि एक्स-मिल कीमतों में आई गिरावट का असर खुदरा बाजार में भी दिखाई देगा और चीनी के दाम और कम हो सकते हैं। चीनी की उपलब्धता और कीमतों पर नियंत्रण बनाए रखने के लिए सरकार ने डीलरों के लिए नई स्टॉक सीमा लागू करने का फैसला किया है। इसके तहत डीलर चीनी मिलने की तारीख से अधिकतम 15 दिन तक ही उसका स्टॉक रख सकेंगे। इसके अलावा किसी भी स्थान पर एक समय में 1,000 क्विंटल से ज्यादा चीनी रखने की अनुमति नहीं होगी। यह व्यवस्था 15 अक्टूबर से 30 नवंबर 2026 तक रहेगी। हालांकि, कोलकाता और आसपास के महानगरीय क्षेत्रों और असम के लिए अलग व्यवस्था की गई है। इन क्षेत्रों में स्टॉक सीमा 2,000 क्विंटल रखी गई है। इसकी वजह वहां चीनी की आपूर्ति से जुड़ी भौगोलिक और परिवहन संबंधी चुनौतियां हैं। इन क्षेत्रों में चीनी की मांग पूरी करने के लिए यूपी, महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे प्रमुख उत्पादक राज्यों से आपूर्ति की जाती है।

व्यवसायिक उपयोग वाले रसोई गैस सिलेंडर की कीमतें बढ़ीं

नई दिल्ली ।

व्यवसायिक उपयोग वाले रसोई गैस सिलेंडर की कीमतें बढ़ गयीहैं। इस बार 19 किलो वाले व्यवसायिक गैस सिलेंडर की कीमत में बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जबकि घरेलू सिलेंडर की कीमतों में बदलाव नहीं हुआ है। 14.2 किलो के घरेलू गैस सिलेंडर के दाम पहले की तरह ही बने हुए हैं। राजधानी दिल्ली में 19 किलो वाले व्यवासायिक उपयोग वाले गैस सिलेंडर की कीमत में 62.50 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। अब दिल्ली में यह सिलेंडर 2,810 रुपये में मिलेगा, जबकि इससे पहले सितंबर माह में इसकी कीमत 2,747.50 रुपये थी। देश के अन्य प्रमुख महानगरों में भी ये सिलेंडर महंगा हुआ है। मुंबई में 19 किलो वाला सिलेंडर अब 2,764.50 रुपये, कोलकाता में 2,954 रुपये और चेन्नई में 2,983 रुपये का हो गया है। इसी प्रकार, बेंगलुरु में इसकी कीमत 2,898 रुपये, उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में 2,932.50 रुपये और बिहार की राजधानी पटना में 3,100.50 रुपये तक पहुंच गई है।

वैश्विक संकट गहराने के साथ ही वैश्विक ऊर्जा सब्सिडी 1 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच सकती है-यूएन रिपोर्ट

नई दिल्ली।

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष, बढ़ती तेल कीमतों और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच दुनिया भर की सरकारों के लिए उपभोक्ताओं को राहत देना लगातार कठिन होता जा रहा है। शुक्रवार को जारी संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) की एक नई रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2026 में वैश्विक ऊर्जा सब्सिडी 1 ट्रिलियन डॉलर से अधिक पहुंच सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ईंधन और खाद्य कीमतों में वृद्धि के असर को कम करने के लिए सरकारें बड़े पैमाने पर सब्सिडी, मूल्य नियंत्रण (प्राइस कैप) और कर रियायतों जैसे उपायों का सहारा ले रही हैं। हालांकि बढ़ती ब्याज दरों, महंगे कर्ज और मौसम संबंधी जोखिमों के कारण इन उपायों को लंबे समय तक जारी रखना और मुश्किल होता जा रहा है। यूएनडीपी ने चेतावनी दी है कि आने वाले कुछ महीने उन देशों के लिए बेहद महत्वपूर्ण होंगे जो ईंधन सब्सिडी और अन्य राहत उपायों के जरिए महंगाई से निपटने की कोशिश कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंचने से कई देशों की सार्वजनिक वित्त व्यवस्था पर अतिरिक्त दबाव बढ़ रहा है। यूएनडीपी के मुख्य अर्थशास्त्री जॉर्ज ग्रे मोलिना ने कहा कि अगले कुछ सप्ताह और महीने अनिश्चितता से भरे रह सकते हैं, क्योंकि दुनिया एक साथ कई संकटों का सामना कर रही है। उन्होंने कहा कि

वर्तमान स्थिति से बाहर निकलने का कोई स्पष्ट रास्ता फिलहाल दिखाई नहीं दे रहा है। विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) के आंकड़ों पर आधारित रिपोर्ट में बताया गया है कि अप्रैल से सितंबर के बीच राहत उपाय अपनाने वाले देशों की संख्या लगभग दोगुनी हो गई। इससे यह साफ संकेत मिलता है कि ऊर्जा और खाद्य कीमतों में वृद्धि का असर अधिक व्यापक होता जा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, सरकारी सहायता कार्यक्रमों ने इस वर्ष अनुमानित 13 करोड़ लोगों को प्रतिदिन 6.85 डॉलर की गरीबी रेखा से नीचे जाने से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

तेल की कीमतों में नहीं हुआ बदलाव

नई दिल्ली ।

तेल कंपनियों की ओर से शुक्रवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है।ताजा आंकड़ों के अनुसार, देश के प्रमुख महानगरों में पेट्रोल के दाम कुछ इस प्रकार हैं। राजधानी दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 102.12 से 102.15 रुपये के बीच बनी हुई है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में पेट्रोल 103.50 से 103.54 रुपये प्रति लीटर पर मिल रहा है। पूर्वी महानगर कोलकाता में इसकी कीमत 113.46 से 113.51 रुपये प्रति लीटर दर्ज की गई है, जबकि दक्षिण के प्रमुख शहर चेन्नई में पेट्रोल 107.73 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है। हालांकि, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि स्थानीय करों, वैट और परिवहन लागत के कारण अलग-अलग शहरों में और यहां तक कि एक ही शहर के विभिन्न हिस्सों में भी कीमतों में मामूली अंतर दिख सकता है। पेट्रोल की तरह ही डीजल के दामों में भी स्थिरता देखी जा रही है, जो कि उपभोक्ताओं के लिए एक अच्छी खबर है। शुक्रवार, 2 अक्टूबर 2026 को जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में डीजल का दाम लगभग 95.20 रुपये प्रति लीटर है। मुंबई में ग्राहकों को एक लीटर डीजल के लिए 97.83 रुपये चुकाने पड़ रहे हैं। कोलकाता में डीजल 99.82 रुपये प्रति लीटर पर उपलब्ध है, वहीं चेन्नई में इसकी कीमत 99.55 से 99.66 रुपये प्रति लीटर के आसपास बनी हुई है। यह स्थिरता ऐसे समय में आई है जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव और कई बार तेजी देखने को मिल रही है।खास बात यह है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी के बावजूद, भारतीय घरेलू बाजार में पेट्रोल और डीजल के दामों में मई 2026 के बाद से कोई बड़ा बदलाव नहीं किया गया है।

नकली दवाओं पर रोक लागने बंद औषधि इकाइयों की मशीनरी नष्ट करने पर हुआ विचार

महिलाओं की मौत के बाद डीसीसी बैठक में राजस्थान औषधि नियंत्रण ने यह मुद्दा उठाया था

नई दिल्ली।

भारत की मुख्य औषधि नियंत्रक संस्था केंद्रीय औषधि मानक नियामक संगठन (सीडीएससीओ) नियमों का पालन नहीं करने वाली या बंद हो चुकी औषधि इकाइयों की मशीनरी को सही तरीके से नष्ट करने के प्रस्ताव पर विचार कर सकती है। इससे नकली या प्रतिबंधित दवाएं बनाना रोका जा सकेगा। दरअसल, केंद्रीय औषधि नियामक को सलाह देने वाली औषधि परामर्श समिति (डीसीसी) की 18 सितंबर को हुई बैठक में राजस्थान औषधि नियंत्रण विभाग ने यह मुद्दा उठाया था।

डीसीसी ने इस प्रस्ताव पर चर्चा की। उसने यह राय व्यक्त की कि यदि कोई नियामकीय व्यवस्था बना दी जाए तब भी इसका कार्यान्वयन खराब नजर आता है। कार्यवाही के विवरण के मुताबिक 'समिति ने माना कि असरदार प्रणाली में औषधि मशीनरी की पूरी आपूर्ति श्रृंखला शामिल होनी चाहिए न कि सिर्फ बंद कारखानों की मशीनरी को नष्ट करना। इसके बाद डीसीसी ने राजस्थान के औषधि नियंत्रक से औषधि मशीनरी की पहचान, निर्माण या आपूर्ति, मालिकाना हक, स्थानांतरण, काम बंद करने और निपटान को शामिल करने वाला विस्तृत प्रस्ताव जमा करने को कहा है। प्रस्ताव में नई निगरानी प्रणालियां, संसाधनों पर असर और निपटान के बाद बेकार पड़ी मशीनरी की निगरानी जैसे अन्य पहलू भी शामिल होने चाहिए। फिर भविष्य में होने वाली की चर्चा के लिए डीसीसी के सामने रखा जा सकता है।

शेयर बाजार कम रकम से अमीर बनने का मौका,इसमें सावधानी बरतना जरूरी

-निवेशक के लिए सबसे पहला कदम शब्दों और अवधारणाओं को समझना होगा

नई दिल्ली।

शेयर बाजार हर किसी को कम रकम से निवेश शुरू करने और संपत्ति बनाने का मौका देता है। ट्रेडिंग के जरिए पैसा कमाने के लिए सावधानी बरतना जरूरी है। शुरुआत करने वाले निवेशक के लिए सबसे पहला कदम उन शब्दों और अवधारणाओं को समझना होना चाहिए, जिन्हें उसे निवेश के लंबे सफर में अक्सर सुनना पड़ेगा। बुनियादी शब्दों की जानकारी होने से शुरुआती निवेशकों को जोखिम समझने, निवेश के मौकों का आकलन करने और गलतियों से बचने में मदद मिलती है। यहां कुछ ऐसे ही अहम शब्द दिए गए हैं- आर्बिट्राज ऐसी रणनीति है, जिसमें निवेशक एक ही संपत्ति को अलग-अलग बाजारों में एक ही समय पर खरीदकर और बेचकर कीमत के अंतर से मुनाफा कमाता है।

बियर मार्केट वह स्थिति है जब शेयरों की कीमतें लंबे समय तक तेज गिरावट का सामना करती हैं और निवेशकों का भरोसा कम होता है। इसके विपरीत, बुल मार्केट वह दौर है, जब शेयरों की कीमतें लगातार बढ़ रही होती हैं और निवेशकों का भरोसा मजबूत होता है। बॉन्ड एक निश्चित आय वाला निवेश विकल्प है, जिसमें आप सरकार या किसी कंपनी को पैसा उधार देते हैं और बदले में नियमित अंतराल पर ब्याज मिलता है। शेयर किसी कंपनी में स्वामित्व को दर्शाता है, जिससे निवेशक को डिविडेंड और शेयर की कीमत बढ़ने से होने वाले मुनाफे का फायदा मिल सकता है।

आईपीओ वह प्रक्रिया है, जिसके जरिए कोई कंपनी पहली

बार अपने शेयर आम लोगों के लिए जारी करती है। लिक्विडिटी यह बताती है कि किसी एसेट को बाजार में उसकी कीमत पर असर डाले बिना कितनी आसानी से खरीदा या बेचा जा सकता है। मार्केट कैपिटलाइजेशन किसी कंपनी के शेयर बाजार में मौजूद कुल शेयरों की कुल कीमत होती है, जिससे कंपनी के आकार का पता चलता है। म्युचुअल फंड में कई निवेशकों से पैसा जुटाकर उसे शेयर, बॉन्ड और अन्य प्रतिभूतियों के अलग-अलग पोर्टफोलियो में निवेश किया जाता है, जिसे पेशेवर फंड मैनेजर संभालते हैं। प्राइस-टू-अर्निंग रेश्यो किसी कंपनी के शेयर की कीमत की तुलना उसके प्रति शेयर मुनाफे से करता है, जिससे यह समझने में मदद मिलती है कि शेयर का मूल्यांकन ज्यादा है या कम।

टैरिफ के कारण लौट रही मैन्युफैक्चरिंग,बन रही नई फैक्ट्रियां और बढ़ रहे रोजगार-ट्रंप

वॉशिंगटन ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी टैरिफ नीतियों को अमेरिका में मैन्युफैक्चरिंग की नौकरियां और फैक्ट्रियां वापस लाने का श्रेय दे दिया है। उनका कहना है कि विदेशी कंपनियों से मिलने वाली प्रतिस्पर्धा से अमेरिकी उद्योगों को सुरक्षा देने की वजह से देश में मैन्युफैक्चरिंग फिर से तेज गति पकड़ी है। ट्रंप ने ट्रक निर्माता कंपनी के बढ़ते कारोबार का उदाहरण देकर कहा कि यह दिखाता है कि उनकी व्यापार नीतियां काम कर रही हैं। ट्रंप ने कहा, हमारे यहां पहले से ज्यादा फैक्ट्रियां बन रही हैं। आप बहुत अच्छा कर रहे हैं और ये कंपनियां भी अच्छा कर रही हैं। पूरे देश में फैक्ट्रियां और प्लांट बन रहे हैं। मैन्युफैक्चरिंग वापस आ रही है। ट्रंप ने कहा कि टैरिफ की वजह से विदेशी कंपनियों के लिए अमेरिका में सामान बेचकर पैसा कमाना और अमेरिकी कर्मचारियों की नौकरियां छीनना मुश्किल हुआ है। उन्होंने कहा कि वे अपना सामान यहां बेचते थे, पैसा लेकर चले जाते थे और आपके पास नौकरियां नहीं बचती थीं। लेकिन मेरे साथ ऐसा नहीं है। हमारी सरकार ने इस सिस्टम को बदल दिया है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी निर्यात रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। उन्होंने दावा किया कि चीन के साथ अमेरिका का व्यापार घाटा तेजी से कम हुआ है। ट्रंप ने कहा, हमारी मजबूत टैरिफ नीति की वजह से इस साल अमेरिकी निर्यात हमारे देश के इतिहास में सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया है।

उन्होंने कहा, चीन के साथ हमारा व्यापार घाटा गिरकर पिछले 44 साल के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है। ट्रंप ने कहा कि मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में कर्मचारियों की कमाई बढ़ी है और इस साल

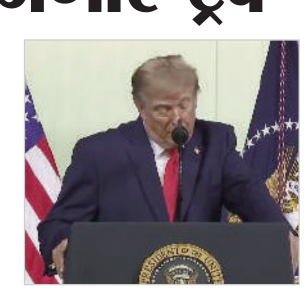

अमेरिका में 60,000 नई मैन्युफैक्चरिंग नौकरियां जुड़ी हैं। भारी ट्रकों का उत्पादन भी करीब 31 प्रतिशत बढ़ा है। ट्रंप ने कहा कि भारी ट्रकों की सप्लाई उनके प्रशासन के दौरान अमेरिकी इतिहास के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई है।

व्यवसायिक उपयोग वाले रसोई गैस सिलेंडर की कीमतें बढ़ीं

नई दिल्ली ।

व्यवसायिक उपयोग वाले रसोई गैस सिलेंडर की कीमतें बढ़ गयीहैं। इस बार 19 किलो वाले व्यवसायिक गैस सिलेंडर की कीमत में बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जबकि घरेलू सिलेंडर की कीमतों में बदलाव नहीं हुआ है। 14.2 किलो के घरेलू गैस सिलेंडर के दाम पहले की तरह ही बने हुए हैं। राजधानी दिल्ली में 19 किलो वाले व्यवासायिक उपयोग वाले गैस सिलेंडर की कीमत में 62.50 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। अब दिल्ली में यह सिलेंडर 2,810 रुपये में मिलेगा, जबकि इससे पहले सितंबर माह में इसकी कीमत 2,747.50 रुपये थी। देश के अन्य प्रमुख महानगरों में भी ये सिलेंडर महंगा हुआ है। मुंबई में 19 किलो वाला सिलेंडर अब 2,764.50 रुपये, कोलकाता में 2,954 रुपये और चेन्नई में 2,983 रुपये का हो गया है। इसी प्रकार, बेंगलुरु में इसकी कीमत 2,898 रुपये, उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में 2,932.50 रुपये और बिहार की राजधानी पटना में 3,100.50 रुपये तक पहुंच गई है। यह बढ़ोतरी मुख्य रूप से होटल, रेस्टोरेंट, कैटरिंग सेवाओं और अन्य व्यवसायकि उपभोक्ताओं को प्रभावित करेगी।वहीं, आम जनता के लिए राहत की खबर यह है कि घरेलू गैस सिलेंडर (14.2 किलो) के दाम में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है।

जरूरत से ज्यादा खर्च करके फंस सकते हैं कर्ज में,50-30-20 का नियम अपनाएं

महीने के खर्च का औसत निकालकर हर कैटेगरी के लिए एक आसान बजट बनाएं

नई दिल्ली।

बजट के बिना वित्तीय स्थिति को संभालना मुश्किल होता है और व्यक्ति जरूरत से ज्यादा खर्च करके कर्ज में फंस सकता है। बजट बनाने के लिए सबसे पहले अपने सभी खर्चों को समझना जरूरी है। इन्हें आमतौर पर किराया, बिल, बीमा, कर्ज की किस्त और बदलने वाले जैसे किराना, यात्रा, मनोरंजन खर्चों में बांटा जाता है। कुछ खर्च ऐसे भी होते हैं जो हर महीने नहीं आते, लेकिन अचानक बड़ी रकम खर्च हो सकती है, जैसे घर की मरम्मत या कोई बड़ी खरीदारी। इन सभी खर्चों को एक जगह लिखने के लिए बजट ट्रैकर बनाना चाहिए। सबसे पहले अपनी कुल आय निकालें और उसमें से टैक्स काटकर पता करें कि हर महीने आपके पास कितनी रकम बचती है। फिर अपने सभी तय खर्चों को लिखें और उनका योग करें। इसके बाद बदलने वाले और कभी-कभी होने वाले खर्चों पर ध्यान दें, पिछले कुछ महीनों के खर्चों का औसत निकालकर हर कैटेगरी के लिए एक आसान बजट तय करें। साथ ही अचानक होने वाले खर्चों के लिए थोड़ी रकम अलग रखें। अंत में सभी खर्चों को जोड़कर देखें कि आपकी नेट इनकम में से कितनी रकम खर्च हो रही है। यदि खर्च आय से ज्यादा हैं, तो गैर-जरूरी खर्चों में कटौती करें। अच्छी वित्तीय योजना के लिए वित्तीय विशेषज्ञ '50-30-20 नियम' का सुझाव देते हैं। इसके तहत शुद्ध आय का 50 फीसदी हिस्सा जरूरी या तय खर्चों जैसे-बिल, किराया, ईएमआई के लिए, 30 फीसदी आय इच्छाओं से जुड़े खर्चों जैसे-मनोरंजन, यात्रा के लिए और बाकी 20 फीसदी रकम बचत व निवेश के लिए रख सकते हैं। जब आपकी आय कम या ज्यादा होती है या अचानक खर्च बढ़ जाते हैं, तो बजट को दोबारा देखना जरूरी हो जाता है। ऐसे समय में इमरजेंसी फंड काम आता है। आय कम होने या खर्च बढ़ने पर, अपने खर्चों को तीन हिस्सों में बांटना आसान रहता है- पहला, जरूरी खर्च, दूसरा-ऐसे खर्च जिन्हें कुछ समय के लिए टाला जा सकता है ।

नतीजों से पहले आईटी सेक्टर में तेज बिकवाली दर्ज

-टियर-2 कंपनियों में ग्रोथ की रफ्तार रह सकती है बेहतर

नई दिल्ली।

भारतीय आईटी सेक्टर कंपनियां सितंबर तिमाही के नतीजों जारी करने के लिए तैयार हैं। टीसीएस, एचसीएल टेक और इंफोसिस के नतीजों के साथ अर्निंग सीजन की शुरुआत हो जाएगी। नतीजों से पहले सेक्टर में तेज बिकवाली दर्ज की जा रही है, जिसकी वजह से निफ्टी आईटी इंडेक्स एक साल के हाई लेवल से करीब 30 फीसदी नीचे ट्रेड कर रहा है।

हालांकि अमेरिकी आईटी कंपनी एक्सेंचर के नतीजों के बाद सेक्टर के लिए अच्छे संकेत नजर आ रहे हैं, जिसने वित्त वर्ष 2027 के लिए 3 से 6 फीसदी रेवेन्यू ग्रोथ गाइडेंस दिया है। सितंबर तिमाही में घरेलू आईटी कंपनियों की कमाई पर ग्लोबल लेवल पर कस्टमर्स का सतर्क रुख और धीमी टेक्नोलॉजी खर्च का असर देखने को मिल सकता है। एआई से बदलते आईटी बिजनेस का भी प्रभाव रहेगा, जहां एआई पुराने सर्विस मॉडल के लिए चुनौती बना हुआ है।

रिपोर्ट के मुताबिक टियर-1 आईटी कंपनियों की कॉन्स्टेंट करेंसी (सीसी) रेवेन्यू ग्रोथ करीब -1 फीसदी से 3.1 फीसदी के बीच रहने का अनुमान है। वहीं, टियर-2 कंपनियों में ग्रोथ की रफ्तार ज्यादा बेहतर रह सकती है। एचसीएल टेक, इंफोसिस और टेक महिंद्रा जैसी कंपनियां क्रमिक आधार पर बेहतर प्रदर्शन कर सकती हैं।

बिहार के मखाना को मिला अंतरराष्ट्रीय बाजार

ग्रीस के लिए 1 मीट्रिक टन खेप रवाना

नई दिल्ली ।

एपीडा कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीईडीए) की सहायता से बिहार के पूर्णिया से 1 मीट्रिक टन (एमटी) पॉप्ड मखाना की खेप ग्रीस के लिए रवाना हुई है।

केंद्र सरकार ने बताया कि यह कदम बिहार के मखाना उत्पादकों को अंतरराष्ट्रीय बाजारों से जोड़ने और उनके लिए बेहतर आय के मौके पैदा करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, यह खेप इंडो ग्लोबल एक्सपोर्ट, बेलौरी (पूर्णिया) द्वारा स्रोतित की गई है और इसका निर्यात एस.एस. फूड्स एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से हो रहा है। यह खेप मुंद्रा बंदरगाह से ग्रीस के पिराएस पोर्ट तक भेजी जाएगी। केंद्र सरकार ने बताया कि इस निर्यात से मखाना उत्पादकों को घरेलू बाजार की तुलना में बेहतर मूल्य प्राप्त हुआ है। इससे संकेत मिलता है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार बिहार के मखाना उत्पादकों के लिए अतिरिक्त आय और मूल्यवर्धन के महत्वपूर्ण मौके प्रदान कर सकते हैं। भारत दुनिया का सबसे बड़ा मखाना उत्पादक देश है और देश के कुल उत्पादन में बिहार की हिस्सेदारी करीब 80-85 प्रतिशत है। बिहार राज्य के 10 जिलों में 35,000 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में मखाना की खेती की जाती है, जिससे यह क्षेत्र हजारों किसानों की आजीविका का महत्वपूर्ण आधार बना हुआ है।

बिहार के कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान भारत ने 7,000 मीट्रिक टन से अधिक मखाना और मूल्यवर्धित मखाना उत्पादों का निर्यात किया, जिसकी कुल कीमत करीब 2.2 करोड़ डॉलर (22 मिलियन डॉलर) रही।

यह निर्यात 20 से अधिक देशों तक पहुंचा। उन्होंने बताया कि बिहार सरकार किसानों की आय बढ़ाने और कृषि निर्यात को प्रोत्साहित करने के मकसद से कृषि निर्यात नीति पर काम कर रही है।

इसके अलावा मखाना निर्यात मूल्य श्रृंखला को मजबूत करने के लिए राज्य में पैकहाउस भी विकसित तैयार किए हैं।

भारत में डिजिटल की विकसित तकनीक को ग्लोबल बाजार में उतारेगी जियो रिलायंस

कंपनी ने कोर नेटवर्क, रेडियो, सॉफ्टवेयर और ओएसएस-बीएसएस तकनीकों को किया विकसित

नई दिल्ली।

भारत के टेलीकॉम बाजार में अपनी मजबूत स्थिति बनाने के बाद रिलायंस जियो अब वैश्विक तकनीकी बाजार में विस्तार की तैयारी कर रही है। जियो प्लेटफॉर्म्स ने संकेत दिया है कि कंपनी भारत में डिजिटल बुनियादी ढांचे के लिए विकसित की गई तकनीक को उत्पादों में बदलकर अंतरराष्ट्रीय बाजार में पेश करेगी। कंपनी का फोकस 5जी नेटवर्क तकनीक, एआई, क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर, डिवाइस और एंटरप्राइज सॉफ्टवेयर जैसे क्षेत्रों पर है। रिपोर्ट के मुताबिक जियो ने भारत में अपने नेटवर्क के लिए कोर नेटवर्क, रेडियो, नेटवर्क सॉफ्टवेयर और ओएसएस-बीएसएस जैसी तकनीकों को विकसित किया है। कंपनी का दावा है कि उसने इन तकनीकों को बड़े स्तर पर नेटवर्क में लागू किया है। अब इसी तकनीकी क्षमता को व्यावसायिक उत्पादों में बदलकर दूसरे देशों के बाजारों तक पहुंचाने की योजना पर काम किया जा रहा है। शुरुआत में जियो का मुख्य जोर ज्यादा से ज्यादा ग्राहकों को जोड़ने और किफायती मोबाइल डेटा उपलब्ध कराने पर था।

अब कंपनी का ध्यान डिजिटल प्लेटफॉर्म, सॉफ्टवेयर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के लिए बुनियादी ढांचे, कनेक्टिविटी और कंप्यूटिंग सेवाओं के विकास पर बढ़ रहा है। कंपनी का मानना है कि भारत में तैयार की गई तकनीक को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उपयोग के लिए पेश किया जा सकता है। जियो ने 5जी कोर और नेटवर्क सॉफ्टवेयर के साथ रेडियो उपकरण भी विकसित किए हैं। कंपनी के मुताबिक इन्हीं तकनीकों की मदद से देश में बड़े पैमाने पर 5जी नेटवर्क का विस्तार किया गया। मार्च 2026 तक भारत में 26.8 करोड़ 5जी उपयोगकर्ता होने का दावा किया गया है। 31 मार्च 2026 तक जियो प्लेटफॉर्म्स और उसकी इकाइयों ने 4जी, 5जी, 6जी, एआई और क्लाउड जैसे क्षेत्रों में कुल 6,817 पेटेंट दाखिल किए थे।

पटना में राष्ट्रीय सूड़ी महासभा का महासम्मेलनः बीसी-1 में शामिल करने की उठी मांग, संजय सरावगी बोले- सरकार के समक्ष रखेंगे बात

अभय आर्या/बिभा

पटनाः राजधानी के विद्यापति भवन में राष्ट्रीय सूड़ी महासभा (सूड़ी संघर्ष मोर्चा) के तत्वावधान में आयोजित राज्यस्तरीय 'सूड़ी गौरव सम्मान-2026' सह महासम्मेलन में बिहार, उत्तर भारत के कई राज्यों और नेपाल से आए समाज के हजारों लोगों का महाजुटान हुआ। कार्यक्रम का मुख्य एजेंडा समाज के हक, स्वाभिमान, राजनीतिक भागीदारी और सूड़ी जाति को अति पिछड़ा वर्ग (बीसी-1) में शामिल कराने का रहा। इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली प्रतिभाओं को 'सूड़ी गौरव सम्मान' से नवाजा गया।

समारोह के मुख्य अतिथि भाजपा बिहार प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी का 'ग्राम संसद' के ब्रांड एंबेसडर दिगंबर मंडल ने अंगवस्त्र और स्मृति चिह्न भेंट कर स्वागत किया। जनसभा को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा कि सूड़ी समाज का इतिहास पुरुषार्थ और त्याग से भरा है और समाज की न्यायोचित मांगों को सरकार के समक्ष मजबूती से रखकर समाधान निकालना प्राथमिकता रहेगी। वहीं सिक्किम के पूर्व राज्यपाल गंगा प्रसाद ने कहा कि यह जनसैलाब समाज की जागरूकता और एकजुटता का प्रमाण है। दीघा विधायक संजीव चौरसिया और ढाका विधायक पवन जायसवाल ने भी समाज की मांगों का समर्थन करते हुए आंदोलन में साथ खड़े रहने की बात कही।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पूर्व विधान पार्षद व महासभा के संरक्षक सुमन कुमार महासेठ ने कहा कि पश्चिम बंगाल में समाज को अनुसूचित जाति और झारखंड में अति पिछड़ा वर्ग में रखा गया है, लेकिन बिहार में यह अब भी पिछड़ा वर्ग (बीसी-2) में है। पारंपरिक रोजगार बंद होने से समाज आर्थिक विषमता झेल रहा है, इसलिए सरकार अविलंब इसे बीसी-1 में शामिल करे। वहीं प्रदेश कार्यक्रम संयोजक प्रह्लाद कुमार पूर्वे ने कहा कि 20 वर्षों के अनवरत संघर्ष से समाज में राजनीतिक चेतना आई है और अब हक लेकर ही रहेंगे।

समारोह में ज्योति वैध, धन्वन्तरी देवी और सुनील नायक ने भी विचार रखे। आयोजकों ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने सूड़ी समाज को अति पिछड़ा वर्ग में शामिल करने का फैसला नहीं लिया, तो आंदोलन को राज्य के सभी प्रखंड मुख्यालयों तक ले जाया जाएगा।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में प्रदेश सह-संयोजक अनिल वैद्य, कोषाध्यक्ष अजय महतो, मीडिया प्रभारी अभय आर्या और कार्यालय प्रभारी राजेश कुमार की भूमिका रही। इस मौके पर प्रमंडल संयोजक आलोक अंजन, आरा मेयर इंदु देवी, गोपी किशन, शिवरतन गुप्ता, झारखंड से बीरेंद्र साहू, राम उदार महासेठ, पूर्व न्यायाधीश अजीत मोदी, सतीश कुमार, कुमारी गुड्डी और मंच संचालक मनोरंजन कुमार सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

'स्वच्छता ही सेवा' अभियान 2026 राष्ट्रव्यापी अभियान का सफलतापूर्वक समापन

धनबाद(बिभा): स्वच्छता ही सेवा अभियान के 16वें दिन धनबाद मंडल में इस राष्ट्रव्यापी अभियान का सफलतापूर्वक समापन किया गया ` इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक श्री अखिलेश मिश्र के नेतृत्व में अधिकारियों, कर्मचारियों तथा भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के सदस्यों एवं बच्चों द्वारा मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, धनबाद से धनबाद रेलवे स्टेडियम तक प्रभात फेरी निकाली गई, जिसके माध्यम से आमजन को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया` धनबाद रेलवे स्टेडियम में मंडल रेल प्रबंधक द्वारा उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं प्रतिभागियों को स्वच्छता शपथ दिलाई गई तथा उन्होंने सभी से स्वच्छता के प्रति सदैव सजग रहने, श्रमदान करने, गंदगी न फैलाने, अपने आसपास के क्षेत्रों को स्वच्छ रखने तथा स्वच्छता के संदेश का व्यापक प्रचार-प्रसार करने का आह्वान किया` इस अवसर पर भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के सदस्यों द्वारा प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक का मंचन कर कचरा प्रबंधन, सिंगल-यूज प्लास्टिक के दुष्परिणामों तथा खुले में गंदगी न फैलाने का संदेश जीवंत एवं प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया` इसके पश्चात धनबाद रेलवे स्टेडियम परिसर में पौधारोपण अभियान चलाया गया, जिसमें मंडल रेल प्रबंधक सहित अधिकारियों ने पौधारोपण किया ` कार्यक्रम के दौरान मंडल रेल प्रबंधक द्वारा स्वच्छता कर्मियों को पी.पी.ई. किट वितरित की गई तथा उनके महत्वपूर्ण योगदान की सराहना करते हुए कार्य के दौरान सुरक्षा मानकों का पालन करने के लिए प्रोत्साहित किया गया` विदित हो कि धनबाद मंडल में दिनांक 17.09.26 से 02.10.26 तक चले ह्यस्वच्छता ही सेवाह्व अभियान के दौरान स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, कचरा प्रबंधन एवं जन-जागरूकता से संबंधित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया` रेलवे प्रशासन ने संदेश दिया कि अभियान का औपचारिक समापन भले ही हो गया हो, लेकिन स्वच्छता को दैनिक जीवन एवं कार्यशैली का अभिन्न हिस्सा बनाने का संकल्प निरंतर जारी रहेगा`

कटरा-बनिहाल सेक्शन पर 100 किमी/घंटे की रफ्तार से दौड़ी वंदे भारत, चिनाब व अंजी पुल को पार कर रचा नया इतिहास

नई दिल्ली(बिभा): भारतीय रेल ने उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक (यूएसबीआरएल) परियोजना के तहत एक ऐतिहासिक मुकाम हासिल किया है। श्री माता वैष्णो देवी कटरा से बनिहाल के बीच 111 किलोमीटर लंबे रेलखंड पर ट्रेनों की अधिकतम गति सीमा 75 किलोमीटर प्रति घंटा से बढ़ाकर 100 किलोमीटर प्रति घंटा कर दी गई है। शुक्रवार, 2 अक्टूबर को इस बढ़ी हुई गति का सफल परीक्षण संपन्न हुआ। परीक्षण के दौरान वंदे भारत एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 26401/26404) ने 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ते हुए दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे आर्च ब्रिज 'चिनाब ब्रिज' और देश के पहले केबल-स्टेड 'अंजी खड्ड ब्रिज' को सफलतापूर्वक पार किया। दुर्गम हिमालयी भूभाग में स्थापित इन इंजीनियरिंग अजूबों पर 100 की रफ्तार से ट्रेन का गुजरना भारतीय रेल के आधुनिक तकनीकी कौशल का सशक्त प्रमाण है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म '' पर इस ऐतिहासिक उपलब्धि की जानकारी साझा करते हुए इसे देश के लिए गर्व का क्षण बताया। गति सीमा में इस बढ़ोतरी से पूरे सेक्शन पर ट्रेनों का परिचालन सुगम होगा, यात्रा समय में उल्लेखनीय कमी आएगी और कश्मीर घाटी की यात्रा करने वाले यात्रियों को अधिक सुरक्षित, तेज और आरामदायक सफर का अनुभव मिलेगा।

आसनसोल मंडल में स्वच्छता शपथ एवं स्वच्छता गतिविधियों के साथ गांधी जयंती मनाई गई

बिहान भारत

आसनसोलः आसनसोल मंडल, पूर्व रेलवे द्वारा गांधी जयंती के अवसर पर मंडल के विभिन्न स्थानों पर स्वच्छता शपथ, पुष्पांजलि, सांस्कृतिक कार्यक्रम, श्रमदान, पौधारोपण अभियान एवं जन-जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्वच्छता ही सेवा 2026 अभियान का भी समापन हुआ।

आसनसोल स्थित मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में श्री संग्रह मौर्य, मंडल रेल प्रबंधक, आसनसोल, श्री देबब्रत चटर्जी, अपर मंडल रेल प्रबंधक, आसनसोल, शाखा अधिकारियों एवं रेल कर्मचारियों ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को पुष्पांजलि अर्पित की। इसके पश्चात मंडल रेल प्रबंधक द्वारा अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता शपथ दिलाई गई, जिसमें स्वच्छता के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करने का संकल्प लिया गया।

स्वच्छता शपथ के दौरान महात्मा गांधी के स्वच्छ एवं विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए सभी को स्वच्छता गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया गया। प्रत्येक व्यक्ति द्वारा प्रति वर्ष 100 घंटे अथवा प्रत्येक सप्ताह दो घंटे स्वैच्छिक रूप से स्वच्छता गतिविधियों के लिए देने, स्वयं कूड़ा न फैलाने तथा दूसरों को भी कूड़ा न फैलाने देने, अपने घर, कार्यस्थल एवं आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ रखने तथा कम से कम 100 अन्य लोगों को स्वच्छता अभियान से जोड़ने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर महात्मा गांधी के सत्य, शांति एवं सादगी के आदर्शों पर आधारित एक संक्षिप्त सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

मंडल के एमडीजेडटीआई/भूली, आसनसोल, अंडाल, सिमुलतला, सिउड़ी, उखड़ा तथा अन्य रेलवे प्रतिष्ठानों में भी स्वच्छता शपथ, प्रभात फेरी, नुक्कड़ नाटक, श्रमदान, पौधारोपण अभियान तथा स्वच्छता कर्मियों के बीच व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण किट के वितरण सहित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। इन गतिविधियों में रेल कर्मचारियों, विद्यार्थियों, स्वच्छता कर्मियों एवं यात्रियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

इस अवसर पर स्वच्छता ही सेवा 2026 अभियान का भी समापन हुआ, जो 17 सितंबर से 02 अक्टूबर 2026 तक ह्लस्वच्छता में सहभाग, स्वच्छ भारत, विकसित भारतह्व विषयवस्तु के साथ आयोजित किया गया।

इस बीच, स्वच्छता पखवाड़ा 2026 का आयोजन 01 अक्टूबर से 15 अक्टूबर 2026 तक किया जा रहा है। इसके अंतर्गत गहन स्वच्छता अभियान, कचरे का पृथक्करण, ट्रैक किनारे के क्षेत्रों की सफाई तथा जन-जागरूकता गतिविधियों पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

इसी क्रम में, विशेष अभियान 6.0 का कार्यान्वयन चरण 02 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2026 तक चलेगा। अभियान के अंतर्गत स्वच्छता, लंबित मामलों के निपटारे, अभिलेखों के उचित प्रबंधन, कार्यालयीन स्थान के बेहतर उपयोग तथा ई-कचरे एवं अन्य अनुपयोगी सामग्रियों के सुरक्षित एवं उचित निपटान पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

इन सतत पहलों के माध्यम से आसनसोल मंडल, पूर्व रेलवे महात्मा गांधी के स्वच्छता संबंधी दृष्टिकोण को निरंतर कार्यरूप देने की दिशा में प्रयासरत है, ताकि यात्रियों, रेल कर्मचारियों एवं आम जनता के लिए रेलवे परिसरों को अधिक स्वच्छ, स्वस्थ एवं सुव्यवस्थित बनाया जा सके।

उत्तर मध्य रेलवे में 'स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा' का समापनः 12 हजार से अधिक स्वच्छता लक्षित इकाइयों का हुआ कायाकल्प

बिहान भारत

प्रयागराजः उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय, सूबेदारगंज में 17 सितंबर से चल रहे स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा-2026 का विधिवत समापन शुक्रवार, 2 अक्टूबर को 'स्वच्छ भारत दिवस' एवं गांधी-शास्त्री जयंती के अवसर पर संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अपर महाप्रबंधक राजकुमार वानखेड़े रहे। समारोह की शुरूआत में प्रधान मुख्य यांत्रिक इंजीनियर अनिल कुमार द्विवेदी ने मुख्य अतिथि को पौधा भेंट कर स्वागत किया। इसके उपरांत अपर महाप्रबंधक ने उपस्थित अधिकारियों व कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई तथा सभी ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के चित्रों पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

महाप्रबंधक नरेश पाल सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित इस पखवाड़े के दौरान रेलवे बोर्ड द्वारा निर्धारित पांच प्रमुख स्तंभों के तहत कुल 4,770 कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया गया। स्वच्छता लक्षित इकाइयों (सीटीयू) के रूपांतरण में जोन ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। बोर्ड द्वारा मिले 3,500 के लक्ष्य के मुकाबले उत्तर मध्य रेलवे ने 14,837 इकाइयों को चिन्हित किया, जिनमें से रिकॉर्ड 12,246 से अधिक स्थलों का पूरी तरह कायाकल्प कर उन्हें स्वच्छ व सुंदर बनाया गया।

अभियान के दौरान युवाओं को जोड़ने के लिए 555 स्वच्छता पाठशालाएं आयोजित हुईं, जबकि सफाई मित्रों के कल्याण व स्वास्थ्य परीक्षण के लिए 116 सुरक्षा शिविर लगाए गए। जनसामान्य को जोड़ने के उद्देश्य से 837 जनभागीदारी कार्यक्रमों का आयोजन हुआ, जिसमें करीब 55,000 नागरिकों ने अपनी भागीदारी दर्ज कराई। इसके अतिरिक्त 'स्वच्छता से समृद्धि' के तहत 284 और विश्व पर्यटन दिवस (27 सितंबर) पर 124 विशेष स्वच्छता कार्यक्रम संचालित किए गए। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत मुख्यालय में सघन पौधरोपण किया गया। उत्तर मध्य रेलवे वर्तमान वित्तीय वर्ष में 2 करोड़ पौधे लगाने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य की ओर तेजी से अग्रसर है। पूरे पखवाड़े एवं समापन समारोह का सफल संचालन मनीष कुमार के नेतृत्व में मुख्यालय पर्यावरण अनुभाग द्वारा सुनिश्चित किया गया।

पूर्व मध्य रेल के जीएम डिम्पी गर्ग ने दिलाई स्वच्छता शपथ, पाटलिपुत्र रेल परिसर में निकाली गई प्रभात फेरी

बिहान भारत

हाजीपुरः पूर्व मध्य रेल में 1 से 15 अक्टूबर तक मनाए जा रहे ह्यस्वच्छता पखवाड़ा-2026ह्व के तहत शुक्रवार, 2 अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर पाटलिपुत्र रेल परिसर (दीघा, पटना) में कई गरिमामयी कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान स्वच्छता शपथ, प्रभात फेरी और सघन पौधरोपण कार्यक्रम संपन्न हुआ।

समारोह की शुरूआत में पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक (जीएम) डिम्पी गर्ग ने बापू और शास्त्री जी के चित्रों पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इसके उपरांत महाप्रबंधक ने उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों और उनके परिजनों को स्वच्छता शपथ दिलाई। सभी ने स्वच्छता को दिनचर्या का हिस्सा बनाने, सार्वजनिक स्थलों को साफ-सुथरा रखने और स्वस्थ वातावरण के निर्माण में योगदान देने का संकल्प लिया।

शपथ ग्रहण के बाद पाटलिपुत्र रेल परिसर में भव्य प्रभात फेरी व स्वच्छता रैली निकाली गई, जिसमें महाप्रबंधक, रेल अधिकारी और उनके परिवार के सदस्य शामिल हुए। प्रभात फेरी में भारत स्काउट्स एंड गाइड्स की टीम ने बैंड के साथ मार्च किया, वहीं रेल सुरक्षा बल (आरपीएफ) की साइक्लिंग टीम ने रैली में शामिल होकर स्वच्छता और स्वस्थ जीवनशैली का संदेश दिया।

रैली के उपरांत महाप्रबंधक डिम्पी गर्ग ने अधिकारियों के साथ परिसर में पौधरोपण किया और पर्यावरण संरक्षण पर बल दिया। उन्होंने बताया कि 'स्वच्छ रेलझ्रस्वच्छ परिसरझ्रस्वच्छ पर्यावरण' के संकल्प के साथ पूर्व मध्य रेल के सभी मंडलों, स्टेशनों, कार्यालयों व रेलवे कॉलोनियों में स्वच्छता पखवाड़े के तहत जनभागीदारी आधारित कई कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जा रहे हैं। इसी प्रकार के आयोजन जोन के सभी मंडलों और कार्यस्थलों पर भी उत्साहपूर्वक संपन्न हुए।

जनसेवा एक्सप्रेस में सांप दिखाकर यात्रियों से पैसे मांगने वाले 06 सपेरे पकड़े गए

बिहान भारत

हाजीपुर : पूर्व मध्य रेल के सोनपुर मंडल के अंतर्गत दिनांक 02 अक्टूबर 2026 को गाड़ी संख्या 14618 जनसेवा एक्सप्रेस के साधारण कोच में सांप दिखाकर यात्रियों से पैसे मांगने के मामले में 06 सपेरों को पकड़कर दिघवारा स्टेशन पर उतारा गया।

प्राप्त रेल मदद सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए रेसुब सोनपुर आउट पोस्ट दिघवारा के उप निरीक्षक श्री शमशेर कुमार एवं सहायक उप निरीक्षक श्री विजय कुमार द्वारा उक्त ट्रेन की निगरानी की जा रही थी।

गाड़ी के छपरा स्टेशन से प्रस्थान करने के बाद साधारण कोचों की जांच के दौरान 06 व्यक्तियों को सांप दिखाकर यात्रियों से पैसे मांगते हुए पाया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए गाड़ी के सोनपुर मंडल के अंतर्गत अगले ठहराव दिघवारा स्टेशन पर उक्त सभी व्यक्तियों को उनके कृत्य से अवगत कराते हुए ड्यूटी पर तैनात बल सदस्यों की सहायता से ट्रेन से उतारा गया।

पूछताछ के दौरान पकड़े गए व्यक्तियों द्वारा अपना नाम एवं पता स्पष्ट रूप से नहीं बताया गया। उनके द्वारा अलग-अलग स्थानों, जैसे लखनऊ एवं हिमाचल प्रदेश का निवासी होने की जानकारी दी गई। उनके नाम एवं पते का सत्यापन किया जा रहा है।

मामले में वन विभाग से समन्वय स्थापित किया गया है तथा संबंधित प्रावधानों के तहत आवश्यक विधिसम्मत कार्रवाई प्रक्रियाधीन है। भारतीय रेल आम जन मानस से आग्रह करती है कि जागरुक रहें। ट्रेन में सांप दिखा पैसे माँगना गैर कानूनी है। ऐसा होता देखने पर यथा शीघ्र शिकायत करें ताकि समय रहते यथोचित कार्रवाई की जा सके। आपकी सुरक्षित और आरामदायक यात्रा के लिए भारतीय रेल कृत संकल्प है।

पूर्व रेलवे ने मनाया 'स्वच्छ भारत दिवस': जीएम गीतिका पाण्डेय ने दिलाई शपथ

बिहान भारत

कोलकाताः पूर्व रेलवे ने 2 अक्टूबर को राष्ट्रव्यापी स्वच्छता पखवाड़े के तहत 'स्वच्छ भारत दिवस' पूरी गरिमा और उत्साह के साथ मनाया। इस अवसर पर कोलकाता के नारकेलडांगा में आयोजित मुख्य समारोह के दौरान पूर्व रेलवे की महाप्रबंधक सुश्री गीतिका पाण्डेय ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इसके साथ ही उन्होंने नारकेलडांगा रेलवे कॉलोनी स्थित आरपीएफ बैरक में रेलकर्मियों और अधिकारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाकर समारोह का विधिवत शुभारंभ किया।

महाप्रबंधक गीतिका पाण्डेय ने स्वयं श्रमदान और पौधारोपण कार्यक्रमों में भाग लेकर कर्मचारियों को स्वच्छ व हरित रेल परिसर के निर्माण के लिए प्रेरित किया। समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि स्वच्छता दिवस और पखवाड़े के जरिए बापू के आदर्शों को आगे बढ़ाया जा रहा है, जिन्होंने राष्ट्र निर्माण में स्वच्छता को सर्वोपरि स्थान दिया था। उन्होंने बताया कि साल भर चलने वाली गतिविधियों के अलावा रेलवे ने 17 सितंबर से विशेष स्वच्छता अभियान भी चला रखा है। इस दौरान महाप्रबंधक ने आरपीएफ बैरक परिसर में नवनिर्मित बायो-गैस संयंत्र का लोकार्पण किया और पूर्व रेलवे महिला कल्याण संगठन (सियालदह) द्वारा संचालित 'सृजन कला केंद्र' में बच्चों द्वारा प्रस्तुत गीतिनाट्य की सराहना की।

समारोह में अपर महाप्रबंधक शीलेंद्र प्रताप सिंह, प्रधान मुख्य विद्युत इंजीनियर धनेश्वर मोहंता, प्रधान मुख्य इंजीनियर विक्रम गुप्ता, प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक डॉ. उदय शंकर झा, प्रधान मुख्य यांत्रिक इंजीनियर परमानंद शर्मा, आईजी-सह-प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त अमिय नंदन सिन्हा, सियालदह के डीआरएम राजीव सक्सेना सहित कई वरिष्ठ विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे।

पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शिबराम माझि ने बताया कि जोन के सभी मंडलों, कारखानों और मुख्यालयों में स्वच्छता शपथ, श्रमदान, प्रभात फेरी तथा 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत बड़े पैमाने पर पौधारोपण किया गया। इन आयोजनों का उद्देश्य वैज्ञानिक अपशिष्ट प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण के जरिए यात्रियों व समाज को स्वच्छ, हरित एवं पर्यावरण-अनुकूल रेल सेवा उपलब्ध कराना है।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा डी बी कॉर्प लिमिटेड ,प्लॉट नंबर- 535 व 1272, नियर फारेस्ट ऑफिस, ललगुटवा, रांची - 835303, झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली** ।
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com